# *पतमुस टापू का दर्शन*

... जैसा कि भाई नेविल उन घोषणाओं को कर रहे थे, जिसे भाई मूर एक दिन बता रहे थे, वे प्रभु की आत्मा के बारे में बात कर रहे थे... जो इमारत के अंदर आ रहा था। उसने कहा, "यह बहुत ही अधिक रहा, इतना तक मुझे लगा कि रेपचर आ गया था, जब तक मैंने लोगो को यहां वहां बैठा हुआ नहीं देख लिया," कहा, "यह अभी तक नहीं आया है, क्योंकि यदि—यदि वे अब भी यहां है, तो मैं अभी भी यहां हूं।" इसलिए कभी–कभी प्रभु की आत्मा इसे हमारे लिए अच्छा करती है।

2 हम बहुत से मित्रो को यहां इमारत में देखकर बहुत ही खुश हैं। बहुत से लोग को बारे में बताने की कोशिश करते हैं। मैंने अभी–अभी देखा, दरवाजे पर आते हुए, भाई कारपेंटर को, वो व्यक्ति वहां उसकी पत्नी के साथ है उसने और मैंने एक साथ विवाह किया। भाई कारपेंटर, वो यहां कलीसिया में हमारे लिए एक बडी आशीष रहे है, और सेवकाई के जरिये से वे हमारे लिए एक आशीष रहे है, और लगभग वे जो भी, कही भी प्रचार करते है। और हम उन्हें यहां हमारे साथ पाकर खुश है, ओह, बहुत से दुसरे लोगों को देखकर खुश है।

3 अब यहां एक और सवाल है जो मुझे कल शाम को दिया गया था:

**भाई ब्रंहम, क्या मत्ती 25 के पाँच मूर्ख कुंवारियों को बचे हुए अन्यजातियों के रूप में गिना जाता है? मैं समझता हूं कि पांच मूर्ख कुंवारियों को बचा लिया गया था, लेकिन उन्हें उस बड़े महासंकट के दौर से गुजरना पड़ेगा। क्या ये सही बात है? यदि हां, तो उनकी अंतिम मंजिल क्या होगी? क्या वे भेड़ें हो सकती हैं, जो मत्ती 25:33 और 34 में बकरियों से विभाजित हुई हैं?**

4 बहुत ही अच्छा धर्म ज्ञानी है उसके अनुसार जो मैं... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... ये भी सोचे कि वे जो बचे हुए है, सोई हुई कुवांरी जिसके लिए प्रकाशितवाक्य में बताया गया; स्त्री के बीज जो परमेश्वर की आज्ञाओं को में बने रहते हैं और यीशु मसीह की गवाही को देते हैं। एक महिला कपडे को लेती है और उस कपडे को जमीं पर बिछा देगी; तो, अब, वह उसे काटती है... या उसके आकार को देती है, और वो कहीं से भी काटती है

उसकी इच्छा के अनुसार, जिस तरह से वह उसे काटना चाहती है। और फिर उसने जो कुछ बचा कर छोड़ा है, उसे अवशेष कहा जाता है, लेकिन वह अपनी स्वतंत्र सोच से इसे एक निश्चित स्थान से काटने के लिए चुनती है। लेकिन जो बचा है उसे अवशेष कहा जाता है।

5 अब, यदि आप ध्यान दे, तो पाँच मूर्ख और पाँच बुद्धिमान कुंवारीयां थीं; वे सभी कुंवारीयां थीं, जो एक ही वस्तु से बनी हुई थीं। लेकिन, चुनाव के द्वारा, परमेश्वर ने दुनिया की नींव डालने से पहले चुनाव के द्वारा, उसने अपनी दुल्हन को चुना, मेमने की जीवन किताब पर उनके नाम को डाला जो दुनिया की नींव डालने से पहले घात हुआ; इससे पहले कि संसार का कभी आरंभ होता, परमेश्वर ने उसके मन में, अनंत होने के नाते।

6 और हम कभी–कभी "पहले से ठहराया जाना" इस शब्द का उपयोग करते हैं, लेकिन यह इस कलीसिया युग में एक निश्चित पकड़ है, जिसमें हम रहते हैं। यह निश्चित रूप से शहीदों के दिनों में इस्तेमाल की जाने वाली एक महान बात थी क्योंकि वे निश्चित रूप से इस पर विश्वास करते थे। लेकिन अब ये बात इनसे दूर हो गयी है, वे कलीसिया में नियम–कायदे के विचार, नियम–कायदे की शिक्षा को देते है, जो आकर... जो एक अच्छी बात थी, क्योंकि यह सब के सब इंग्लैंड में एक कैल्विनिस्टिक में चले गये थे, इतना तक उनके पास कोई और बेदारी नहीं हुई, और जॉन वेस्ली आर्मिनियन सिद्धांत के प्रचार करने के साथ आता हैं, जिसने इसे संतुलित कर दिया। परमेश्वर हमेशा इसे संतुलित करेगा।

7 तो फिर मूर्ख कुंवारी वो थी, जिसके दीयों में तेल नहीं था, जो मैं सोचता हूं कि उसे बाहरी अंधकार में डाल दिया गया था, जहाँ पर रोना, पीटना और दांतों का पिसना था। और यदि आप उसकी तुलना करेंगे, या आपके पदचिन्ह, तो यह इसे फिर से सीधे बड़े महासंकट पर वापस ले जायेगा। और मैं सोचता हूं कि वे वही हैं, जो पीछे रह जाते हैं और बड़े महासंकट से होकर गुजरते हैं। और वहाँ इस पर पूर्ण रूप से सबक है, यदि हमारे पास इसमें जाने का समय होता था तो बताते। यदि आप...

8 अब, याद रखे, मैंने पहली बार कहा है, जब आप टेप को सुनेगे, "ये बातें बस उसी तरह से हैं जैसे मैं विश्वास करता हूं, वे सही होंगी।" समझे? अब, यदि वे गलत होती हैं, तो मैं नहीं जानता—मैं नहीं जानता कि वे, मैं... और मैं केवल वही कह सकता हूं, जो मैं विश्वास करता हूं। और मेरा

उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है। जब हम आते हैं तो हमें उन चीजो को एक तरफ रखना चाहिए, और फिर उन बातों को ले और इसे ढूंढे जो बातें कही गई है, और देखें कि क्या यह वास्तव में वचन के अनुसार है या नहीं। यह इसे करने का सबसे अच्छा तरीका है। फिर... क्योंकि ऐसे दिन में जैसे अब हम रह रहे हैं, ऐसे राष्ट्र में जहां पर सब बार–बार और बार–बार बटोरा गया है, सारी उन तरह–तरह की बातों से, फिर लोगों के लिए इसे पकड़ना कठिन हो जाता है, जैसे ये नए क्षेत्रो में होता है। आप उन्हें बताते है, वे इसे विश्वास करते है, इसी तरह से ये चलता रहता है।

9 लेकिन, अब, कोई एक *इस* विचार के साथ आएगा, और कोई एक *इस* दुसरे विचार के साथ आएगा, और हमारे पास लगभग नौ सौ और कुछ अलग–अलग संप्रदाय की कलीसियाये है, और प्रत्येक के पास एक दूसरे के विपरीत (उनकी शिक्षाये) है; और वहां कोई तो गलत होगा, और कोई तो सही होगा। सो, अब इसका एकमात्र प्रमाण है, इसे वापस बाइबिल में लाना है; देखो, बाइबल की ओर लाये। अब, कई बार, लोग अपना खुद का अनुवाद डालते हैं। लेकिन हम पूरा यत्न करते हैं, जितना हम कर सकते है, अपना कुछ भी मानवीय अनुवाद इस पर ना डाले। बस जैसे यह है इसे वैसे ही पढ़ें, और कहे, "इसका यही तरीका है।"

10 और फिर मैंने हमेशा ध्यान दिया है, यदि आप उसी तरह से लेते है जो उसने कहा है, तो हर एक बात बिल्कुल सही वचन से जुडती जायेगी। ये लगभग एक यहां–वहां बिखरी एक पहेली (तस्वीर) को एक साथ रखने की तरह होता है, आपको मूल तस्वीर (पैटर्न) को देखना होगा, इससे पहले कि आप यहां वहां बिखरी पहेली को एक साथ सही तरह से रख सकें। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो मैं हमेशा कहता हूं, "आपके पास एक... आपके पास जो तस्वीर होगी, आपके पास एक गाय होगी, जो एक पेड़ के ऊपर घास को खा रही है।" सो यह—सो यह तब तो सही नहीं दिखाई देगा।

11 और यदि हम केवल पवित्र आत्मा को करने देते है... बाइबिल किसने लिखी है? पवित्र आत्मा मनुष्यों पर आया और बाइबल को लिखा। तब बिना पवित्र आत्मा के, आप चाहे कितने भी पूरी तरह से शिक्षित क्यों न हों, आप इसे कभी नहीं समझेंगे। क्योंकि यीशु ने भी परमेश्वर को धन्यवाद

दिया था कि उसने इसे ज्ञानियों और बुद्धिमानो की आँखों से छिपा कर और इसे ऐसे बालको पर प्रकट किया है जो सीखना चाहते है। और उन में हर एक चेला कम या ज्यादा पढ़ा–लिखा और अनपढ़ था सिवाय एक के, और वह पौलुस था। और पौलुस ने कहा कि मसीह को पाने के लिए उसे सब भूल जाना है जिस बातों को वो हमेशा से जानता आया था। तो उसने कुरिन्थियो की कलीसिया से कहा, कि वो "मनुष्यो के ज्ञान और बड़ी–बड़ी बातों के साथ नहीं आया था," इसलिए कि तब उनका विश्वास मनुष्यो के ज्ञान पर होगा, लेकिन वह पवित्र आत्मा की सामर्थ और प्रमाण के साथ उनके पास आया, कि उनका विश्वास परमेश्वर के वचन के अनुसार पवित्र आत्मा के कार्यों पर विश्राम करे। और यहीं पर हम ठीक अभी बहुत ही नजदीक बने रहने का यत्न कर रहे हैं, क्योंकि सप्ताह के खत्म होने से पहले, या सप्ताह का समय पूरा होने से पहले, आप इसे देखेंगे, यह बिल्कुल वही है, वो छोटा सा धागा उस युग के साथ–साथ वहां से होते हुए आगे आ रहा है।

12 बोर्ड को थोड़ा ऊपर रखने के लिए धन्यवाद। यह अच्छा लग रहा है।

13 अब, ओह, हम... मैं सोचता हूं हमारे पास यह सब सर्दियों में होता था, तो हम पूरी तरह से प्रकाशितवाक्य की पुस्तक ले सकते थे और तब ठीक इसके जरिये से जा सकते थे। उसमें कुछ ऐसी सुन्दर शिक्षायें है। **और** मुझे याद है, मैं सोचता हूं कि यह बीस वर्ष या पच्चीस वर्ष पहले ऐसा रहा था, जब कलीसिया तब उस वक्त नई–नई थी, हमने एक शुरुआत की... प्रारंभिक की वो एक गिर गयी, और वहां से लगभग वो अगली गिरते गयी, हम प्रकाशितवाक्य की किताब में से होते हुए आ रहे है।

14 अब, मुझे याद है कि अय्यूब की किताब में से बता रहा था। ओह, भाई राइट! मैं उस पर बहुत देर तक बोलता रहा अत: जब तक एक महिला ने लिख कर और मुझसे पूछ नहीं लिया, उसने कहा, "भाई ब्रंहम, क्या आप कभी भी उस राख के ढेर से अय्यूब को नहीं उठाएंगे?" तो, मैं एक कुछ बात पर आने का यत्न कर रहा था, क्योंकि ठीक वहीं पर जहां हर एक चीज उस स्थान पर दबी हुई थी; उस स्थान पर जहां परमेश्वर की आत्मा उस पर आ गई, उसके बाद जब बिजली चमकने लगती है और गरजने लगती है, वो आत्मा नबी पर आता है और उसने प्रभु के आगमन को देखा। और मैं इसी बात को ह्रदय में डालना चाहता था, यही कारण है कि मैंने

उसे लंबे समय तक राख के ढेर पर रखा, जिससे—जिससे हम बातों को जोड़ सके। और मैं जानता हूं कि यह थोड़ा कुछ थका सकता है। मुझे भी बेचैनी हो जाती है, जब मैं किसी को किसी बात के आस–पास नाट्य रूप देते हुए सुनता हूं, तो ऐसा लगता है कि वह आगे जाकर उस मुख्य बात को बता देगा। लेकिन हो सकता है परमेश्वर उस व्यक्ति को उस उद्देश्य के लिए नेतृत्व कर रहा हो।

15 अब इस बचे हुए (अवशेष) पर, इससे पहले कि हम सवाल से आगे बढे। मुझे आशा है कि मैं इसे साफ़ कर लूंगा। यह... मैं सचमुच में विश्वास करता हूं कि वे बचे हुए अवशेष परमेश्वर के द्वारा चुने गये है। मैं—मैं इसे विश्वास करता हूं, कि परमेश्वर ने दुनिया की नींव से डालने से पहले अवशेष को चुना; और उसके "पूर्वज्ञान" के द्वारा हुआ है। ना ही वचन... अब *पहले से ठहराने* को देखें, देखो, क्योंकि यह लोगों के बीच एक बहुत ही छोटा सा शब्द है। देखा? लेकिन परमेश्वर, दुनिया की नींव डालने से पहले, अपने महान अनंत विचार में, उसने कलीसिया को चुना, यीशु को चुना, कलीसिया को चुना, और आरंभ में भविष्यवाणी कर सका कि यह अंत में क्या होगा। वो... यदि वह अनंत है, तो ऐसा कुछ भी नहीं है जो वह नहीं जानता था। वह हर एक पिस्सू को जानता था जो कभी धरती पर होगा, और कितनी बार यह अपनी आँखो को झपकायेगा। अब, अब ऐसे ही कितनी... और ये कितना चर्बी को उत्पादन करेगा, और उनमें से वे सब कितना उत्पादन करेंगे। यही वो अनंत है, यही अनंतता है; आपके—आपके... पास इसे समझाने का कोई तरीका नहीं है। और परमेश्वर, वही तो वो है, जो एक अनंत परमेश्वर है।

16 इसलिए, यदि आप ध्यान दे, तो बाइबल ने कहा कि अंतिम दिनों में धरती पर आने वाले मसीह विरोधी...

17 अब ध्यान से सुनना! यही एकमात्र दोष है... मैं सोचता हूं कि वह मेरे लाखों दोष निकाल सकता है। लेकिन हमारे बहुमूल्य भाई बिली ग्राहम, एक दिन, उन्होंने उस ध्यान दिलाने वाले उपदेश को पिछले रविवार को प्रचार किया, और मैं निश्चित ही ये एक सही समय का संदेश था। और... लेकिन उसने कहा कि "शैतान चुने हुए को भी भरमा रहा है।"

18 नहीं, बाइबल में कहा गया है, "वह चुने हुए को भी भरमा देगा*यदि यह* संभव होता था तो।" लेकिन यह संभव नहीं है, क्योंकि परमेश्वर ने

उन्हें दुनिया की नींव डालने से पहले चुना था। समझे? वो मेमना... यीशु मसीह वो मेमना था जो दुनिया की नींव डालने से पहले घात हुआ था। जब परमेश्वर भी अपने मन में डालता है, जब वह उस शब्द को बोलता है, यह कभी भी नहीं बदल सकता है, यह कभी परिवर्तित नहीं हो सकता है। देखो, क्योंकि वह—वह—वह अनंत है, और उसके वचन पुरे होंगे।

19 जरा सोचे, वही... जिस धरती पर हम आज रात बसे हुए हैं, ये परमेश्वर के वचन का जाहिर होना है। दुनिया को एक साथ उन चीजों से गठन किया गया था जो यहां तक दिखाई भी नहीं देती थी। उसने बस इतना कहा, "ऐसा होने दो," और ऐसा था। फिर परमेश्वर के लिए एक बीमार शरीर को चंगा करना कितना असान है, यदि वह केवल इसे बोल कर एक सृष्टी को बना सकता हैं। देखो, उसका वचन। यदि हम केवल यह देखने के लिए विश्वास को प्राप्त कर सके कि उसका वचन क्या है! हम धरती की चीजो से इतने बंध चूके है और अपने मन में इन सारी चीजो से इतने घुलमिल गए हैं कि हम... ओह, मैं नहीं जानता। हम अपने मन में इतने सांसारिक है और इतनी भिन्न–भिन्न बातों को लिए हुए हैं कि हम... ओह, मैं नहीं जानता। हमारे यहां इतने सारे प्रलेखन है, एक दांव इससे, और एक दांव उससे, और—और इस बात ने हमें एक स्थान पर लाया है, जहा वह पूरी तरह घुमाई गई हैं। लेकिन यदि आप कभी हिलाकर सारी चीजो से मुक्त हो सकते हैं, वापस आकर इस बात को जाने कि वो परमेश्वर है, और अब उसके वचन और विफल नहीं हो सकते नहीं तो वो विफल हो जायेगा। और यदि उसका वचन विफल हो जाता है, तो परमेश्वर विफल हो जाता है; और यदि परमेश्वर वहाँ विफल होता है... तो वह परमेश्वर नहीं है। समझे? सो... और आपको याद होगा, वो *यहां* पर एक बात को नहीं कह सकता है और *यहां* पर कुछ और बात को कहे; उसे परमेश्वर होने के लिए अपने उस पहले निर्णय के साथ ही बने रहना है। तो, हम सिर्फ...

20 और उसने हमसे केवल एक बात मांगी है, कि उस पर विश्वास करे जो उसने कहा है वो सत्य है, और वह उसे पूरा करेगा। ओह, कितनी सुंदर बात है! आप अपेक्षा करते है वो चीज अपने आप घटित हो जाये; कभी–कभी बस ये थोडे से विश्वास को लेता है। यह चमत्कार को नहीं करेगा, लेकिन यदि आप इसे पकडे रहेंगे, तो यह आपको बाहर लेकर आएगा; बस ठीक इसके साथ बने रहें। जैसा उसने कहा, "राई का दाना, जो सभी बीजों में सबसे छोटा है।" लेकिन क्या आपने कभी ध्यान दिया, राई किसी

के साथ मिश्रित नहीं होता है। आप राई को किसी के साथ संक्ररित नहीं कर सकते हैं, यह संक्ररित नहीं होगा। और यदि आपके पास विश्वास है, बस एक जरा सा विश्वास है, जो बातें किसी भी अविश्वास या किसी भी कलीसिया से संबंध या संस्था से नहीं संक्ररित होगा, बस ठीक परमेश्वर के साथ बने रहेगा, बस ठीक इसके साथ बने रहेगा, यह ठीक आपको उस धुंध में से होते हुए बाहर लाएगा, आपको सीधे बाहर लेकर आयेगा। जी हाँ! केवल उस विश्वास के साथ बने रहें।

21 अब, आरंभ में, जब परमेश्वर... बाइबिल ने, प्रकाशितवाक्य में कहा, कि "अंतिम दिनों में, मसीह विरोधी... " अब इन कलीसियाओ को देखे सब एक साथ एकत्र हो रहे है। "मसीह विरोधी, अंतिम दिनों में, उन सभी को भरमायेंगे जो पृथ्वी पर है, जिसका नाम दुनिया की नींव डालने से पहले मेमने की किताब में नहीं लिखा गया था।" आपका नाम जीवन की किताब में कब डाला गया था? इससे पहले कि हमारे पास कभी धरती होती थी, आपको इस युग में पवित्र अतमा को पाने के लिए चुना गया था।

22 मैं एडी पेरोनीनेट के साथ जुड़ गया हूं:

> मैंने अपने प्राण को आश्रय स्थल के विश्राम में लंगर किया है,
> ताकि तूफानी संदेह के समुद्र पर अब और अधिक जलयात्रा न हो;
> वो आंधी हो सकता है प्रचंडता से बहकर उमड़ने लगे, गंभीर तूफान हो,
> लेकिन यीशु में हम हमेशा से अधिक सुरक्षित हैं।

23 वहां ऐसा कुछ भी नहीं है जो हमें अलग कर सकता है (परमेश्वर नहीं कर सकता... उसके वचन पर से पीछे नहीं हटता है। और यदि वह अनंत है, और आपको *यहां* पर पवित्र आत्मा देता है, यह जानते हुए कि वह आपको *यहां* खोने जा रहा *है*, तो वो किस तरह के काम को करता है? ), यदि आप अपने अनुभव में भरमाये नहीं गये हैं, यदि आपको पवित्र आत्मा मिला है। लेकिन देखें कि बाइबिल ने क्या कहा, इफिसियों 4:30 में, "परमेश्वर की पवित्र आत्मा को शोकित न करो, जिससे आप तब तक के लिए मोहरबंद किये गये... " क्या अगली बेदारी तक? क्या यह सही

लगता है? "आप अपने छुटकारे के दिन तक मोहरबंद किये गये हैं!" कब तक? आपके छुटकारे तक।

24 आप एक मालगाड़ी को लेते हैं, आप सामान को पटरी के डब्बे पर चढाते हैं, और जब यह पूरी तरह से भर जाता है... अब, वे उस गाड़ी को तब तक बंद नहीं कर सकते हैं, जब तक वहां निरीक्षण करने वाले नहीं आता है। और वह निरीक्षण करता है, और देखता है कि क्या कुछ भी ढीला है जो उसे हिलाकर देखेगा। वो गाडी हो सकता है... मालगाड़ी पूरी तरह से भरी हुई हो सकती है, लेकिन यदि इसमें कोई ढीला–ढाला स्थान हैं, तो आपको इसे फिर से भरना होगा। और यही वो मामला है, हममें से बहुतों को पवित्र आत्मा नहीं मिलता है; जब निरीक्षण करने वाला वहां आता है, तो वह बहुत से ढीले स्थानों को पाता है, आप देखे, इसलिए वो इसे तब मोहरबंद नहीं करेगा।

25 एक दिन बड़ा धर्मशास्त्री मेरे पास आया, न कि एक दिन की बात है, यह तीन या चार साल पहले की बात है, और उसने कहा, "मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं।" कहा, "अब्राहम परमेश्वर पर विश्वास करता था, और यह उसके निमित धार्मिकता गिना गया था।"

मैंने कहा, "यह ठीक बात है, सही है।"

कहा, "मनुष्य और क्या कर सकता है, सिवाय विश्वास करने के? "

मैंने कहा, "यही वो सब कर सकता है।"

26 उसने कहा, "फिर आप इस पवित्र आत्मा की चीज के साथ कहाँ जाते हैं? " अब, आप जानते हैं कि वह एक बैपटिस्ट था। और उसने कहा—उसने कहा, "आप इस पवित्र आत्मा के साथ कहाँ जायेगे? " कहा, "यदि मनुष्य विश्वास करता है! जिस मिनट पर आप विश्वास करते हैं, आपको पवित्र आत्मा मिल जाता है।"

मैंने कहा, "नहीं, नहीं। अब, आप—आप वचनों में प्रतिवाद बनाते हैं, वचन अपने आप का प्रतिवाद नहीं करता हैं। समझे? पौलुस ने उनसे पूछा, 'क्या तुमने पवित्र आत्मा पाया *जब से* तुमने विश्वास किया हैं? ' "

और उसने कहा, "ठीक है... "

27 मैंने कहा, "यह सच है कि अब्राहम ने विश्वास का पिता... उसके पास परमेश्वर की प्रतिज्ञा थी और परमेश्वर पर विश्वास किया था, और यह

उसके निमित धार्मिकता गिना गया था, लेकिन उसने उसे एक चिन्ह के रूप में खतना की मोहर दी कि उसने उसके विश्वास को पाया था।"

28 अब, यदि उसने आपको अभी तक पवित्र आत्मा से मोहरबंद नहीं किया है, तो उसने कभी भी आपके विश्वास को अभी तक उसमें नहीं पाया है, आपके पास कुछ ढीले स्थान हैं। देखा? आप हो सकता है विश्वास करे, जी हाँ, लेकिन वहां बहुत सारे ढीले स्थान हैं। लेकिन जब आप सभी ढीले स्थानों को सही तरीके से ठीक से भर लेते हैं, तब वह आपको आपके छुटकारे के दिन तक पवित्र आत्मा से मोहरबंद करता है। यही परमेश्वर की पुष्टि है कि उसने विश्वास को पाया है जो आपने उसमें घोषित किया है।

29 अब्राहम ने विश्वास को घोषित किया, और परमेश्वर ने कहा, "मैं तुम्हें अब एक चिन्ह दूंगा कि तुम... कि मैंने तुम्हे स्वीकार किया है।" और उसने उसे खतना का चिन्ह दिया।

30 अब, जब आप व्यक्तिगत रूप से मसीह को उद्धारकर्ता के नाई ग्रहण करते हैं और उस पर विश्वास करते हैं, और उससे मांगते हैं कि आपके जीवन को साफ करे, और फिर जब वह पवित्र आत्मा के साथ वापस आता है और आपको पवित्र आत्मा के चिन्ह को देता है, तब आप आपके छुटकारे के दिन तक मोहरबंद किये जाते हैं।

31 यहां ये मालगाड़ी है, यदि यह ढीला–ढाला है... इसके पूरी तरह से एक साथ भरने के बाद और वे उस दरवाजे बंद करते है और उस पर एक मोहर को लगाते है, और यह—यह अपने गंतव्य या पहुँचने के स्थान तक मोहरबंद हो जाती है, रेलमार्ग की कंपनियां जीवन भर के लिए आपको जेल में डाल देगी, यदि आप उस मोहर को तोड़ते है। उन्हें तोड़ा नहीं जा सकता। यह अपने गंतव्य स्थान तक के लिए मोहरबंद होती है; ना ही कोई भी साथ ही पटरी पर इसे खोलकर और खींच सकता है और इसे देख सकता है, और इसकी जांच करता है और इसे बार–बार देख सकता है, और कुछ चीजो को बाहर निकाल कर फेंके, या कुछ और चीजो को डाले। नहीं, नहीं!

32 *यह* कलीसिया कहेगी, तो, वह संप्रदाय कहेगी, "*ये* ठीक नहीं है, *वो* ठीक नहीं है।" जब परमेश्वर आपको पवित्र आत्मा देता है, तो इससे बात खत्म हो जाती है! आप जानते हैं कि आप कहां पर खड़े हैं, आप जानते हैं कि क्या हुआ है, और आप वहां से लेकर छुटकारे के दिन तक

मोहरबंद कर दिए गए है, जो आपकी धरती की यात्रा की अंतिम मंजिल है। ओह, प्रभु! यह किसी के लिए भी तब विश्वास का होना और परमेश्वर पर भरोसा करने की इच्छा होनी चाहिए, बस पवित्र आत्मा की सामर्थ में ऊपर आना है।

33 अब, इन कुंवारीयो को पवित्र आत्मा नहीं मिला, (आपको याद है? ) उनके पास केवल एक चीज की कमी थी कि उनके दीये में तेल नहीं था। क्या ये सही बात है? बाइबिल ने कहा *तेल* "पवित्र आत्मा" को दर्शाता है, यही कारण है कि हम तेल से बीमारो को अभिषेक करते है, और इत्यादि, क्योंकि यह पवित्र आत्मा को दर्शाता है। अब, और तब यदि—यदि पवित्र आत्मा उन पर नहीं आया, तो उनके पास यह नहीं था। और फिर जब वह आया, तो उन्होंने कहा... अब, कुंवारीयो के पास जो तेल था, कहा...

34 आप देखना, वे पहले जो कलीसिया युग में थे; वहाँ उनमें से कुछ लोग ऐसे थे जो अच्छे लोग थे, लेकिन वे उस तारे के उजियाले में नहीं थे, मेरा कहने का जो अर्थ है, वो बत्ती तेल के अंदर डूबी होती है। देखो, और यह बाहर थी। यह बाहर चला निकल गयी थी, उन्होंने खुद को अलग कर लिया था। पौलुस ने अपने दिन में कहा, "उन्होंने खुद को हमसे अलग कर लिया, ऐसा दिखाई देता है कि उनके पास विश्वास नहीं है।" देखो, और उनसे दूर चले गए, "वे हम से बाहर चले गए क्योंकि वे हममें के थे ही नहीं।" अब, यह उस आरंभ के इफिसियों युग में शुरू हुआ और वहां से लेकर आज इस युग में होते आ रहा है। वही चीज, उन युगों में, जो उनके साथ घटित हुआ जो यहां इन युगों पर आगे बढ़ता है। हम थोड़ी देर में उस पर गहराई में उतरने जा रहे हैं।

35 अब, ध्यान दें कि यह कुंवारी, हालांकि, वो वहां चली गयी जहां रोना, कहरना, और दांतों का पिसना था।

36 मुझे यह कहना है, मेरे बहुमूल्य मित्रो; क्योंकि आमतौर पर यहां कलीसिया में, जब मैं यहां आता हूं, तो मैं बस यहां आकर और एक चंगाई की सभा को करता हूं और बीमारों के लिए प्रार्थना करता हूं, और बाहर के देशो में कहीं भी जाता हूं। लेकिन ये वो समय है, मैं आपको काफी समय से बताते आ रहा हूं, अपने विवेक को अपनी जेब में रखे। अब हम—हम आकर और एक दूसरे के साथ ईमानदार और सच्चे बने रहना चाहते हैं, क्योंकि हम अंतिम दिन में हैं। जी, हाँ!

37 अब, यही है जहाँ आप बहुमूल्य नाजरीन और पिलग्रीम होल्लीनेस जो उस पवित्रीकरण के नीचे है, चुक गये है। देखा? अब, क्या आप जानते हैं कि यहूदा इस्करियोती ठीक उस स्थान तक रहा था? यहूदा ने प्रभु यीशु पर उद्धारकर्ता के रूप में विश्वास किया, उसे उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। और उसे भी पवित्र किया गया था। वह पवित्र हुआ था, यूहन्ना 17:17 में, जब यीशु ने कहा, "पिता, उन्हें सत्य के जरिये से पवित्र करे, तेरा वचन सत्य है।" और वो वचन था। तो ठीक है!

38 मत्ती 10 में, उन्हें बीमारों को चंगा करने, मुर्दों को जिलाने, शैतानों से बाहर निकालने की सामर्थ दी गई थी। और वे राज्यों के सभी भागों में चले गये और शैतानों को निकाला, और आनन्द मानते हुए और चिल्लाते हुए और परमेश्वर की स्तुती करते हुए वापस आने लगे। और यीशु ने उनसे कहा, "आनंद मत मनाओ क्योंकि वे शैतान तुम्हारे अधीन हैं, लेकिन आनंद करो क्योंकि तुम्हारा नाम जीवन की किताब पर है।" क्या यह सही है? और यहूदा उनके साथ था, यहूदा उनके साथ था, लेकिन यह एक वर्ष और छह महीने पहले की बात थी इससे पहले यीशु क्रूस पर चढ़ाया जाये।

39 अब, फिर जब यह पेंटीकोस्ट की बात आयी, यहूदा को पवित्र आत्मा को पाने के लिए और आदि, तो उसने अपना रंग दिखाया। उसने—उसने यीशु को इन्कार कर दिया, और उसके लिए एक विश्वासघाती बन गया। और बस बिल्कुल वहीं पर जहाँ वो आत्मा आता है; ठीक वहां पर लूथर में से होते हुए, वेस्ली में से, उस कलीसिया को पवित्रीकरण तक लाया जो कुंवारी का जीवन है (शुद्ध, साफ़, पवित्र, भले, बहुत ही अच्छे लोग, जिनसे आप अब तक मिले होंगे), लेकिन जब यह वहां आता है... जब वे अन्य जुबान में बोलते हैं और पवित्र आत्मा को पाते हैं, नाज़रीन, पिलग्रिम होलीनेस, फ्री मेथोडिस्ट, तब वे कहते हैं, "यह तो शैतान है।" और ठीक इसके बाद जब आप पवित्र आत्मा की निंदा करते है और अपने आप को हमेशा के लिए अलग कर देते है; "जो कोई भी मनुष्य के पुत्र के विरोध में एक भी शब्द बोलता है, उसे क्षमा कर दिया जाएगा, लेकिन जो कोई भी पवित्र आत्मा के विरोध में बोलता है, उसे कभी क्षमा नहीं किया जाएगा।"

40 याद रखें, सारे चेलो ने अन्य जुबान में बात की थी। यीशु मसीह क्रूस पर मरा, तो अन्य जुबान में बोल रहा था। उह–हुंम। इसलिए यदि आप यहां

पर उनके साथ व्यवहार को नहीं कर सकते हैं, उनके साथ यहां मित्रतापूर्ण नहीं हो सकते, तो वहाँ पर क्या करेंगे? उनके लिए... यदि ये शैतान हैं, वैसे ही वे शैतान थे। सो आप वहाँ पर देखते हैं जहाँ इसने अपना रंग दिखाया? वहाँ वो कुंवारी आती है, उन बाकी के जैसे साफ़, शुद्ध जीवन। मैं पुराने फैशन के नाज़रीन, पिलग्रिम होलीनेस के कलीसिया को लूंगा, जो वास्तव में पवित्रीकरण में विश्वास करते थे, आप उनके जीवन पर उंगली नहीं उठा सकते है; वे उतने ही साफ़ है जितने वे हो सकते हैं। यह एक अच्छी बात है कि हम सभी इसी तरह से जीये। यह सही है, आपको ऐसा जीना है।

41 अब, हम जानते हैं कि वहां हमारे पास बहुत से पेंटीकोस्टल के जैसे नक़ल करने वाले लोग है। यह सही बात है। लेकिन जब तक आप बस एक नकली डॉलर को देखते हैं, आप जानते हैं कि यह एक अच्छे, एक असली की नक़ल से बना हुआ था। ये सही है। और वहां—वहां एक वास्तविक पवित्र आत्मा है, एक वास्तविक जो अन्य जुबान में बोलता है और चिन्ह और अद्भुत कार्य को दिखाता है, और यहऐसा पेंटीकोस्ट से लेकर रहा है। इसलिए हमारे पास ये होने के लिए नक़ल करने वाले होना हैं। हमारे पास एक दुष्ट महिला होना है जो अच्छी नहीं है, कि एक सच्ची महिला की चमक को दिखाने के लिए। हमारे पास एक रात का समय होना है, घोर अंधेरा, ये दिखाने के लिए कि धूप महिमामय है। ये सही है। और आपको बीमार होना है, ताकि अच्छे स्वास्थ्य का आनंद ले। और भले और बुरे का एक नियम है; और यह—और ऐसा हमेशा से रहा है, और हमेशा रहेगा, जब तक समय है।

अब, तो, वही है जहाँ कलीसिया अपने आप में ऊपर बढ़ते गयी।

42 अब, क्या यीशु ने यह नहीं कहा कि "अंतिम दिनो में," मत्ती 24 में, "कि दो आत्माएं इतनी नजदीक एक जैसी होंगी, इतना तक यह संभव हो तो बिल्कुल चुने हुए लोगों को भरमा देगी"? उह–हुंम। लेकिन वो जो पृथ्वी की नींव डालने से पहले चुना गया था उसके पास अनन्त जीवन है। अनन्त जीवन, आप इससे छुट कर नहीं जा सकते। ये अनंत है जैसे परमेश्वर है, आप अब और अस्तित्व में नहीं रह सकते तब परमेश्वर अस्तित्व में रह सकता है। यह सही है। क्योंकि आप परमेश्वर के भाग हो, आप परमेश्वर के पुत्र और कन्या हो, आपका जीवन बदल गया है और आप परमेश्वर के

भाग हो, आपके पास अनन्त जीवन है। ओह, मैं उससे प्रेम करता हूं। क्या आप नहीं करते?

43 अब, किसी ने मुझे यहां कुछ लिख कर दिया था, बस एक छोटा सा सवाल है। हम इसका उत्तर देने में बहुत अधिक समय नहीं लेंगे। और याद रखें, हर बार जब आप छोटा सा सवाल करते हैं, तो मैं पूरी कोशिश करूंगा कि इसे लूं यदि मैं ऐसा कर सकता हूं। लेकिन यह एक महत्वपूर्ण सवाल था:

**एक ने यह जानना चाहा है कि क्या महिलाओं के लिए गवाही देना गलत है, या गीत गाना, या अन्य जुबान में संदेश देना, संदेशों का अनुवाद करना, या कलीसिया में एक भविष्यवाणी करना।**

44 नहीं, यह गलत नहीं है, यह एक... जब तक यह उस स्थान में व्यवस्था में बात आती है। समझे? कलीसिया व्यवस्था में होती है, और केवल जब... यह वास्तविक, सच्चा करने का जो तरीका है उन लोगों के लिए जो अन्य जुबान नें बोलते हैं और इत्यादि, उनके संदेश उस पुलपिट से आने वाले संदेश से पहले दिए जाते हैं, ना ही कभी प्रचार के समय के दौरान; क्योंकि पवित्र आत्मा एक समय में एक ही स्थान से आगे बढ़ता है, जैसा कि पौलुस ने वहां पर कहा था। लेकिन स्त्रियों को भविष्यवाणी का दान दिया जाता है, और अन्य जुबान और अनुवादों का दान दिया जाता है, और सब कुछ दिया जाता है सिवाय प्रचारक होने के। उन्हें प्रचारक नहीं होना हैं। उन्हें कलीसिया में प्रचार करने की मनाई है, यह सही बात है, उस स्थान को लेना, या कलीसिया में शिक्षक या कुछ भी बनना। लेकिन जहाँ तक दानो की बात है, स्त्री के पास वह सब दान है, जो एक ले सकती है या उन नौ आत्मिक दानो में से किसी भी दान को ले सकती है, पहले कुरिन्थियों 12 के अनुसार, और ये किसी बंधन में नहीं है कि उसका संदेश अपने स्थान पर नहीं आना चाहिए। आप देखे, हर एक संदेश अपने समय की प्रतीक्षा करता है।

45 यदि कोई ऐसा है जो अन्य जुबान से बोलता हो, वहां कोई अनुवादक न हो, तो उसे शांत बने रहना है, जब तक कोई अनुवादक न हो। समझे? और ये संदेश आमतौर पर सभा से पहले दिए जाते हैं। तब भविष्यव्यक्ता... या प्रचारक, जो एक नये नियम का भविष्यव्यक्ता है, एक प्रचारक, जब वो सामने आता है, परमेश्वर उसके जरिये से बोलना आरंभ करता हैं, देखो।

फिर जब वो समाप्त करता है, उसके बाद एक और संदेश या (भविष्यवाणी) बोलना आरंभ होती हैं; तब, ठीक उसके पहले। यह हमेशा ही व्यवस्था में होता है, हमेशा ही। लेकिन एक स्त्री के पास उचित अधिकार है।

46 अगला सवाल, मैं बस चाहूंगा, इसका उत्तर देने में थोड़ा समय लु, मैं शीर्षक पढ़ने जा रहा हूं:

> **तीन (अलग–अलग) मत के विश्वास करने वालो ने एक बाइबिल को अनुवाद करना आरंभ किया है।** वाशिंगटन, 15 अक्टूबर। एक दल के रूप में काम करने वाले कैथोलिक, प्रोटेस्टेंट और यहूदी के विद्वानों ने वचनों को मिलाकर एक नया अनुवाद आरंभ किया है जो एक लंबे समय से प्रतीक्षा की गयी कैनन बाइबिल साबित हो सकती है।

47 कुछ और बातें यहां मैं थोड़ा अध्ययन करना चाहूंगा इससे पहले कि मैं इसकी घोषणा करूं। दूसरे शब्दों में, आप बिल्कुल वही देखते हैं, जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं, ठीक उसी तरह जो वचन कहता है जो बात इन दिनों में जगह लेगी कि ये चीजें एक साथ जुड़ जायेगी और पशु की एक छवि को तैयार करेंगी। बिल्कुल ठीक। उन्होंने इसे परखा है, और इस पर काम कर रहे हैं, और अब उनके पास सबसे अच्छा मौका है जो उन्होंने इस पर अब तक प्रस्तुत किया था, क्योंकि यह बस ठीक उनके हाथों में है। और यही वो कारण है कि मैं इन भविष्यव्यक्ता के संदेशों को ला रहा हूं, क्योंकि मैं सोचता हूं कि यह समय पर है।

48 और यदि कोई है जो रोज रात को इसके पीछे आ सकता है, तो हम जल्दी आरंभ करेंगे और ख़त्म करने की कोशिश करेंगे। और यदि मैं विषय को समाप्त नहीं करता हूं, तो मैं अगली सुबह घोषणा करूंगा। यदि हम आज रात को 19 वें अध्याय, 9 वें पद से 20 पद में से होकर नहीं ले पाते हैं, तो हम इसे सुबह दस बजे आरंभ करेंगे। हम आपको सभा के अंत में बताएंगे कि हम आगे कैसे करेंगे।

49 और फिर कल रात इफिसुस की कलीसिया पर, आरंभ करेंगे, जो सात रातों तक चलता रहेगा: इफिसुस, इफिसियों कलीसिया का युग; और स्मुरना; और पिरगमुन; और थूआतीरा; और सरदीस; और फिलेदिलफिया; और लौदीकिया, अगले रविवार को ले लेंगे।

50 और ये जानते हुए मार्ग पर ये शानदार रत्न पड़े हुए है, तो उस समय पर मुझे अपने हाथों को उन्हें उठाने से रोके रखना मुश्किल है। बस वहां उन्हें पड़ा हुआ देखकर, और महसूस करता हूं कि आत्मा लोगों को खिला रहा है, ये तब मुझे वास्तव में तुरंत ही कूदने को लगाता है और—और लगता है कि उनके बारे में कुछ बताऊं; लेकिन बस मुझे रुकना पड़ता है और उन बातों को उनके युग में रखना होता है, और जो उनके समय पर है। इसलिए यदि आप रात में आने से चूक जाते हैं, तो आप अवश्य ही टेप को सुने या किसी तरह से आप इसे पकड़ सकते हैं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि यह टेप हर एक जगह पर जाए। और मैंने ऐसा किया है क्योंकि मैं महसूस करता हूं कि ऐसा करने के लिए पवित्र आत्मा ने अगुवाही की है; केवल यही कारण है कि मैं इसे कर रहा हूं। और मैं, यदि मैं नहीं सोचता हूं कि इससे कलीसिया की सहायता होगी... और इस दिन में, याद रखें, वो घडी जल्द ही आ रही है, जहां हमारे पास ये सभाये नहीं हो सकती हैं, और आपको इसे अभी करना है, जब हमारे पास इसे करने के लिए समय है। देखिए, हम नहीं जानते कि अब वे किस समय पर इसे रोक दे।

51 और इसलिए कलीसियाओ के बीच में एक संगठन होगा और वे खुद को एक साथ एकजुट करेंगे, कलीसियाओ के परिसंघ के प्रमुख का गठन करेंगे, जिसे वे पहले ही संयुक्त राष्ट्र की एक बड़ी इमारत बना चुके हैं और हर संप्रदाय इसके अंदर है। और आपको उन संप्रदायों में से किसी का सदस्य बनना पड़ेगा या तो बेदखल होना पड़ेगा। और यही वो समय है जहां हमें अपना रंग दिखाना होगा और यह निश्चित करना होगा कि हम जानते हैं, ना ही हमें अनुमान है, लेकिन जानते है कि ये **यहोवा यों कहता है** जहां पर आप खड़े हैं। छोटी–छोटी कलीसिया हमेशा ही कम संख्या में रही है, यह एक छोटे–छोटे समूह में रही है जो... एक छोटी सी डोरी, एक—एक लाल डोरी जिसे बाइबल में से मिटाया जाता रहा है, लेकिन यह हमेशा ही कलीसिया ही है। और हम इसे याद रखना चाहते हैं।

52 अब बस एक छोटी सी टिप्पणी इससे पहले हम फिर से पढ़े। आज सुबह हमने यीशु मसीह के प्रकाशन के सर्वोतम दैविकता को लिया है, जो आज सुबह परमेश्वर उसे हम पर प्रकट किया सर्वोतम दैविकता की नाई: वो महान मैं जो हूं (ना हीं मैं *था* या मैं *होऊंगा*), मैं हूं, हमेशा के लिए। और हमने इस प्रकाशितवाक्य के पहले अध्याय में ध्यान दिया, प्रकाशितवाक्य के... किसका प्रकाशन? यीशु मसीह का। वो पहली चीज क्या है जो वह

खुद को यहां पर किस रूप में प्रकट करता है? स्वर्ग का परमेश्वर। ना ही एक त्रिगुणात्मक परमेश्वर, लेकिन एक परमेश्वर। एक परमेश्वर, और वह खुद को उसी तरह से प्रकट करता है, प्रकाशितवाक्य का पहला अध्याय। और पहले अध्याय में वो इसे चार बार बोलता हैं, जिससे कोई गलती नही होगी। पहली बात आपको जो जानना है कि; वो एक भविष्यव्यक्ता नहीं है, वो एक छोटा परमेश्वर नहीं है, वो एक उससे कम परमेश्वर नहीं है, वो परमेश्वर है! वो परमेश्वर है। और इसलिए प्रकाशन सामने आया, और हम अब भी इसके साथ आज रात आगे जारी रखेंगे, जैसे–जैसे हम उसके आस्तिव के सात प्रकार के व्यक्तिव की ओर जाते हैं।

53 और, ओह, होने पाए परमेश्वर इन वचनों की शिक्षा को देने के लिए सहायता करे। मैंने—मैंने—मैंने इसका ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अध्ययन किया है, लेकिन प्रतीक्षा करें जब तब यहां पुलपिट पर प्रेरणा नहीं मिलती है। क्योंकि मैं महसूस करता हूं कि हम मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों पर एक साथ बैठे हुए हैं, और जो आपका आत्मा, आपका भाग, आग की जीभ (पवित्र आत्मा) जो आप पर है, दुसरे पर आने लगती है, और दूसरे पर से दूसरे पर, यह एक तरह से परमेश्वर की महान देह को सुलगाती है और यह आग की लपटों को तैयार करती है, और वही है जहाँ पर प्रकाशन...

54 अब, जिस चीज़ की हम बात कर रहे हैं, यह सवाल मुझसे पूछा गया था, "क्या महिलाओं को चाहिए... और इत्यादि? " बिल्कुल ठीक ऐसे ही है आरंभ में कलीसिया ने उसकी गड़बड़ में जो आरंभ किया था, उन्होंने सभा के लोगो से सारी औपचरिकता को ले लिया और इसे पुलपीट में रख दिया। लेकिन परमेश्वर तो सभा के लोगो का परमेश्वर हैं। वह हर एक मानव जाति में काम करता है, वह हर एक ह्रदय में रहता है जिसमें वह रह सकता है। वह उन दान पाए हुए लोगों को ढूंढता है और उनके जरिये से कामों को करता है। अब, यदि शैतान उन्हें एक चीज पर पकड़ नहीं सकता है, तो वह वहां पर आता है और बस बिना किसी बात का एक बड़ा ढेर बनाता है और लोगों को वहां से दूर ले जाता है। जैसे पौलुस ने कहा, "जब आप एक साथ एकत्र होते हैं, यदि आप सभी अन्य जुबान में बोलते हैं, और अनजान व्यक्ति वहां आता है, तो क्या वह यह नहीं कहेगा, 'तुम पागल हो! मूर्ख हो!'? कोई तो अन्य जुबान में बोलता है, और *ये* और *वो*, और सब कुछ व्यवस्था से बाहर है, तो यह काम नहीं करेगा। लेकिन, " उसने कहा,

"यदि कोई भविष्यवाणी करता है और ह्रदय के भेदों को प्रकट करता है, तो वे कहेंगे, 'सच में परमेश्वर आप लोगो के साथ है।'" लेकिन यदि कोई एक प्रकाशन के द्वारा अन्य भाषा के साथ बोलता है और इसके अनुवाद को देता है, कलीसिया की कुछ तो उन्नति के लिए, तब सारी कलीसिया को इसके द्वारा उन्नति प्राप्त होती है। कुछ ऐसा जिसे बोला जाना है और परमेश्वर उसे अन्य भाषाओं में बोलेगा, जिनके बारे में हम कुछ भी नहीं जानते हैं, और इसे उस एक को दिया जायेगा और दूसरा एक इसका अनुवाद करेगा, और एक निश्चित बात को बोलेगा जो ठीक उसी तरह से घटित होती है जैसा इसने कहा है, तब आपके बीच प्रभु का आत्मा होता है। और, ओह, आओ हम उस बात के लिए प्रयास करे, मित्रो; आइये—आइये उस आग को जलाये रखे।

55 अब, बस इससे पहले कि हम खोले... वचन के इस महान अधिनियम को, मैं सोचता हूं कि क्या यह ज्यादा होगा यदि हम बस खड़े हो सके और कुछ मिनटों के लिए हमारे मुद्रा को बदले जब हम यह प्रार्थना करते है।

56 सर्वशक्तिमान परमेश्वर जिसने प्रभु यीशु को मरे हुओ में से जिलाया और उसे हमारे लिए प्रस्तुत किया (उन्नीस सौ वर्षों के बाद) स्वर्ग के उस अचूक परमेश्वर के रूप में प्रस्तुत किया, हम उसके लिए आपको धन्यवाद देते हैं और उसकी उपस्थिति के लिए, जो दिन प्रति दिन हमारे रोजाना के जीवन में हमारे साथ होती है। और हम यह जानकर बहुत खुश हैं कि इस गड़बड़ी के समय में जब संसार नहीं जानता है कि क्या करना है, वे जमीन में खड्डों को खोद रहे हैं, और वे खुद को ठोस चीजो से किलाबंदी कर रहे हैं, लेकिन, हे परमेश्वर, वे परमेश्वर के प्रकोप से छिप नहीं सकते है। वहां केवल एक—एक ही उपाय है, प्रभु, और हम बहुत खुश हैं कि हमने इसे स्वीकार कर लिया है: "जब मैं लहू को देखुंगा तो मैं तुम्हे छोड़कर आगे निकल जाऊंगा।" ओह, हम उस के लिए कितने खुश हैं कि उस परमेश्वर के मेमने के लहू की आज रात वो सर्व पर्याप्त सुरक्षा है, वो महायाजक, जो आज रात महिमा में खडा हुआ है, हमारे अंगीकार करने पर बिचवाई को कर रहा हैं। हम आज रात हमारे साथ होने के लिए खुश हैं, उस महान वक्ता के लिए, महान पवित्र आत्मा, महान अभिषेक प्रदान करने वाला, महान जीवन देने वाला।

57 और अब, प्रभु परमेश्वर, जैसा कि मैंने आज रात इन लोगों को एक

साथ इस छत के नीचे बुलाया है, और हम यहां कलीसिया या उसके एक भाग के रूप में इकट्ठा हुए हैं, हम इस भवन के नाम पर या किसी व्यक्तिगत नाम से नहीं इकट्ठा हुए हैं, लेकिन हम यीशु मसीह के नाम में इकट्ठा हुए है। वो आत्मा जिसने उसकी देह अधिकार किया और उसके दिमाग पर, और उसे नियंत्रित किया, आज रात हमारे अंदर आकर और वचन का अनुवाद करने दो और वचन को प्रचार करने दो, और इसे हमारे भूखे ह्रदयो को दे दें, जैसे हम उस पर रुके हुए हैं। क्योंकि हम उसके नाम में और उसकी महिमा के लिए मांगते हैं। आमीन। (बैठ जाये।)

58 अब आपके पास अपने–अपने बाइबिल हैं, प्रकाशितवाक्य के अध्याय एक को खोले और 9 वें पद से आरंभ करें; अपनी कलम और कागज को ले, और मैं आपको कुछ तारीख और इत्यादि देने की कोशिश करूंगा और इसके साथ–साथ जाऊंगा।

59 अब, यह वास्तव में... आज सुबह यह उपदेश के वर्ग से भी अधिक था, दैविकता के ऊपर बुनियाद को रखते हुए; परमेश्वर जो मसीह में प्रगट हुआ। कितने लोग इसे विश्वास करते हैं? परमेश्वर मसीह में प्रगट हुआ था, यहोवा मसीह में प्रगट हुआ। अब, परमेश्वर कहाँ प्रगट होना है? उसके कलीसिया में, उसके लोगों के साथ, हम में। वही आत्मा, वही कार्य, वही प्रकटीकरण, वही प्रेम, वही क्षमा, वही सहनशीलता, सभ्यता, धैर्य, शांति, दया, वह सब जो मसीह में था उसकी कलीसिया में है। याद रखें, इसे ध्यान में रखना: वो सब जो परमेश्वर था वह मसीह के अंदर उंडेल दिया था (वह परमेश्वरत्व के देह की परिपूर्णता था), और वो सब जो मसीह था उसे कलीसिया के अंदर उंडेल दिया था। परमेश्वर हमारे ऊपर, परमेश्वर हमारे साथ, परमेश्वर हमारे अंदर। परमेश्वर की त्रिएकता, परमेश्वर तीन अलग–अलग आचरण में प्रकट हुआ: पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा।

60 प्रकाशन हमें दिखाता है कि वो तीन परमेश्वर नहीं हैं, ना ही वह तीन टुकड़ों में कटा हुआ है। लेकिन वो एक परमेश्वर है जो पितृत्व के दिनों में परमेश्वर था, वह पुत्रत्व के दिनों में परमेश्वर था, वह पवित्र आत्मा के पूरा होने के दिनों में परमेश्वर है, ये वही परमेश्वर है। ना ही तीन अलग–अलग, तीन व्यक्ति नहीं, तीन व्यक्तित्व नहीं। वह एक व्यक्ति है, एक व्यक्तित्व है। बिना एक व्यक्ति के हुए आप एक व्यक्तित्व नहीं हो सकते हैं। कुछ लोगों ने कहा, "वो तीन व्यक्ति नहीं है, लेकिन वो तीन व्यक्तित्व है।" आप इसे

विभाजित नहीं कर सकते हैं; क्योंकि वह एक व्यक्तित्व है, वो एक व्यक्ति है; एक व्यक्तित्व को बनाने के लिए एक व्यक्ति को होना चाहिए। इसलिए वो एक व्यक्ति है, एक व्यक्तित्व है; वो कल, आज, और युगानुयुग एक सा है; अल्फा, ओमेगा; वो जो था, जो है, और आने वाला है। ओह, वो तो बस सब है। मैं इसे पसंद करता हूं।

61 उसके स्वभाव की ओर देखे, उसका जीवन, उसके कार्यों को देखें। इसे यहीं इसी भवन में प्रगटीकरण में आना है, बिल्कुल उसी तरह जैसे ये उसके दिन पर था। (ना ही इसे पक्षपात से कह रहा हूं, परमेश्वर यह जानता है।) ना ही केवल यहां पर, बल्कि संसार भर में। मुझे खुशी है कि ऐसा है। तब हम जानते है कि हम कहाँ पर खड़े हैं क्योंकि हमारे अंदर वही आत्मा है, जो हमारे साथ–साथ चल रही है और ये दिखा रही है कि वो यहां पर है। यह हम नहीं हैं, यह तो वो है; हम उन चीजों को नहीं कर सकते है, यह तो परमेश्वर है। इसके अलावा, वैज्ञानिक संसार में, उसने अपनी तस्वीर को लेने की अनुमति दी। हमारे साथ, हम में, हमारे चारों ओर, हमारे ऊपर, हमारे जरिये से, हमारे भीतर और बाहर काम करते हुए। ओह, कितना अद्भुत है!

62 वे अक्सर एक छोटे से गीत को गाते थे:

मैं हूं जो मूसा से बोला, अग्नि की जलती झाड़ी में,
मैं हूं अब्राहम का परमेश्वर, चमकता हुआ और भोर का तारा।
मैं शारोन का गुलाब हूं; ओह, तुमने कहा कि कहाँ से मैं आया?
क्या तुम मेरे पिता को जानते हैंहो, या तुम उनका नाम बता सकते हैं?

ओह, तुम क्या कहते हो कि मैं कौन हूं, कहाँ से तुमने कह दिया कि मैं आया?
क्या तुम मेरे पिता को जानते हो, या तुम उनका नाम बता सकते हैं?
मैं हूं अल्फा, ओमेगा, अंत से आदि,
मैं हूं सारी सृष्टि, और यीशु वो नाम है।

63 ओह, कितना अद्भुत, वो प्रकाशन! अब, याद रखें, आप इसे धर्मशास्त्रियों के जरिये से प्राप्त नहीं कर सकते, यह इस तरह से नहीं आता है। यह केवल एक प्रकाशन के रूप में आएगा। पानी का बपतिस्मा, यीशु मसीह के नाम को उपयोग करते हुए, केवल प्रकाशन के रूप में दिया जा सकता है। यीशु और परमेश्वर एक ही व्यक्ति होने के नाते केवल एक प्रकाशन के रूप में आ सकता हैं। सम्पूर्ण बाइबल प्रकाशन पर बनी है। सम्पूर्ण कलीसिया प्रकाशन पर बनायी गयी है। मत्ती 17 कहता हैं, "क्योंकि मैं कहता हूं, 'इस चट्टान पर (आत्मिक प्रकाशन पर) मैं अपनी कलीसिया को बांधूंगा, और अधोलोक के फाटक इसके विरोध में प्रबल नहीं हो सकते।'" हमने हर किसी को चुनौती दी कि वह हमें कहीं भी, इतिहास या वचन में से दिखाए, जहां कभी भी किसी व्यक्ति ने कैथोलिक कलीसिया के बाहर से लेकर मार्टिन लूथर के दिन तक "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा" के नाम पर बपतिस्मा लिया था। तब प्रोटेस्टेंट कलीसिया, यह था...

64 और हर बुराई... सुनना, जैसा कि हम कलीसिया के युगों में जाते हैं। हर एक बुराई जो उस पहली कलीसिया में थी, बढ़कर अगली एक में आ गई। बस यह आगे बढती गयी अत:, जब तक ये अंतिम दिन में पूरी तरह से विश्वास को त्याग देने में समाप्त नहीं हो गयी। हर एक बुराई बस हर कलीसिया में आगे बढ़ते जाने लगी, हर एक छोटा विवाद जो आरंभ हुआ। उत्पत्ति की तरह, वो दाखलता, जो बढ़ने लगी, इसने कलीसिया में होते हुए अपना रास्ता बनाया और अंतिम दिनों में सामने आता है। कोई आश्चर्य नहीं कि बाइबिल ने कहा, "धन्य हैं वे जो उस दिन में बच निकलते हैं।" जी हाँ, श्रीमान, जो इन सभी चीजों से बच निकलते हैं।

65 अब परमेश्वर से मांगे... जब हम प्रकाशन पर बात कर रहे हैं, तो उससे मांगे कि आपको इसका प्रकाशन दें। क्योंकि इसे केवल प्रकाशन के द्वारा जाना जा सकता है, और आप केवल प्रकाशन से बचाये जा सकते है। आपको इसका बौद्धिक रूप से ज्ञान है, लेकिन आपको बचाया नहीं जा सकता जब तक आपको ये प्रकट नहीं होता। "कोई भी मनुष्य यीशु को मसीह नहीं कह सकता केवल पवित्र आत्मा के द्वारा।" यही है जो बाइबल कहता है। कोई भी मनुष्य यीशु को मसीह नहीं कह सकता हैं, जब तक वो पवित्र आत्मा को नहीं पा लेता। हो सकता है वो कहे, "पास्टर ऐसा कहता है, बाइबल ऐसा कहती है।" वे सच्चे हैं। "कलीसिया ऐसा कहती है।" यह सच है। लेकिन आप अपने आप में नहीं जानते जब तक पवित्र आत्मा ने

इसे *आपके* लिए प्रकट नहीं करता है, और वह *आप* में बन जाता है। "कोई भी मनुष्य यीशु को मसीह नहीं कह सकता केवल पवित्र आत्मा के द्वारा।" ज्ञान के द्वारा नहीं, बुद्धि के द्वारा नहीं।

66 वे किस तरह से एक बाइबल को बनाने जा रहे हैं... इसे निचोड़ने की कोशिश करते है, इसे यहूदियों, कैथोलिकों और प्रोटेस्टेंटों के अनुरूप बैठाते है, जब कि उनमें इतना फर्क हैं जैसे दिन और रात का होता है। सोचा कि यहूदी उससे बेहतर जानते हैं; मुझे लगता है कि हो सकता है इसे आने में बस कुछ ही समय है, जहां उन सब को इस बड़े विश्वास त्याग में जाना है। तो, और इन सारी बातों को बस याद रखे, हम इसे रोक नहीं सकते हैं, लेकिन केवल एक ही चीज़ है जो हम कर सकते हैं, हम वहाँ उजियाले को चमका सकते है, हो सकता है खुद को एक शहीद के नाई देना पड़े, और यहां से चले जाये, तो ये एक ही तरीका है कि हम इसे कर सकते हैं। लेकिन बहुतों को ऐसा करना होगा। और इसलिए इसी तरह से उन्होंने इस बाइबल को तैयार किया है और उन बातों को डालते है जिससे कि हम इसके अंदर चले जाये। यदि मैं इसे ध्यान नहीं देता हूं, तो मैं इसमें शामिल हो जाऊंगा।

67 अब, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक पर जो पहली चीज है, यह आरंभ होती है कि ये यीशु मसीह का प्रकाशन है, वो कौन है। अब, यीशु मसीह सर्वशक्तिमान परमेश्वर है। हम यह जानते हैं। इसे कितने लोग विश्वास करते हैं? "आमीन" कहे। [सभा कहती हैं, "आमीन!"—सम्पा।] वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर है, और उसका एक नाम है। वो नाम आकाश के नीचे दिया गया एकमात्र नाम है जिसके द्वारा आपको बचाया जाना अवश्य है, वो यीशु मसीह है। "वे उस तलाब पर इस नाम को लेने से क्यों डरते हैं? " जिसे मैं सोच नहीं सकता हूं। हूं–हुंह। देखा? ऐसा इसलिए है कि वो आत्मा वहां स्मुरना युग में बहुत पहले धीरे–धीरे आगे बढने लगा था; और उस गहरे अंधकार के युग में सीधे अपने आप को वहां आकर मिला दिया, और इसे एक शिक्षा बना दिया, और इस अंतिम दिन में इसके साथ ठीक सामने आ गया। अब, बस इतिहास और बाइबल को देखें जैसे कि हम इस सप्ताह इसमें से होकर जायेंगे, कैसे ये—कैसे ये उन चीजों को बाहर लाता है।

68 अब अगली चीज। यह मसीह के द्वारा यूहन्ना को एक दूत के जरिये से

दिया गया था, उसके अपनो को देने के लिए (किसको? ) कलीसिया को, इसे उसके कलीसियाओ को प्रकट करने के लिए दिया गया था। और उसके हाथ में सात तारे थे, जो सात कलीसियाओ के सात संदेशवाहक थे। और हर मनुष्य जिसके पास कभी एक संदेश होगा, उसके पास ये होगा, जो वही सच्चा संदेश है जो आदि में आरंभ हुआ होगा।

69 और अधिक, जब हम वहां गहरे स्थानो पर उतरते हैं, यह देखने के लिए कि परमेश्वर ने इन चीजों को कैसे आगे बढाया है, ये अद्भुत है। इससे बस आप चिल्ला उठेंगे। मैं इसे पढ़ रहा था, और फिर थोड़ी देर के लिए यहां–वहां चलने लगा और रोने लगा, वापस चलने लगा और फिर से बैठ गया, फिर थोड़ी देर यहां–वहां चला। मैं इसे जानकर तब बहुत ही आनंदित हुआ: किस तरह परमेश्वर हमेशा हम पर इतना दयालु रहा है कि हमें उन बातों को देखने दिया इस घडी में जिसमें हम रह रहे हैं? ऐसा क्यों है, यह जैसा यीशु ने कहा, "एक व्यक्ति ने सब कुछ बेच दिया उसे एक विशेष हीरा खरीदना था।" आपको संसार का, संसार की चीजों को बेच देना हैं, और वो सब कुछ जो कुछ भी और इससे संबंधित है, इसे पाने के लिए। यह सही है, आप ठीक उस पर अपना पूरा लंगर डाल दे। यह उसके वचन के प्रकाशन को देखने के लिए प्राण का लंगर है।

70 अब, जो कोई भी इसे पढ़ता है वह आशीषित है। क्या ये सही है? और हमने आज सुबह कहा, यदि आप पढ़ नहीं सकते हैं, कोई भी जो इसे पढ़ते हुए सुनता है, वह आशीषित है। अब, यह उन लोगों के लिए एक आशीष से आरंभ होता है जो यहां तक कि बैठ कर और इसे पढ़ा जाता है उसे सुनेगा, और जो कोई भी इसमें कुछ भी जोड़ने की या इसमें से कुछ भी निकालने की कोशिश करेगा उस पर शाप है। फिर यदि बाइबल साफ–साफ प्रकट करती है कि यीशु सर्वशक्तिमान परमेश्वर था, तो हाय उस पर जो इसे वहां से निकाल देगा। जी हाँ। यह एक प्रकाशन है। जो कोई भी कुछ भी जोडेगा... यह पूरी तरह से प्रकाशन की—की कसौटी है; यह परमेश्वर की अंतिम किताब है, उसके अंतिम वचन, उसका... और कोई भी प्रकाशन जो इसके विपरीत आता है, तो एक झूठी भविष्यवाणी है; ये परमेश्वर नहीं है, क्योंकि यही सत्य है।

71 और, याद रखें, यह बाइबल की एकमात्र किताब है जिसे मसीह ने स्वयं समर्थन किया है। इस पर सोचे! एकमात्र किताब, जो उसके स्वयं का

प्रकाशन है। एकमात्र किताब जिसे उसने अपनी मोहर लगाई, और अपनी आशीषो को और उसके शाप को डाला। उन लोगों के लिए आशीष जो इसे ग्रहण करेंगे, उन लोगों के लिए शाप जो इसे ग्रहण नहीं करेंगे।

72 अब—अब हम पतमुस के टापू पर जाते हैं अब इस आरंभ करने के लिए, 9 वा पद लेंगे। पहले स्थान पर, हम इसे कहना चाहते हैं... इसका शीर्षक है: *पतमुस टापू का दर्शन*। जो A. D. (मृत्यु के बाद) घटित हुआ, 95 और 96 A. D. (मृत्यु के बाद) के बीच घटित हुआ। यह स्थान पतमुस के द्वीप पर था। ये स्थान एशिया माइनर के तट से तीस मील की दूरी पर है, पश्चिम में इफिसियों कलीसिया के सामने, ईजियन सागर में जो भूमध्य सागर की सीमा है। यही वह स्थान है जहाँ पर यह बसा हुआ है।

73 सोचे! अब, एक छोटा सा द्वीप जो एजियन सागर पर, एशिया माइनर के तट से तीस मील दूर है। ठीक जो सामने है फिलेदीप... कलीसिया या इफिसुस कलीसिया के सामने, जहां पर पहला संदेश दिया गया था, उस समय पर यूहन्ना पास्टर था। दूसरे शब्दों में, सीधे पूर्व की ओर देखा और वह सीधा कलीसिया की ओर देख रहा था, जहां पर वो था। और पहला संदेश जो उसकी कलीसिया के लिए था, जो एक कलीसिया युग का प्रतिनिधित्व करता था। तो ठीक है, यह दर्शन संत यूहन्ना को दिया गया था, जो उस समय इफिसुस में कलीसिया का पास्टर था।

74 तब इस टापू की क्या परिस्थिति थी? ये कहां पर था, और क्या स्थिति थी? तो ठीक है, ये इतिहास में एक चट्टानी टापू के रूप में जाना जाता है जो सांपो, बिच्छुओं, छिपकलियों, और इत्यादि से भरा हुआ है। इसका घेराव तीस मील था और चट्टानों से भरा हुआ। इसका इस्तेमाल यूहन्ना के दिनों में एक अलकतरा टापू (जेल) के रूप में किया गया था। एक स्थान जहां रोमन सम्राट के साम्राज्य ने अपराधियों को, जो वास्तव में बुरे अपराधी थे उनको देश निकाला किया गया था, जिसे वे उन्हें जेल और इत्यादि में नहीं रख सकते थे, वे वहाँ पर उन्हें मरने के लिए उस टापू पर रख देते थे; उनके मरने तक, उन्हें वहीं छोड़ देते।

75 सवाल: यूहन्ना वहां क्यों था? एक पवित्र व्यक्ति, एक धर्मी व्यक्ति, एक अच्छे नाम वाला व्यक्ति, अच्छे चरित्र का, जो कभी परेशानी में नहीं था, यह मनुष्य वहाँ क्यों था? बाइबल ने कहा, "परमेश्वर के वचन और यीशु मसीह की गवाही के लिए।"

76 अब हम परिस्थिति जान गये है। पतमुस टापू, एजियन सागर में, जो उस तट से तीस मील दूर है, जो लगभग तीस मील चारो ओर फैला हुआ था, चट्टानी, छिपकलियों और बिच्छुओं और इत्यादि से भरा हुआ, और एक जेल घर के लिए उपयोग किया जाता है (जैसे अलकतरा टापू है)। वे एक कैदी को लेते जिसे वे यहां जेल में नहीं रख सकते, वे... जो बहुत ही खूंखार अपराधी होता, वे उसे अलकतरा टापू पर छोड़ देते।

77 और अब उन्होंने इस संत यूहन्ना जो दैविक... चेलो में से अंतिम, और केवल वो ही एक स्वाभाविक मृत्यु मरा था। यूहन्ना, टापू पर जाने से पहले, जिसे एक "जादू–टोना करने वाले" होने का आरोप लगाया गया था और चौबीस घंटे तक तेल के एक कुण्ड में उबाला गया था, वो बिल्कुल भी नहीं जला था। आप किसी व्यक्ति के पवित्र आत्मा को उबाल नहीं सकते है... ? ... उसे चौबीस घंटे तक एक कुण्ड में उबाला गया, उसे किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा। और कहा, इसका कारण जो रोमन लोगो ने बताया, कि, "वो एक जादू–टोना करने वाला था, और तेल को जादू करके सम्मोहित कर दिया है।" शारीरिक दिमाग और क्या सोच सकता है! अब, आप देखे, जब वे हमें "मनो को पढने वाला, और पूर्वानुमान लगाने वाला, और बालजबुब," कहते हैं, तो क्या आप देखते हैं कि वो पुरानी आत्मा कहाँ से आती है? लेकिन आप देखते है कि असली आत्मा कहाँ से आती है? यह कलीसिया का युग है। देखा? चौबीस घंटे, एक गर्म उबला हुआ, उबलते हुए तेल में, और यहां तक उसे छुआ भी नहीं। ओह, कैसे परमेश्वर ने उसे अपने पवित्र आत्मा के साथ रक्षा किया। उसका काम पूरा नहीं हुआ था।

78 उन्होंने उसे दो वर्ष के लिए टापू पर रखा। और उस समय पर परमेश्वर ने उसे वहाँ अपने आप में अकेले रहने दिया, उसने प्रकाशितवाक्य की किताब लिखी जैसे–जैसे प्रभु के दूत ने उसे इसे बताया। और उसके बाद जैसे ही वह पूरी हो गयी, वह अपने देश वापस आ गया और इफिसुस के कलीसिया में पास्टर का काम किया। और वो मरा और इफिसुस में दफन किया गया था, यूहन्ना वो दैविक।

79 ओह, अब क्या ही स्थिति है! तो ठीक है, कलीसिया तब यूहन्ना के तहत, या बड़ी सतावट के तहत, यूहन्ना 9 वां पद लिखता हैं:

*मैं यूहन्ना जो तुम्हारा भाई,... क्लेश में... और यीशु के क्लेश, और राज्य, और धीरज में तुम्हारा सहभागी हूं, परमेश्वर के वचन, और यीशु की गवाही के कारण पतमुस नाम टापू में था।*

80 दूसरे शब्दों में, उसने परमेश्वर के वचन को लिया और इसे साबित कर रहा था, कि यह परमेश्वर का वचन था, और मसीह उसके जरिये से वापस आकर गवाही दी कि वो सही था। आप वहीं पर हो। परमेश्वर का वचन उसके अंदर प्रगटीकरण में आया था, जिससे साबित होता है कि वह परमेश्वर का सेवक था। तब वे उससे इनकार नहीं कर सकते थे, इसलिए उन्हें उसे ये बोलना था कि वह एक "जादू–टोना करने वाला" है। "उसने तेल को जादू से सम्मोहित किया है, और इसी लिए उसे कोई हानी नहीं पहुँचती है, और वह लोगो पर जादू–टोना करता था और वे चंगे नहीं होते थे और वो पूर्व अनुमान करने वाला था, और वो नहीं सकता... एक तरह का बुरा व्यक्ति है, कोई बीमार... एक बुरा आत्मा है।" और यही वो कारण है कि उन्होंने उसे वहाँ पर रखा, सोचा कि वह समाज के लिए खतरनाक था। लेकिन वह केवल परमेश्वर की इच्छा को पूरा कर रहा था, और उस सारी परिस्थिती के अंदर परमेश्वर का एक उद्देश्य था।

81 वो उसका उपयोग नहीं कर सकता है, और सारी सतावट और इत्यादि, क्योंकि संत आते थे, कहते, "ओह, भाई यूहन्ना, हम *इस* बारे में क्या करें? और हम क्या करें? "

82 यूहन्ना एक भविष्यव्यक्ता था, हम यह जानते हैं। और इसलिए वे ये सवाल पूछते थे, इसलिए परमेश्वर ने तब रोमन साम्राज्य को उसे लेने दिया था कि उसे उठाकर और उसे वहाँ टापू पर डाल दे। और कहा, "अब, आगे बढ़ो, यूहन्ना, मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूं जो घटित होने जा रहा है।" चेलो में से वो अंतिम चेला था, वहाँ और कोई इसे लिखने के लिए नहीं था सिवाय यूहन्ना के। तो उन्होंने उसे वहां पतमुस टापू पर रखा 95 A.D (यीशु की मृत्यु के बाद) से लेकर 96 A.D तक। और उसने इसे लिखा, और उसने कहा:

*मैं... यूहन्ना जो तुम्हारा भाई, और क्लेश में तुम्हारा सहभागी हूं...*

83 अब, उसने बड़े महासंकट की बात नहीं की। वो बड़ा महासंकट नहीं था, और ये कलीसिया के लिए नहीं आता है। बड़ा महासंकट यहूदी के लिए

आता है, ना ही कलीसिया के लिए। सो यह महासंकट, बड़ा महासंकट नहीं था।

84 अब 10 वां पद:

*मैं प्रभु के दिन आत्मा में था, और मेरे पीछे से सुना... आवाज...*
*एक तुरही की आवाज़ को सुना,*
*मैं प्रभु के दिन आत्मा में था...*

85 अब, आप कुछ अच्छा नहीं कर सकते हैं, जब तक पहले आत्मा में नहीं आते है; परमेश्वर आपका उपयोग नहीं कर सकता। आप—आप—आप—आप... आपके सारे प्रयास तब तक व्यर्थ हैं जब तक आप पहले इसे आत्मा में नहीं करते। "यदि मैं गीत गाऊंगा, तो मैं आत्मा में गाऊंगा। यदि मैं प्रार्थना करूंगा," पौलुस ने कहा, "मैं आत्मा में प्रार्थना करूंगा।" और फिर यदि कोई ऐसी चीज है जो मेरे पास आती है जो किसी भी तरह से अच्छी है, तो वो मुझे आत्मा के द्वारा प्रकट की जानी है और वचन के द्वारा पुष्टि की जानी है (जो परिणाम को लाता है, उसके द्वारा प्रकट होता है)

86 अब जैसे, दुसरे शब्दों में, यदि मैं कहूं, यीशु मसीह ने अपने वचन में प्रतिज्ञा की थी कि यदि मैं पश्चाताप करूं, यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लू, तो मुझे पवित्र आत्मा का दान मिलेगा। पहली चीज जो मुझे करना है वो है पश्चाताप। ये मुझ पर प्रगट हुआ है कि यह सच्चाई है। उसके बाद यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लेना होगा, तब परिणाम ऐसा है: मुझे पवित्र आत्मा मिलेगा।

87 यदि मैं बीमार होता हूं, और उसने मुझसे प्रतिज्ञा की है कि यदि मैं विश्वास करूं और कलीसिया के प्राचीन मेरा तेल से अभिषेक करे, मेरे लिए प्रार्थना करे, विश्वास की प्रार्थना से बीमार बचाये जायेंगे। "प्रभु, मैं विश्वास करता हूं। मैं आपके निर्देशों का पालन करता हूं, कुछ प्राचीन मुझ पर प्रार्थनाओ को करे, मुझे तेल से अभिषेक करे।" इससे बात खत्म हो जाती है, बस ऐसा ही करे, इससे सब—इससे सब समाप्त हो जाता है।

88 "ओह," आप कहते हैं, आप "भले ही कोई फर्क महसूस नहीं करता हूं।" यीशु का जन्म नहीं हुआ था, जब परमेश्वर ने उसे दुनिया की नींव से पहले घात किया था, जब वो—वो परमेश्वर का मेमना था, दुनिया की नींव से पहले घात किया गया। लेकिन परमेश्वर के उसके मन में, वह पहले

से ही घात किया गया था। मैं ना तो यहां पर था, ना तो आप थे; लेकिन परमेश्वर की किताब में, यदि हमारा नाम कभी वहां पर था, तो इसे दुनिया की नींव से पहले डाला गया था।

89 जब परमेश्वर कुछ भी कहता हैं, तो इस बात को जगह लेना है। इसलिए जब आप परमेश्वर की योग्यता को पूरा करते हैं, तो बस याद रखें, परमेश्वर खुद को प्रकट करेगा और बाकी की बात को देख लेगा, आप केवल आगे बढ़ें, यह एक समाप्त हुआ काम है। ओह, क्या यह अद्भुत नहीं है? ओह, मेरे प्रभु, सोचे! बस परमेश्वर से कहे... और परमेश्वर ने कहा, "तुम *ऐसा* करो, और मैं *यह* करूँगा।" ठीक है, यदि मैं कर *यह* करता हूं, तो उसे *ऐसा* करना है।

90 अब, शैतान कहता है, "देखो, वह देरी करता है।"

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। दानिय्येल ने एक बार प्रार्थना की और ये इक्कीस दिन पहले की बात थी इससे पहले दूत उसके पास पहुंचे, लेकिन वह निराश नहीं हुआ था, वह जानता था कि वह किसी भी तरह से आएगा, इसलिए वो उसके वहां पहुंचने तक रुका रहा। यही तो वो विचार है। ओह, यही है जब आप विश्वास कर रहे होते हैं। अब हमें इस बात को यही छोड़ना होगा, हमें ठीक तुरंत बाद ही एक सभा को करना है, क्या नहीं करना है? ये सही है। जी हाँ, विश्वास की। लेकिन हम एक प्राण की चंगाई सभा चाहते हैं, ताकि अंदर से चंगा करे, क्योंकि यही है वो, जो अंत में जाने वाला है, आपको अनन्त जीवन मिलता है। अनन्त जीवन न तो लुप्त होता है और न ही बुढा होता है, यह बना रहता है, वैसा ही रहता है।

91 अब, इससे पहले कोई भी बात जगह ले वो आत्मा में आ गया। पहली चीज़ जो उसने की, वह पतमुस नामक टापू में था (ये सारी चीजें जो उसने की थीं), और उसने कहा, "मैंने एक आवाज़ सुनी," और यह सारी अन्य बातें। लेकिन इससे पहले कोई भी बात जगह ले, वह आत्मा में था। और यदि आप ध्यान दें कि आपकी बाइबिल में, बडा अक्षर आत्मा (Spirit), वो पवित्र आत्मा (Holy Spirit)। आमीन! वह आत्मा में आ गया। ओह, मैं तब यह सोचता हूं कि यह अद्भुत है:

*मैं प्रभु के दिन आत्मा में था,...*

92 किस दिन पर? प्रभु के दिन। अब, वहां पर एक बड़ी चर्चा है। आइये, बस कुछ मिनट के लिए इसे छोड़ देंगे।

93 अब, जैसा कि हमने आज सुबह कहा, किसी ने कहा कि, संत मत्ती 17 का प्रकाशन, "पतरस" था। कैथोलिक कलीसिया ने कहा, "उसने पतरस पर अपनी कलीसिया को बांधा; वह पहला पोप था।" वह भला कैसे एक पतरस हो सकता है और विवाहित हो सकता था? देखा? और कहते है, "पतरस रोम चला गया, वहां पर दफनाया गया था।" फिर मुझे एक स्थान बताये, इतिहास या कहीं भी, कि पतरस कभी रोम गया हो। समझे? पौलुस गया, लेकिन पतरस नहीं। तो ठीक है।

94 इसलिए हम देखते है कि ये सारी संस्था और इत्यादि, जो अब बढ़ चूले है। समझे? लेकिन, और आज लोग... आप हर जगह जाते हैं, वे... कुछ बड़ी कलीसियाओ के पास कुछ कीले मिली है, जो यीशु के हाथ में थी। आप जानते हैं कि उन्हें कितनी कीले मिली है, वास्तविक कीले, आज... ? उन्नीस। उन्हें हड्डियां मिलीं है, उन्हें—उन्हें कपड़ो के टुकड़े मिले है, और वे उसे छुते है और उन्हें संभालते है। और हमारे पास—हमारे पास वे चीजें नहीं हैं, हमें इसकी आवश्यकता नहीं है। मसीह जीवित है! वह हम में है, ना ही कोई कील या क्रूस का टुकड़ा, या हड्डी का टुकड़ा, या कुछ भी और। वह जीवित परमेश्वर है, अभी हम में जी रहा हैं, स्वयं को प्रगटीकरण में लाते हुए। हमारे पास केवल एक यादगार का एक लेख है, वो है प्रभु भोज, जो उसकी मृत्यु का स्मृति है। लेकिन जहाँ तक स्वयं मसीह की बात है, वह हमारे साथ और हम में है। और यही वो बात है जिसे हम लहराना चाहते हैं (जो पवित्र आत्मा की महिमा है) संसार के लिए लहराना चाहते हैं। इसे लहराते रहे जब तक उजियाला बाहर नहीं जाता। तो ठीक है।

95 अब... तो, आप देखते हैं, हमने मार्ग के उस दूसरे बाजु को लिया। आप जानते है कि मैंने हमेशा यह करने की कोशिश की है, और हमारे प्रभु ने इसे हमेशा मेरे लिए प्रकट किया है; वहाँ एक कदम आगे, और एक और कदम आगे, लेकिन मार्ग के ठीक बीच में सत्य रखा होता है। क्या आपने ध्यान दिया यशायाह में, जहां उसने कहा कि वहाँ एक राजमार्ग होगा? यशायाह 35 में। और आपको याद है कि हमारे बहुमूल्य नाज़रीन भाई उस गीत को किस तरह गाया करते थे, आप जानते हैं, "*पवित्रता का राजमार्ग। पवित्रता का राजमार्ग*।" अब, यदि आप अपनी बाइबल को सही–सही पढ़ें, तो यह ऐसा नहीं कहता, "पवित्रता का राजमार्ग।" यह कहता है, "एक राजमार्ग होगा और *एक मार्ग* होगा, और इसे कहा जाएगा," पवित्रता का राजमार्ग

नहीं, लेकिन "पवित्रता *का मार्ग*।" *और* एक जोड़ है जो आपके वाक्य को पूरा करता है। समझे? "ये एक राजमार्ग होगा *और* मार्ग होगा, और इसे पवित्रता *का मार्ग* कहा जाएगा," पवित्रता का राजमार्ग नहीं।

96 देखो, एक सड़क बनती है, *एक मार्ग...* एक अच्छी सड़क बनती है, तो सबसे ऊंचा भाग मध्य में होता है, इससे ये सारे कूडे–कचरे को दोनों तरफ से धोकर साफ कर देता है। ऐसा ही है। जब कोई मनुष्य वास्तव में मसीह के पास आता है, तो वह अपनी आँखों को मसीह पर केंद्रित कर लेता है। यदि वह थोड़ा बहुत भावुक होता है, तो वह कट्टरपंथी बन जायेगा। यदि वह थोड़ा सा ठंडा है, तो वो इस दूसरी ओर होगा और वो तब एक ककड़ी होगा, उस ओर; देखो, उसकी बुद्धिमत्ता को। लेकिन वो मुख्य बात सड़क के ठीक बीच में होती है, आप में उचित आत्मा के साथ, जो आपको गर्म और गतिशील बनाए रखती है। आमीन! और इतना जानते हुए कि अपने आप को आत्मा के नीचे आज्ञा में बनाये रखे, ताकि वैसे ही चलाये चले जैसे आत्मा चलाती है; ना ही उसके पहले या ना ही बाद में बस जैसे आत्मा चलाती है।

97 कैथोलिक कलीसिया ने कहा, "पतरस वो प्रकाशन था।"

प्रोटेस्टेंट कलीसिया ने कहा, "यह मसीह था।"

लेकिन बाइबल सिखाती है, "यह वो प्रकाशन था जो प्रकाशन उसने दिया (परमेश्वर ने उसे दिया) जो मसीह का था।"

"तू वो मसीह है, जीवित परमेश्वर का पुत्र।"

"धन्य है तू शिमोन, योना के पुत्र, मांस और लहू ने तुझे इसे प्रकट नहीं किया, ना ही कोई मनुष्य ने, सेमिनरी ने, या इसाई मत, किसी ने भी, इसे तुम्हें नहीं सिखाया। लेकिन मेरे पिता ने जो स्वर्ग में हैं, उसने तुम्हें यह प्रकट किया है। तू पतरस हैं, इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया को बांधूंगा, और अधोलोक के फाटक इसके विरुद्ध प्रबल नहीं हो सकते।"

98 अब हम यहां एक और स्थान पर आये हैं जहां उनके पास दो अलग–अलग विचार हैं। अब, मैं गलत हो सकता हूं; यदि मैं हूं, परमेश्वर मुझे क्षमा करे। लेकिन मैं सेवेंथ डे एडवेंटिस्ट्स से असहमत होऊंगा जो कहता है कि, "यह सातवां दिन था जिसमें वो था, वह प्रभु का दिन था।" सेवेंथ डे एडवेंट के भाई लोग, और उनमें से कई लोगो का दावा है कि यह वो सब्त का दिन था जिसे उसने प्रभु का दिन कहा था। मसीह कलीसिया इसे प्रभु

का दिन कहती है, "वो—वो रविवार, पहला दिन है।" और हमने बहुत बार ध्यान दिया हैं कि—कि कलीसिया आज अभी भी, प्रोटेस्टेंट लोग, इसे "प्रभु का दिन, रविवार," इसे इसी तरह से हवाला देते हैं। यह वचन अनुसार नहीं है। बाइबिल में, रविवार सप्ताह का पहला दिन था, न कि प्रभु का दिन। और न ही यह सातवां दिन था, सब्त का दिन। यह इसके लिए असंभव होगा कि या तो उन दिनों में से कोई एक दिन हो क्योंकि यूहन्ना को प्रकाशितवाक्य लिखने में दो वर्ष लग गए। ये कौन सा दिन था? वहां तो बहुत से सातवें दिन और पहले दिन के पर्व आये।।

99 बाइबिल में, प्रकाशितवाक्य को 95 A.D (यीशु के मरने के बाद) से 96 तक, दो वर्ष लिखा गया था। यह प्रभु का दिन था। प्रभु का दिन बिल्कुल उसी प्रकार से है जैसा इसने कहा था, और यही है जो वो था। यूहन्ना को प्रभु के दिन आत्मा के अंदर में लाया गया था। यह मनुष्य का दिन है, लेकिन प्रभु का दिन आएगा। आगे वचन में बढ़ते हुए हम देखेंगे कि वह प्रभु के दिन में था, आत्मा में उठाया गया और प्रभु के दिन पर ले लिया गया। आमीन! ये सही बात है। देखो, वह प्रभु के दिन में था। बाइबिल प्रभु के दिन की बात करती है। हम इस पर थोड़ी देर में जायेंगे, बहुत से वचन है।

100 पहली चीज, सब्त का दिन, जैसा कि हम इसके बारे में बात करते हैं, सब्त का दिन एक निश्चित दिन के लिए नहीं बताता है। शनिवार को सब्त के दिन रखने की हमारे पास कोई आज्ञा नहीं है। नए नियम में, हमारे पास सब्त के लिए पहले दिन को रखने की कोई आज्ञा नहीं है। बाइबिल ने इब्रानियों के चौथे अध्याय में कहा, "और यदि यीशु उन्हें विश्राम में प्रवेश कर लेता, तो उसके बाद दूसरे दिन की चर्चा न होती।" यह सही बात है। लेकिन एक विश्राम बना रहता है या सब्त को मानने वाले, परमेश्वर के लोगों के लिए। क्योंकि हम जिन्होंने विश्वास किया, उन्होंने भी अपने विश्राम में प्रवेश किया है; हम अपने कामों को समाप्त करते हैं, जैसे परमेश्वर ने उसके कामो से विश्राम किया।

101 देखो! ओह! प्रभु की स्तुती हो। मै अब बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, मैं अपने आप से आगे बढ़ रहा हूं।

102 ध्यान दे, सब्त के दिन में। परमेश्वर ने छह दिनों में पृथ्वी बनाई, और सातवें दिन उसने एक विश्राम में प्रवेश किया और कभी भी इसके बाद उसने वापस आकर और संसार को नहीं बनाया। तब उसने इसे यादगार के

रूप में लोगों को दिया। क्योंकि आप इसे अब नहीं रख सकते हैं, क्योंकि जब आप सब्त को यहां रखते हैं, तो फिर से तब संसार के लिए दूसरी ओर रविवार है। समझे? तो इसे दर्शाया कि ये लोगों के लिए था, इस्राएल के लिए एक अवधि और समय था। लेकिन तब परमेश्वर के लोगों के लिए एक सब्त का दिन बना रहता है।

*क्योंकि हम जिन्हों ने... विश्वास किया है, उसके विश्राम में प्रवेश करते हैं... यद्यपि उसके काम*... (मैं इब्रानियों 4 से हवाला दे रहा हूं)... *यद्यपि जगत की उत्पत्ति के समय से उसके काम पूरे हो चुके थे।*

*क्योंकि सातवें दिन के विषय में उस ने कहीं यों कहा है... इस तरह से... कि परमेश्वर ने सातवें दिन...*

और *तो फिर वह किसी विशेष दिन को ठहराकर, दाऊद की...* (आप जो इसे लिख रहे है, इब्रानियों 4)

*तो फिर वह किसी विशेष दिन को ठहराकर, इतने दिन के बाद दाऊद की पुस्तक में उसे आज का दिन कहता है,* जब तुम *पहिले सुनते हो... या कहा गया कि यदि आज तुम उसका शब्द सुनो, तो अपने हृदय को कठोर न करो।*

*क्योंकि यदि यीशु उन्हें विश्राम में* (दिन)... *प्रवेश कर लेता, तो उसके बाद दूसरे दिन की चर्चा न होती।*

लेकिन *वहाँ बने रहते है... एक विश्राम* (या एक विश्राम दिन को मानने वाले)...

103 वो शब्द "विश्राम।" सब्त हमारे लिए एक अनोखा शब्द है, जिसका अर्थ है "विश्राम।" यह एक इब्रानी शब्द है जिसका अर्थ है, "विश्राम" का दिन, एक सब्त का दिन; काम ना करे, विश्राम करे।

*क्योंकि यदि यीशु उन्हें विश्राम में प्रवेश कर लेता... तो उसके... बाद दूसरे दिन की चर्चा न होती।*

लेकिन *सब्त का विश्राम बाकी है...* (या सब्त को मानने वाले) *सो जान लो कि परमेश्वर के लोगों के लिये।*

*क्योंकि जिस ने उसके विश्राम में प्रवेश किया है... उस ने भी परमेश्वर की नाईं अपने कामों... को पूरा करके विश्राम किया है।*

104 हम कभी भी इस पर पीछे जाकर सप्ताह के अगले दिन में और इसे फिर से आरंभ नहीं करते, हमने एक विश्राम में प्रवेश किया है। यीशु ने धन्य पहाड़ी उपदेश पर बात करते हुए कहा, "तुमने उन पुराने समय के लोगो को कहते सुना होगा, 'तुम हत्या नहीं करना।' मैं तुमसे कहता हूं, जो भी अपने भाई से बिना कारण क्रोधित होता है, वो हत्या कर चूका। तुमने सुना है पुराने समय के लोगो को कहते हुए, 'तू व्यभिचार नहीं करना।' यही वो आज्ञा है। लेकिन मैं तुमसे कहता हूं, जो कोई भी स्त्री की ओर कृदृष्टि डाले वो अपने ह्रदय में उसके साथ व्यभिचार कर चूका।" क्या यह सही है?

105 सो ये सारी बातें यादगार थीं, केवल चिन्ह, चमत्कार, आने वाले वास्तविक समय की प्रतीक्षा कर रहे थे। अब, जब यीशु ने समाप्त किया, मत्ती 11, (धन्य पहाड़ी उपदेश), उसने कहा:

> *हे सब परिश्रम करने वालों और* थके, *बोझ से दबे लोगों,* मेरे *पास आओ; मैं तुम्हें तुम्हारे प्राण में विश्राम दूंगा।*
>
> *मेरा जूआ अपने ऊपर उठा लो; और मुझ से सीखो; क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूं...* (क्या यह सही है? )
>
> *हे सब परिश्रम करने वालों और... बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें* तुम्हारे प्राण में *विश्राम दूंगा।* ("यदि आपने एक दिन, दस दिन, पांच वर्ष, पैंतीस वर्ष, पचास वर्ष, नब्बे वर्ष परिश्रम किया है, और आप थक गए है और थक चुके हैं, मेरे पास आओ, मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। मैं तुम्हारे पाप के सारे भार को ले लूंगा, और तुम में प्रवेश करूंगा, और तुम्हे सिद्ध विश्राम और संतुष्टि को दूंगा।")

106 अब, वो विश्राम क्या है? आओ—आओ अब इसे थोड़ा सा जानेगे, देखें, कि यह क्या है। उनमें से कुछ ने कहा, "क्योंकि, आप कलीसिया जाते है।" नहीं! "आपने अपना नाम किताब पर डाला।" नहीं! "ठीक है, एक विशेष प्रकार का पानी का बपतिस्मा।" नहीं! इसे थोड़ा सा जाने और देखें कि यह क्या है। क्या आप इसे ठीक यहीं पर करना चाहेंगे जब हम रुके हुए है? हम देखेंगे कि यूहन्ना कहाँ पर चला गया। वो किस दिन के अंदर वह चला गया?

107 जब यीशु धरती पर मरा, और उसका काम समाप्त हुआ था, तो उसने कहीं पर तो प्रवेश किया।

108 अब आइए यशायाह 28 वें अध्याय और 8 वें पद पर वापस जायेंगे। मेरा विश्वास है कि यही है, अब, यशायाह 28:8। और, आइये यशायाह 28 पढ़े, नबी ने इसके घटित होने के सात सौ बारह वर्ष पहले ही बोल दिया। अब, कितने लोग जानना चाहते हैं कि सच्चा *सब्त* क्या है, सच्चा *विश्राम* क्या है? यहां है ये। अब, यहां है ये जहाँ नबी ने इसके बारे में बात की, और मैं आपको दिखाऊंगा कि यह कहाँ पर पूरा हुआ है। देखे, यशायाह 28:8:

*क्योंकि सारी...* (नबी इन दिनों के लिये भविष्यवाणी कर रहा है)

*क्योंकि सब भोजन आसन वमन और मल से भरे हैं* (प्रभु भोज लेने वाले लोग, जो शराब पीते हैं, और झूठ बोलते हैं और चोरी करते हैं)... *कोई* शुद्ध स्थान *नहीं बचा।*

*वह किस को ज्ञान सिखाएगा? ...*

आज आप किसे ज्ञान सिखा सकते हैं?

109 कितने लोगो ने आज बिली ग्राहम को सुना? ये एक अद्भुत उपदेश था जिस पर उन्होंने प्रचार किया, कि कैसे एक व्यक्ति झूठ पर विश्वास कर सकता है और बस उस झूठ पर बने रह सकता है और—और यहां तक कि खुद को सही ठहरा सकता है और यह सोच सकता है कि वे वही कर रहे थे जो सही था। अमेरिका के जनता ले रही है, उसने कहा, और यह कहते है, "एक बुद्धिमान मनुष्य की छन्नी, और धूम्रपान करने वाले मनुष्य की सिगरेट," शैतान के झूठ में से एक को लेते हुए, और बजाये इसके वो उसे मुर्ख बना रहा है, जो कुछ भी वो है, ऐसी चीज का सेवन करता है और उसे एक बुद्धिमान बनाने की कोशिश करता है। वह यहां तक मूर्ख है जो इसे धूम्रपान करता है, जब... जब कि यह मृत्यु और कैंसर और इत्यादि सब से भरा हुआ होता है, और फिर भी वह अपने फेफड़ों के अंदर इसके कश को मारता है। वह एक मूर्ख है। नहीं—नहीं यह एक बुद्धिमान मनुष्य की छन्नी नहीं है, और ना ही ऐसी कोई चीज है। एक बुद्धिमान मनुष्य ऐसी चीजो का उपयोग नहीं करता है।

110 "ओर्टेल 92 में होने तक इसमें कोई जीवन नहीं होता है," या ऐसा ही कुछ तो। मसीह के बाहर कोई जीवन नहीं होता है, यही वास्तविक सच्चा जीवन है। पुरुष और महिलाएं को इन चीजो को पीने से क्या होता हैं? क्योंकि वे वहां उस प्यास के लिए संतुष्ट होने की कोशिश कर रहे होते हैं, जिस प्यास को परमेश्वर ने वहां रखा है जिससे वे उसके लिए (परमेश्वर के लिए) प्यासे हो जाये, और वे इसे संसार की चीजों से संतुष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। और यही वो कारण है कि हमारे पास वे चीजें हैं। यही वो कारण है कि लोग ऐसा व्यवहार करते हैं, क्योंकि वे उस प्यास को बुझाने की कोशिश कर रहे हैं जो प्यास परमेश्वर के लिए है, और शैतान उन्हें जीवन के बजाये मृत्यु दे रहा है।

*... सारी मेजे उल्टी से भरी हुई हैं...*

111 पादरीगण, बाकी के सारे, इसके बारे में बताते हैं, "जरा सा मजा करने में कुछ नहीं होता।" ऐसी कोई बात नहीं है!

*वह किस को ज्ञान सिखाएगा, और किस को अपने समाचार का अर्थ समझाएगा? क्या उन को जो दूध छुड़ाए हुए और स्तन से अलगाए हुए हैं?* (अब हम बालक नहीं रहे।)

*क्योंकि आज्ञा पर आज्ञा, आज्ञा पर आज्ञा, नियम पर नियम, नियम पर नियम थोड़ा यहां, थोड़ा वहां:*

*वह तो इन लोगों से परदेशी होंठों और विदेशी भाषा वालों के द्वारा बातें करेगा;*

*जिन से उसने कहा...* (क्या? सब्त को मानने वाले!)*... ; इसी के द्वारा थके हुए को विश्राम दो...* ("बोझ से दबे हुए लोगो मेरे पास आओ, मैं तुम्हे विश्राम दूंगा।")*... इसी के द्वारा थके हुए को विश्राम दो, विश्राम इसी से मिलेगा, परन्तु उन्होंने सुनना न चाहा।*

112 यह कब घटित हुआ? सात सौ बारह वर्ष के बाद जब पेंटीकोस्ट के दिन लोगों पर हकलाते हुए होंठ आ बैठे और वे सभी पवित्र आत्मा से भर गए और उन्होंने अन्य जुबानो से बोलना आरंभ किया और, पवित्र आत्मा ने उनके जीवन पर अधिकार कर लिया, और वे उनके सांसारिक चीजों से दूर हो गए। उसके बाद उन्होंने मसीह के साथ एक विश्राम के अंदर प्रवेश किया। पौलुस ने इब्रानियों के चौथे अध्याय में कहा, "हमने जो उसके विश्राम में

प्रवेश किया है वो सारे सांसारिक कामो से दूर हो गये है जैसे परमेश्वर ने उसकी सृष्टि करने के दिन किया था, उसने अपने विश्राम में प्रवेश किया, और हम उसी के जरिये से अपने सांसारिक कामो के बाद उसके साथ प्रवेश करते हैं।" वहां आपका वास्तविक, सच्चा सब्त है।

113 सो पौलुस को उठाया गया और वो उस सब्त की उस आत्मा में चला गया, और पवित्र आत्मा के द्वारा प्रभु के दिन में पहुँच गया।

114 हमारे पास युद्ध क्यों है? हमारे पास परेशानीयां क्यों है? राष्ट्र, राष्ट्र के विरोध में क्यों है? यीशु आया, जो जीवन का राजकुमार था, और उन्होंने उसे मार दिया।

115 कुछ ही हफ्तों में, या यहां तक ठीक अभी भी, वहाँ बारहसिंगा और सांता क्लॉज़ और—और जिंगल बेल्स और सब प्रकार की चीजें घटित हो रही हैं, जो कि पागान (मूर्तिपूजक) के रीती–रिवाज़ है। ये कैथोलिक कलीसिया का एक भाग है। लोग बडे–बड़े दामो को चुकाते हैं और इस प्रकार के उपहारों की अदला–बदली करते हैं, जो पागान है! क्रिसमस तो आराधना का दिन है।

116 और वैसे भी, मसीह का जन्म दिसंबर के पच्चीसवें दिन हुआ भी नहीं था। ये नहीं हो सकता है। यदि आप कभी यहूदिया में रहे हैं, तो पहाड़ बर्फ से भरे हुए होते हैं, यहां से कही ज्यादा। वो अप्रैल में जन्मा था, जब सारी प्रकृति बढ़ने लगती है।

117 अब, लेकिन यह उनके रीती–रिवाज़ है। और क्यों—क्यों हम उन चीजों को करते हैं? क्योंकि हम परमेश्वर की आज्ञाओं के बजाय मनुष्यो के रीती–रिवाजो का पालन करते हैं। वे... कुछ तो ऐसा जो मायने नहीं रखता, लेकिन वे इसमें से बस एक व्यावसाय करने के दिन को बनाते हैं। यह अपमानजनक बात है, ये शर्म की बात है उनके लिए जो इस तरह के काम करते हैं। एक पागान का रीती–रिवाज़! सांता क्लॉज का यीशु से क्या संबंध था? ईस्टर खरगोश या कोई चिकन या... किसी तरह की स्याही या किसी चीज के साथ रंगना, या किसी तरह के छोटे से सफेद खरगोश का यीशु मसीह के पुनरुत्थान के साथ कुछ भी लेना–देना है? क्या आप नहीं देखते कि कैसे व्यापारिक संसार... ?

118 यही वो कारण है कि वे इन पुराने रॉक–एंड–रोल किताबें, और गंदी तस्वीरें, और अश्लील चीजों को बेचते हैं और इसी तरह की चीजें, ऐसा

इसलिए है, क्योंकि लोगों की प्रकृति ऐसी मुर्खता की चीजो के लिए तरसती रहती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ह्रदय में कुछ तो गलत है, उन्होंने कभी भी परमेश्वर के साथ विश्राम में प्रवेश नहीं किया है, और इन चीजों से दूर हो गए है। जब वे इस के अंदर आते हैं और पवित्र आत्मा को पाते हैं, तब वे ख़त्म हो जाते हैं संसार और संसार की चीजों से।

119 परमेश्वर ने उसे वहां पहुंचा दिया। ओह, मैं नहीं सोचता कि वह पौलुस की तरह उठा गया था, अब, वहां ऊपर तीसरे स्वर्ग में और उन चीजों को देखा। तो ठीक है, बहुमूल्य पवित्र आत्मा ने यहां कुछ हफ्ते पहले किया, मुझे देखने दिया... दूसरे शब्दों में, मैं मृत्यु से डरता था, और पवित्र आत्मा ने मुझे वहां पर उठा लिया और मुझे दिखाया कि यह क्या था। आपने गवाही को सुना है। उसके बाद जब मैं वापस आया, तब "मौत, तेरा डंक कहां है? " वहां पहुंचा दिया गया बस इसे देखने के लिए कि पर्दे के उस ओर क्या था। उसने मुझे वापस लाया आपको यह बताने के लिए कि वहाँ उस ओर हम आत्मा और प्रेत नहीं होते हैं, हम नौजवान पुरुष और महिलाये होते हैं, जो कभी नहीं मरते है, कभी बीमार नहीं होते है, बस पर्दे के उस ओर होते हैं। मृत्यु आपका अब कुछ नहीं कर सकती है, उस स्थान पर खींचे चले जाने के बाद।

120 अब, यूहन्ना को पतमुस के टापू से, आत्मा में, प्रभु के दिन में पहुंचा दिया गया था। यह मनुष्यों का दिन है, मनुष्य लड़ रहे हैं, लेकिन प्रभु का दिन आएगा जब ये राज्य हमारे प्रभु और उसके मसीह का राज्य बन जायेगा, तब वहां एक महान सहशताब्दी होगी। प्रभु का दिन, उनके आगमन का दिन, उसका न्याय, यही परमेश्वर का दिन होगा।

121 यह मनुष्यों का दिन है, यही वो कारण है कि वे आपको यहां–वहां धिक्कारते रहते है और वही करते है जो वे आपके साथ करना चाहते हैं, लेकिन वहाँ पर एक समय आयेगा... आपको कहते... वे अभी आपको, "पवित्र शोर मचाने वाले पाखंडी और कट्टरपंथी," कहते हैं, लेकिन एक समय आएगा, देखो, कि वे ऐसा नहीं करेंगे। वे चिल्लाएंगे और विलाप करेंगे और आपके पैरों पर गिरेंगे। बाइबिल ने कहा, मलाकी 4 में, तुम उनके भस्म हो जाने के बाद यहां तक वहां उनकी राख पर चलोगे; ना ही उनकी कोई जड़, ना ही डाली छुटेगी। ठीक यही बात बाइबल कहती है, "धर्मी जन दुष्टों की राख पर चलेगे।" यह बिल्कुल ऐसा ही है। वे ना ही जड़ या डाली को

छोड़ेंगे, ताकि कुछ भी वापस न आये। और वे समाप्त हो जायेंगे। अब यह एक मनुष्य का दिन है (ये मनुष्य कर रहा है, मनुष्य का काम, मनुष्य की कलीसिया, मनुष्य के विचार), लेकिन प्रभु का दिन आ रहा है।

122 अब, वह प्रभु के दिन आत्मा में था। तो ठीक है, और पहली बात जो उसने सुनी जब वो प्रभु के दिन आत्मा में था... अब हमारे पास 10 वा पद है:

> *... आत्मा में प्रभु के दिन पर, और उसने सुना... एक... आवाज को, एक तुरही का सा शब्द...*

123 आइये अब एक दृष्टान्त को नहीं छोड़ेंगे। यदि हमें इसे कल लेना पड़े, तो हम इसे ले सकते हैं, देखो। कोई तो अब घड़ी को देख रहा है, कि मुझसे देर न हो जाए।

124 तो ठीक है, अब, "... प्रभु के दिन आत्मा में था।" अब याद रखना, पहली बात यह है कि आपको करना क्या है? आत्मा में आ जाये। ये प्रकाशन हमेशा ही आपके पास कैसे आता हैं? आत्मा में आ जाये। आप भला किस तरह से हमेशा पवित्र आत्मा को पाते है? आत्मा में आ जाये। आत्मा में आ जाये!

125 जब आप एक पापी थे और आप एक नाच को करने जाते थे, तो आप *उस* आत्मा में आते थे। ओह, प्रभु, आप अपने हाथों से ताली बजाने लगते है और अपने पैरों को थपथपाने लगते है, और शिंदेगिन (नाच) को करते है, और अपनी टोपी को फर्श पर फेंकते है, और गोल–गोल और गोल–गोल घूमने लगते है, मूर्खतापूर्ण हरकतो को करते हुए। आप इसकी आत्मा में थे। क्या आप एक व्यक्ति की कल्पना कर सकते हैं, जो एक नाच का शौक़ रखता था, एक नाच को देखने के लिए जाता है, कहता हैं, "तो, और आप सबका बहुत ही अच्छा समय चल रहा है, मुझे लगता है।"

"ओह!" वे कहेंगे। "तुम खुद को अलग रखने वाले लोगो, यहां से निकल जाओ!" देखा?

126 गेंद के खेल में जाये, कोई तो एक होमरून (या बैट से) मारता है, या ऐसे ही कुछ और बैठ कर और देखते है, और कहते हैं, "ठीक है, मैं सोचता हूं कि यह बहुत ही अच्छा है।" नहीं, आप एक बेसबॉल के शौक़ीन नहीं है, आप सच में शौक़ीन नहीं होंगे... आप बेसबॉल की आत्मा में नहीं होते है। जब कोई तो एक होमरून (या बैट से) मारता है, तो आप उठकर

और चिल्लाने लगते हैं, "वाह! ओह! जीत गये!" कोई तो उसके सिर से टोपी को *इस* तरह मार कर गिरा देता है कोई भी उसके बारे में एक शब्द नहीं कहेगा।

127 तब कलीसिया में जब आप आत्मा में आते हैं, तो उठकर और चिल्लाने लगते है, "महिमा! हाल्लेलुय्या! प्रभु की स्तुती हो!"

कोई तो मुड़कर कहता है, "पवित्र शोर मचाने वाले।" (ओह, भाई वुड... )

128 मैं आपसे एक सवाल पूछने जा रहा हूं। यदि हम पवित्र शोर मचाने वाले हैं, क्योंकि हम ऐसा करते हैं, तब वे वहां पर बाहर *अपवित्र शोर मचाने वाले* हैं। मैं बल्कि एक पवित्र शोर मचाने वाला बनुंगा (क्या आप नहीं? ) एक अपवित्र शोर मचाने वाले होने की बजाये। ओह! निश्चित रूप से! अपवित्र शोर मचाने वाले।

129 अब, वह आत्मा में था। वह आत्मा में आ गया, फिर बातें जगह लेने लगती हैं। और फिर जब वो वहाँ गया, तो उसने एक तुरही को सुना। अब, एक तुरही हमेशा ही कुछ आगमन की घोषणा करती है। जैसे आप आते हैं... एक—एक राजा आ रहा है, तो वे एक तुरही की आवाज़ को करेंगे। जब यीशु आता है, तो वो एक तुरही को बजाएगा। यह सही है? जब यूसुफ आगे आने वाला होता है, तो उन्होंने तुरही को बजाया। और अब कुछ तो आगे आ रहा है, यूहन्ना आत्मा में आ गया और उसने एक तुरही को सुना। उसने एक तुरही सुनी, और वह देखने के लिए मुड़ा कि उसके पीछे क्या है, जब उसने तुरही को सुना; उसके आत्मा में आने के बाद।

130 हो सकता है वो नाच रहा था, कूद रहा था, यहां–वहां टापू पर दौड़ रहा था। उसके पास एक अच्छा समय था, वो आत्मा में था। सो, और वह... यह हो सकता है ये अशोभनीय लगता हो, लेकिन मेरा इसका इस तरह से अर्थ नहीं है, देखो। वह कर सकता है! यही है... तो, हो सकता है वो ऐसा कर रहा होगा। मेरा विश्वास है कि आत्मा में उसका एक अच्छा समय रहा था, केवल परमेश्वर की प्रशंसा करते हुए, क्योंकि बिल्कुल ऐसा ही हुआ था, जब प्रथम स्थान पर आत्मा उन पर उतर आया। जब पवित्र आत्मा उन पर उतर आया, तो वे पुरुष और महिलाये मदिरा पीये हुए की तरह लड़खड़ाने लगे और ऐसे करने लगे जैसे वे नशे में थे, और बुदबुदाने लगे थे। और... वे इस तरह करते ही जा रहे थे जब तक लोगों ने ये नहीं

कहा, "ये लोग नई मदिरा से धुत हैं।" इसी तरह से उन्होंने पहली बार बर्ताव किया, सो उसी तरह से आत्मा फिर से आया, हो सकता है उसने उसी तरह से बर्ताव किया हो। देखा? इसमें—इसमें कोई भी नई बात नहीं है, यह तो *पुराने समय का* धर्म है। जी हाँ।

131 "आत्मा में प्रभु के दिन पर।" अब, हम इसे सुनते हैं। अब क्या? अब, वो क्या कर रहा था? अब आत्मा में उस टापू से, प्रभु के दिन पर पहुंचा दिया गया था। और जैसे ही वह प्रभु के दिन में आ गया, उसने एक तुरही को सुना। यह क्या है? यह कोई तो आ रहा है। कोई तो एक महान जन आ रहा है। तुरही की आवाज, कोई तो आ रहा है! उसने देखा! हाल्लेलुय्या! तुरही:

> *कहते हुए, मैं अल्फा और ओमेगा, पहला और आखिरी हूं...* (ना ही किसी दुसरे जन या तीसरे जन की घोषणा करता है, लेकिन केवल उसी एक जन की)... *मैं दोनों हूं अल्फा और ओमेगा,...* ("इससे पहले कि मैं तुम्हें कुछ भी दिखाऊं, मैं—मैं तुम्हे बताना चाहता हूं कि मैं कौन हूं!")

132 सारे प्रकाशन में सबसे महान दैविकता है, हमारे प्रभु यीशु मसीह की सर्वोच्च दैविकता है। आप उस पहले आधार तक नहीं पहुंच सकते, जब तक आप इसे विश्वास नहीं करते, चले जाते है... यही पतरस ने कहा, "पश्चाताप करो, और फिर दैविकता को देखो। अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लें, और तब आप आत्मा में जाने के लिए तैयार हैं।" पहली बात जो आपको जानना है, वो है मसीह की दैविकता। "मैं अल्फा और ओमेगा हूं! मैं A (ए) से लेकर Z (ज़ेड) हूं, मेरे अलावा और कोई नहीं है। मैं आदि में था, मैं अंत में रहूंगा। मैं वो हूं, जो था, जो है और आने वाला है, वो सर्वशक्तिमान।" इस पर सोचे! यही है वो, जो तुरही ने कहा।

133 ध्यान रखना यूहन्ना! तुमने आत्मा में प्रवेश किया है, कुछ तो तुम्हारे सामने प्रकट होने जा रहा है। यह क्या है? एक तुरही की आवाज़, पहली चीज, "मैं अल्फा और ओमेगा हूं।" सारे प्रकाशनों में का वो पहला प्रकाशन। (ओह, पापी, झुक जा, अभी पश्चाताप कर इससे पहले कि बहुत ही देर हो जाये।) "मैं अल्फा और ओमेगा हूं।" यही वो पहली बात है जिसे उसने उसे बताया, वह कौन था। (यह कौन आ रहा है? क्या यह राजा यीशु है?

राजा परमेश्वर? राजा पवित्र आत्मा? ) उसने कहा, "मैं ये सब हूं! मैं ए (A) से जेड (Z) तक हूं। मैं आदि और अंत हूं। मैं अमरहार हूं, वो एक अनन्त!"

134 कुछ देर बाद हम उसे देखेंगे उसके सात प्रकार के व्यक्तिव में, तब देखेंगे कि वो क्या है। "मैं आदि और अंत हूं। मैं अल्फा और ओमेगा, पहला और अंतिम हूं। मैं उससे पहले था, उस एक पहले से; और उसके बाद अब और कोई अंतिम नहीं है, मैं तब भी वहाँ रहूंगा," दूसरे शब्दों में। "पहला और अंतिम!"

> *... और, तूझे क्या दिखाई देता है, एक किताब में लिख, और भेज... सात कलीसियाओं के लिए जो एशिया में हैं; इफिसुस के पास,... स्मुरना... पिरगमुन... थुआतीरा... सरदीस,... फिलेदिलफिया, और लौदकिया के लिए।*

135 तो ठीक है, सारे प्रकाशन में से जो पहला है वो यीशु मसीह की सर्वोच्च दैविकता है। आपको जानना अवश्य है कि वो कौन है जब आप आवाज़ को सुनते है। तो ठीक है, वही आवाज जो सिय्योन पर सुनाई दी थी, वही आवाज जो रूपांतरण के पर्वत पर सुनाई दी, वही एक, "वो एक जो मनुष्य के पुत्र के समान है।"

136 अब इस अगले पद में देखते हैं। तो ठीक है:

> *और मैं मुडा...* (अब 12 वां अध्याय।)

137 हम साथ ही इन कलीसिया को बस एक मिनट के लिए ऐसे ही रहने देंगे, क्योंकि इस सारे सप्ताह में इन कलीसियाओ पर बतायेंगे। देखो, इसलिए हम उस पर से होकर जा रहे हैं।

138 लेकिन उसने कहा, "ये... मैं तुम्हे इस संदेश को भेजने के लिए निर्देशित करने जा रहा हूं जिसे मैं तुम्हे दिखाता हूं।" कौन है? "मैं पहला और आखिरी हूं। मैं वो एक सर्वोतम हूं। मैं वो एक सर्वशक्तिमान हूं। और मैं तुम्हे बताने के लिए आया हूं कि मैं तुम्हे सात कलीसिया के लिए एक संदेश को देने जा रहा हूं। मैं चाहता हूं कि तू इसे लिखें, इसे तैयार करें।" देखा? "और सात कलीसिया जो एशिया में हैं।" अब, वहाँ वे कलीसीयाये थी तब उनमें प्रकृति थी जिसने आने वाले इन कलीसिया युगों का प्रतिनिधित्व किया।

139 अब:

*और मैं उस आवाज को देखने के लिए मुड़ा जिसने मुझे बात की। और मुड़कर, मैंने सात सुनहरे धुप दान देखे;*

140 "सात सुनहरे धुप दान।" अब, यह... किंग जेम्स का संस्करण है, जो आपके पास हो सकता है या तो एक स्कोफील्ड या—या दूसरी एक थॉम्पसन चेन या उनमें से कोई तो बाइबिल है, जो कि सही शब्द नहीं है। यह धुप दान नहीं कहता है, यह मोमधारक कहता है; धुप धारक, मैं सोचता हूं जो सही है, मूल अनुवाद में इस सही शब्द को बताता है। देखो, दूसरे शब्दों में, ये सात सुनहरे धुप दान सात कलीसियाये थी। कुछ ही देर बाद, वो कहता है, वो... यहां 20 वे पद में कहता है, "सात धुप दान जिसे आपने देखा सात कलीसियाये हैं।" सो, आप देखते हैं, यदि यह एक मोम था, तो यह जल्द ही भस्म हो जायेगी और जल जायेगी, बस थोडे ही समय में भस्म हो जायेगी। लेकिन यह मोम नहीं है, यह तो एक—एक धुप धारक है। यह इसे एक धुप धारक के नाई देता है। "मैं मुड़ा और उन धुप दानो के बीच में मनुष्य के पुत्र सरीखे एक पुरूष को देखा।"

141 अब—अब देखो। मोम जल्द ही जल जाती है, यह ख़त्म हो जाती है, ये इससे और अधिक नहीं जलेगी, कुछ ही घंटों में ये जल जायेगी। लेकिन एक धुप दान, इस तरह का एक धुप दान...

142 यहां, आइये—आइये यहां एक वचन में से लेते है, आइये—आइये जकर्याह 4:1 को ले, तो हो सकता है जकर्याह से हम उसी बात को देख सकते हैं जिसे हम चाहते हैं। जकर्याह 4:1, और मैं विश्वास करता हूं कि तब शायद इस में एक साथ जोड़ सकते है जो हम चाह रहे है। मैं सपन्याह की किताब में जकर्याह को नहीं पा सकता हूं, क्या मैं कर सकता हूं? तो ठीक है। तो ठीक है। मेरी पुरानी बाइबिल लगभग फट गयी है। जकर्याह 4:1, अब ध्यान से सुने, आपको यहां एक सुंदर तस्वीर मिलती है:

*और वो दूत...*

143 भविष्यद्वक्ता, अब, मसीह से पाँच सौ उन्नीस वर्ष पहले:

*फिर जो दूत मुझ से बातें करता था, उसने आकर मुझे ऐसा जगाया जैसा कोई नींद से जगाया जाए।* (अब भविष्यव्यक्ता एक दर्शन में है।)

*और उसने मुझ से पूछा, तुझे क्या देख पड़ता है? मैंने कहा, एक दीवट है...* (अब, यह एक ही शब्द है जिसे धुप दान में

बदला है ।)... *जो सम्पूर्ण सोने की है, और उसका कटोरा... उसकी चोटी पर है* (वह दीपक था।)... *और उस पर उसके सात दीपक है; जिन के ऊपर बत्ती के लिये सात सात नालियां हैं:* (देखो, वही कलीसिया काम ऊपर आ रहे हैं। समझे? )

*और दीवट के पास जैतून के दो वृक्ष हैं...* (अब, किस तरह का... क्या वे बाइबिल समय में उन दीवट को जलाते थे? क्या कोई जानता है? तेल। किस तरह का तेल? जैतून का तेल।)... *दो जैतून के पेड़...* (यह क्या है नया और पुराना नियम? यह दो इसके पास खड़े हुए है)... *एक उस कटोरे की दाहिनी ओर, और दूसरा उसकी बाईं ओर।*

*तब मैंने उस दूत से जो मुझ से बातें करता था, पूछा, हे मेरे प्रभु, ये क्या हैं?*

*जो दूत मुझ से बातें करता था, उसने मुझ को उत्तर दिया, क्या तू नहीं जानता कि ये—ये क्या हैं? मैंने कहा, हे मेरे प्रभु मैं नहीं जानता।*

*तब उसने मुझे उत्तर देकर कहा, जरूब्बाबेल के लिये यहोवा का यह वचन है, न तो बल से, और न शक्ति से, परन्तु मेरे आत्मा के द्वारा होगा, मुझ सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।* (वह यरूशलेम को लौटाएगा।)

144 अब, धुप दान क्या है? यह एक धुप धारक है। और ध्यान दें कि कितना सुंदर है। यहां, जब वह मुड़ा, तो उसने देखा कि यहां मनुष्य का पुत्र सात सुनहरे धुप दान के बीच में खड़ा है, जिसका अर्थ आने वाले सात कलीसिया काल है। और हर एक नली, या—या धुप दान, मुख्य बड़े तेल के धुप पात्र के साथ जुड़ा हुआ होता है। और इस तेल में थोड़ा कुछ तो विचित्र आकार का दीवट बाहर की ओर आता है जिसमें एक बाती के साथ रखा हुआ होता है और बाती तेल के अंदर लटकी हुई होती है। और जब तक... वे धुप धारक के ऊपर तेल को उसमें डाल देते, जो मुख्य बड़ी नली में, और बड़े भाग को भर देते, और तेल इस तरह से नालियों में निकलता रहता। और दीवट के साथ वो बाती जो नीचे की ओर लटकती है, यह—इस नली में... दिन-रात लगातार जलता रहता। आपको इसे कभी भी जलाना नहीं पड़ता है, यह कभी बुझता नहीं है; वे केवल मुख्य

नली में तेल डालते रहते। और ये धुप दान जो इस तरह से निकला हुआ रहता हैं, उसके ऊपर दीवटे रखी होती थी। दीवट से निकली हुई बाती यहां नीचे की ओर आती है, यहां से उसको जीवन मिलता है। ओह, दीवट से क्या अलग बात है। कितनी अलग! यह एक धुप दान है, और यह तेल को खींचता है।

145 अब, ये धुप दान, पुराने नियम में जो इन धुप दानो पर आग होती थी। जब वे एक दीवट को जलाते, तो वे अगले दीवट को उसी आग से नहीं जला सकते थे, जो उनके हाथ में होती थी। वे एक दीवट को जलाते, फिर उसे लेकर और दूसरा दीवट जलाते, फिर इसे रख देते। और इस दीवट को जलाते, और फिर उठाकर और इस दीवट को उसी आग से जलाते जिसे उन्होंने शुरुआत में आरंभ किया था। ओह, मैं आशा करता हूं कि यह आपके सिर के ऊपर से नहीं जाएगा। "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है," उसी अग्नि (पवित्र आत्मा) ने उन सभी कलीसिया को जलाया ठीक उन युगों में से होते हुए यहां तक।

146 क्या संत यूहन्ना 15 में यीशु ने नहीं कहा, "मैं दाखलता हूं, तुम डालीयां हो"? अब, वह मुख्य दाखलता है, हम डालीयां हैं। अब, दाखलता फल नहीं लाती है...

147 [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... कि आप एक चकोतरे का पेड़ ले सकते है, जैसे कि एक नारंगी, उसकी एक—एक शाखा को निकाल—निकाल सकते हैं, तो, मैं कहूंगा, और आप एक अंगूर के पेड़ ले सकते हैं, और नारंगी के पेड़ में जरा से स्थान को चीरे और उस अंगूर की शाखा को उसमें डाल दें, यह बढ़ने लगेगा। आप यहां पर जाकर और एक नींबू की शाखा को ले और इसे एक नारंगी पेड़ में लगा दे, यह बढ़ने लगेगा। या एक अनार को लें, और उसे लें। या कोई भी खट्टे फल, संतरा या मोसंबी, उन खट्टे फलों में से कोई भी, और उन्हें इस पेड़ में लगा दे, और यह उस नारंगी के पेड़ में उसका जीवन फलने–फूलने लगेगा; लेकिन यह नारंगी को उत्पन्न नहीं करेगा। यह अंगूरों को ही उत्पन्न करेगा, यह संतरों को ही उत्पन्न करेगा, यह नींबू को ही उत्पन्न करेगा, लेकिन यह मूल दाखलता के जीवन से फलने–फूलने लगता है, लेकिन यदि इस दाखलता पर कभी भी एक और दाख... एक और दूसरी शाखा निकलती है, तो यह उसी पेड़ के जीवन को लाती है जो इसमें है, यह एक नारंगी को उत्पन्न करेगी। क्योंकि,

आरंभ में, इसकी जड़ में एक नारंगी पेड़ का जीवन है, लेकिन वे दूसरी शाखाये इससे अलग हो सकती हैं, क्योंकि इसमें खट्टे फल की प्रकृति होती है। लेकिन यह मूल के फल को उत्पन्न नहीं कर सकते, क्योंकि यह मूल पेड़ के नहीं है।

148 इसी तरह से कलीसिया है। उन्होंने दाखलता को अलग करके और प्रेस्बिटेरियन, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट और इत्यादि इसमें कलम किया या डाला गया है। यह बैपटिस्ट फल उत्पन्न करता है, प्रेस्बिटेरियन फल को, मेथोडिस्ट फल को, लेकिन यदि यह कभी... पेड़ कभी एक और दाखलता को लाता है, तो यह उसी तरह की दाखलता होगी जैसे ये पेंटीकोस्ट के दिन लायी गयी: वो मूल दाखलता! ये अन्य जुबान में बोलेगे और इसमें सामर्थ और पुनरुत्थीत मसीह के चिन्ह होंगे। क्यों? क्योंकि यह प्राकृतिक संसाधन से फल–फूल रहे है, यह जिसमें लगाया गया है। असल में, यह इसमें लगाया नहीं गया है, यह तो इसमें जन्मा है। प्रभु की स्तुती हो! ओह, प्रभु! तब ठीक उस एक के बारे में नहीं सोचा।

149 देखो, इन अन्य डालियों को इसमें कलम किया गया हैं; वे उन्हें पेड़ में कलम करते या लगाते हैं, इसलिए वे अपने प्रकार का फल उत्पन्न करते हैं। वे *इसे* नहीं ले सकते। वे *उस पर* विश्वास नहीं करते हैं, क्योंकि उन्होंने इसके बारे में कभी कुछ भी नहीं जाना। लेकिन यदि वे उसी जीवन में जन्म लेते हैं जो उस पेड़ से निकलता है, यही केवल वो चीज है जिसे वे उत्पन्न कर सकते हैं, जो उस मूल डंठल का जीवन है।

150 ये दीवट एक बहुत बड़े कटोरे के अंदर जुड़े हुए होते हैं, एक बहुत बडा धारक, और नौ अलग–अलग... मतलब सात अलग–अलग धुप धारक इसमें से निकलते हैं। और जब उन्होंने किया, तो उनमें से प्रत्येक उजियाला इसके जीवन को मुख्य संसाधन से खींचते थे। और इसका उजियाला इसलिए था क्योंकि इसकी बत्ती इस मुख्य नली में डूबी हुई थी। ओह, उन सात तारों में से उस एक की क्या ही सुंदर तस्वीर है (इसने इसका प्रतिनिधित्व किया) उसके जीवन के साथ यहां पवित्र आत्मा के साथ जल रहा है। और ये... विश्वास के द्वारा वो पवित्र आत्मा के साथ यहां जल रहा है, और उसका जीवन वो एक दीवट है, मतलब वो दीवट नहीं, लेकिन एक बाती है जो पवित्र आत्मा में (मसीह में) डूबा हुआ है, और उस बाती के जरिये से वह परमेश्वर के जीवन को उसके कलीसिया के लिए उजियाले

को भेजता है। ओह, उस सच्चे विश्वासी की क्या ही तस्वीर है! वह किस प्रकार का जीवन दे रहा है? ये उसी प्रकार का उजियाला था जब पहले दीवट को जलाया गया था।

151 जब पहला कलीसिया युग आरंभ हुआ, तो यह इफिसुस था। पौलुस, उस कलीसिया का दूत था, उन तारों में से एक। वहां सात तारे हैं जिसका अर्थ है, सात दूत, सात "संदेशवाहक।" इस सप्ताह में मैं वचन और इतिहास को ले सकता हूं और आपको साबित कर सकता हूं उन में से हर एक उस प्रत्येक दूत में सच्चा हैं, और हर एक दूत के पास वही उजियाला था। ये सही बात है। और फिर ठीक इन युगों के बीच में, उस एक महान को आना है।

152 ध्यान दे, अब वे तेल के इस मुख्य नली से खींचते है, वो उजियाला... वो जीवन मसीह में डूबा हुआ है। आप मरे हुए हैं, और आपका जीवन मसीह में छिपा हुआ है... परमेश्वर के जरिये से या मसीह के जरिये से परमेश्वर में छिपा हुआ है, और पवित्र आत्मा के द्वारा मोहरबंद है। वहाँ ऐसा कोई जरिया है ही नहीं कि आपको कभी इससे दूर रखा जाये। आप इसे कैसे कर सकते हैं? कोई भी आपके साथ छेड़छाड़ नहीं कर सकता। आपके जीवन का अंतिम छोर पवित्र आत्मा के साथ जल रहा है; ओह, जलते हुए, उजियाले को दे रहा है। आपके जीवन का दूसरा छोर कहाँ डूबा है? मसीह में। आप मर चुके हैं और मसीह, पवित्र आत्मा में छिपे हुए हैं, इसे वहां रोक रहा है जिससे की आप... शैतान आपको छू नहीं सकता है। आमीन! वह सीटी बजाकर शोर मचा सकता है। यहां तक कि मृत्यु भी आपको नहीं छू सकती है, "ए मौत, तेरा डंक कहाँ है? तेरी विजय कहां है? परमेश्वर का धन्यवाद हो जो हमें हमारे प्रभु यीशु मसीह के जरिये से विजय को देता है।"

153 इस पद के अंत को, आइए इसे पढ़ें:

*... और मुडा, मैंने सात सुनहरे धुप दान देखे;*

*और सात सुनहरे धुप दान के बीच में... मनुष्य के पुत्र सरीखा एक पुरूष को देखा...*

154 ओह! क्या आपने ध्यान दिया? तारे, धुप दान, दीवट। इसका क्या मतलब होता है? इसका क्या मतलब होता है? यह समय का पूरा होना है जिसमें हम रह रहे हैं यह रात का समय है, दीवटे और प्रकाश और तारों का

मतलब रात है। और एक तारा क्या करता है? यह सूर्य के उजियाले को प्रतिबिंब है जब तक सूरज नहीं लौटता है। प्रभु के नाम की स्तुती हो! और परमेश्वर का एक सच्चा सेवक कोई लालटेन, कुछ माचिस की तीली, कुछ छिलके को जलाकर प्रतिबिंब नहीं करता है; वो कलीसिया के लिए मसीह की सुनहरी किरणों को प्रतिबिंब करता है, कि "वो एक सा है, और वह जीवित है, और वो मुझ पर चमक रहा है।" आमीन! यही वो उजियाला है जिसे वो प्रतिबिंब करता है। वो तारा सूर्य के प्रकाश को प्रतिबिंब करता है, देखो, सो हम परमेश्वर के पुत्र के प्रकाश को प्रतिबिंबित कर रहे हैं। उन्ही कामो को करते हुए जो उसने किये, उजियाले को देते हुए। किस तरह का उजियाला? उन लोगों के लिए सुसमाचार का उजियाला।

155 अब हम उसे थोड़ा आगे देखते हैं, जैसे हम इस 13 वें पद के बाकी के भाग को लेते हैं:

> *और उन दीवटों के बीच में* (यही जो मध्यस्थ है) *मनुष्य के पुत्र सरीखा... एक पुरूष को देखा, जो पांवों तक का वस्त्र पहिने, और छाती पर सुनहरा पटुका बान्धे हुए था।*

156 अब यहां अधिक प्रमाण है कि यह सिद्धांत प्रभु का दिन होने के बारे में सही है। क्या आपने उसे ध्यान दिया? वह इस समय के दौरान एक याजक नहीं था, ना ही वो एक राजा था, वह एक न्यायी था। ध्यान दे, एक याजक, एक महायाजक, जब वे भवन में जाते या सेवकाई को करने के लिए जाते, जिससे कि सेवा के काम को करे, वो खुद को कमर पर से चारों ओर बांध लेते। कमर के चारों ओर उसके पटुका बांधने का मतलब होता है कि वो सेवा के काम को कर रहा था; वो कभी भी इसे अपने कंधे पर नहीं बांधता है। लेकिन यहां पर वह बाहर आता है, ऊपर की ओर बंधे हुए उस पटुके के साथ होता है, अपने कंधे पर एक कमरबंद को कसे हुए; लगभग छाती पर पटुका बांधे हुए, स्तन पर, सुनहरे पटुके के साथ, ऊपर की ओर पटुका कसा हुआ। यह क्या है? एक वकील, एक न्यायी। वो न्यायी अपने कंधे पर उसके पटुके के साथ था, यहां पर पटुका कसा हुआ, ना ही एक याजक के नाई नीचे की ओरकसा हुआ। देखो, यह दिखाता है कि वह अपने याजक के पद में नहीं था, यूहन्ना वहां से होते हुए प्रभु के दिन पर चला गया उसे न्यायी के रूप में आते हुए देखा।

157 क्या आप विश्वास करते हैं कि वह एक न्यायी है? आइए संत यूहन्ना 5:22 पढ़ें, अब जल्दी से, हम देखेंगे कि वह एक न्यायी है या नहीं। संत यूहन्ना 5:22:

*और पिता किसी का न्याय भी नहीं करता, परन्तु न्याय करने का सब काम पुत्र को सौंप दिया है:*

158 क्या यह सही है? वह न्यायी है, सर्वोच्च न्यायी हैं। और यूहन्ना दिखाता है कि वह उसकी भविष्यवाणी के दिन में नहीं था, एक भविष्यव्यक्ता के नाई, ना ही वो उसके राजपद के दिनों के अंदर एकदम से चला गया था, लेकिन वह प्रभु के दिन में था, एक न्यायी के रूप में। अब, कितने लोग जानते हैं कि याजक के पास उसका पटुका होता है, उसके कमर के चारों ओर उसके बांधने का मतलब है कि वह सेवा में था? जो कोई भी नियमो को पढ़ता है, वो पुराने नियम को जानता है, वो इसे जानता है। जब एक याजक के चारो ओर यहां पटुका कसा हुआ होता है, तो वह सेवा में होता है, वह एक दास होता है। लेकिन पटुका यहां ऊपर कसा हुआ है, इसलिए वो एक न्यायी था।

159 आइये थोड़ा आगे पढ़ें:

*... एक सुनहरा पटुका... था... लगभग छाती पर...*

160 यह सही है, *यहां* पर ऊपर चारो ओर, वह न्यायी था।

अब हम उस मनुष्य की सात प्रकार की महिमा को पढ़ने के लिए जा रहे हैं। ओह, प्रभु! इससे लगता है कि मैं जोर से चिल्लाऊं इससे पहले कि मैं इस बात तक पहुंचू। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] ध्यान दे! ओह, यह क्या ही अद्भुत बात है। अब सुनना:

और *उसका सिर...*

161 अब ध्यान देना, वो सात चीजें हैं, यहां पर वो उल्लेख करता है: उसका सिर, उसके बाल, उसकी आँखें, उसके पैर, उसकी आवाज़... सात चीज़ें जिसे उसने यहां बताया हैं, जो यीशु मसीह की सात प्रकार की महिमा है। मुझे इसे पढ़ने दो:

*उसके सिर और बाल श्वेत ऊन वरन पाले के से उज्ज्वल थे;... और उस की आंखे... आग की ज्वाला की नाईं थी;*

*... उसके पांव... उत्तम पीतल के समान थे जो मानो भट्टी में तपाए गए हों; और उसका शब्द... बहुत जल के शब्द की नाईं था।*

*और... वह अपने दाहिने हाथ में सात तारे लिए हुए था, और उसके मुख से चोखी दोधारी तलवार निकलती थी, और उसका मुंह ऐसा प्रज्वलित था, जैसा सूर्य कड़ी धूप के समय चमकता है।*

162 क्या ही एक दर्शन है! उसने यहां पर क्या देखा? महिमावंत परमेश्वर का पुत्र, और एक चिन्ह। अब, आइये—आइये अब तैयार हो जाये।

163 ओह, प्रभु, मैंने सोचा कि यह नौ थे, यह केवल आठ है। मैंने अभी तक आरंभ नहीं किया है। तो ठीक है। यह अच्छा है। अब, मुझे खेद है कि ये भाई लोग खड़े हुए हैं, उन्हें खडा देखकर, मुझे परेशानी होती है, आप देखे, क्योंकि मैं जानता हूं कि उनके पैर दर्द कर रहे होंगे। यदि मेरे पास अब भी किसी तरह का तरीका हो सकता था भाईयो, तो मैं करता था, मैं निश्चय ही इसे करता। अब, मैं आपसे चाहता हूं कि इस तरह की तकलीफ को ले ले। और कुछ देर तक खड़े रहे और परमेश्वर आपको बहुतायात से प्रतिफल देगा, मेरी प्रार्थना है।

164 अब—अब ध्यान दें, पहली चीज, अब हम ध्यान देते हैं, उसका सिर और उसके बाल ऊन की तरह सफेद थे। उसका सिर और उसके बाल ऊन की तरह सफेद थे। अब, इसका मतलब यह नहीं है कि वह बुजुर्ग था, जिसने ऐसा किया। इसका कारण यह नहीं था। इसे करने के लिए बुजुर्ग नहीं होना था। वह था... यह तो उसके अनुभव और योग्यता और उसकी बुद्धिमत्ता के कारण से था। क्योंकि वो अनन्त है, और अनन्ता की आयु नहीं हो सकती। क्या आप समझ रहे हैं?

165 आइये पहले जायेंगे, और हम—हम इसे उसका यहां इस तरह से चित्रित करेंगे, और हम देखेंगे कि वह क्या है। अब, आइए दानिय्येल 7: 9 की ओर जाये, बस एक मिनट के लिए, आप दानिय्येल में उसी तस्वीर को देखें जहां पर वह आता है... यहां प्राचीन समय में। और अधिकांश लोग, जो बाइबल के विद्वान है, सही–सही जानते हैं कि ठीक अभी हम कहाँ पर जा रहे हैं। दानिय्येल 7, और 9 वा पद; मैं 8 वे पद से आरंभ करूंगा:

*और मैं उन सींगों को ध्यान से देख रहा था तो क्या देखा कि उनके... बीच एक और छोटा सा सींग निकला, और उसके बल से उन पहिले—पहिले सींगों में से तीन उखाड़े गए; फिर मैंने देखा कि इस सींग में मनुष्य की सी... आंखें, और बड़ा बोल बोलने वाला मुंह भी है।*

*मैं ने देखते देखते अन्त में क्या देखा, कि सिंहासन रखे गए,...*

166 अब सुनना। अब ध्यान से सुनना। क्या आप जो पीछे है मुझे सुन सकते है? कहे, "आमीन," यदि आप सुन सकते हैं तो। मैं वहाँ पीछे अपनी पत्नी से पूछता हूं। मैं सोचता हूं कि यह यहां जो माइक है... यह यहां अधिक काम कर रहा है, क्या ऐसा है? अब, मुझे बहुत ही अधिक चिल्लाना पड रहा है, मुझे लगता है, मैं सोचता हूं, इस माइक में।

167 तो ठीक है, अब दानिय्येल 7:9:

*मैं ने देखते देखते अन्त में क्या देखा, कि सिंहासन रखे गए, और कोई अति प्राचीन विराजमान हुआ; उसका वस्त्र हिम सा उजला, और सिर के बाल... निर्मल ऊन सरीखे थे;* (उन दिनों के प्राचीन)*... उसका सिंहासन अग्निमय और उसके पहिये धधकती हुई आग के से देख पड़ते थे।*

*और उस प्राचीन के सम्मुख से आग—आग की धारा निकल कर बह रही थी; फिर हजारों हजार लोग उसकी सेवा टहल कर रहे थे, और लाखों... लाख लोग उसके साम्हने हाजिर थे; फिर न्यायी बैठ गए, और पुस्तकें खोली गईं।*

168 "सफेद बाल!" सभी... हर कोई जानता है कि यही प्राचीन दिनों में बुजुर्ग न्यायी होते थे। जैसे इंग्लिश न्यायी लोग बर्फ के जैसे सफेद विग (नकली बाल) को पहनते थे। कितने लोगो को याद हैं? पुराने प्राचीन न्यायी एक सफेद विग (नकली बाल) को पहनते थे क्योंकि वे... और यहां पर वो फिर से दिखा रहा है कि यूहन्ना प्रभु के दिन में है, उसने उसे न्यायी के रूप में देखा। आमीन! ना ही याजक के रूप में, राजा के रूप में नहीं, नबी के रूप में नहीं, लेकिन न्यायी के रूप में। वो पिता (ये संत यूहन्ना 5:22 है) उसे सारे न्याय को सौप दिया। और वो अब न्यायी है, राष्ट्रों का न्याय करने के लिए आया हैं। उस दिन के लिए जब आप उसे इस तरह से देखते हैं! उसके बाल बर्फ की नाई सफेद थे, दानिय्येल ने उसे

प्राचीन दिनों में आते हुए देखा। इन दोनों को एक साथ जोड़कर उसे देखे। तो ठीक है:

*... फिर न्यायी बैठ गए, और पुस्तकें खोली गईं।*

*मैं देखता रहा... उस समय उस सींग का बड़ा—बड़ा बोल सुन कर मैं देखता रहा...* (नहीं, मैं गलत जगह पर हूं, क्या मैं नहीं हूं? )

169 दानिय्येल 7:9, हाँ, यहां हम हैं:

*... और उसके पहिये...*

*उस प्राचीन के सम्मुख से आग की धारा निकल... कर बह... रही थी; फिर हजारों हजार लोग उसकी सेवा टहल कर रहे थे, और लाखों लाख लोग उसके साम्हने हाजिर थे...*

*उस समय उस सींग का बड़ा बोल सुन कर मैं देखता रहा, और देखते देखते अन्त में देखा कि वह जन्तु घात किया गया, और उसका शरीर उस—उस धधकती हुई आग में भस्म किया गया।* (उंह!)

*और रहे हुए जन्तुओं का अधिकार ले लिया गया* (यही है जो सारी अन्य जातियों की सामर्थ और राज्य गिर जायेंगे), *परन्तु उनका प्राण कुछ समय के लिये बचाया गया।*

*मैं ने रात में स्वप्न में देखा, और देखो, मनुष्य के सन्तान सा कोई... आकाश के बादलों...* (हमने उसे कैसे देखा आज सुबह आते हुए तीसरे पद में? वो आकाश के बादलों में आ रहा है, मनुष्य का पुत्र।)... *मनुष्य के सन्तान सा कोई आकाश के बादलों समेत आ रहा था, और वह उस अति प्राचीन के पास पहुंचा, और उसको वे उसके समीप लाए।*

*तब उसको ऐसी प्रभुता, महिमा और राज्य दिया गया, कि देश देश और जाति जाति के लोग और... भिन्न भिन्न भाषा बालने वाले सब उसके आधीन हों, उसकी प्रभुता सदा तक अटल, और उसका राज्य अविनाशी ठहरा।*

170 प्राचीन काल के दिनों में आते हैं जिनके बाल ऊन के समान सफेद थे। और यूहन्ना मुड़ा और उसने देखा कि मनुष्य के पुत्र के समान सात सुनहरे

धुप दान के बीच में, बर्फ के सफेद बालों के साथ खड़ा है, न्यायी! ना ही कमर के चारों ओर पटुका बांधे हुए, लेकिन छाती के चारों ओर पटुका बांधे, यहां ऊपर की ओर, एक न्यायी! उसके कंधे पर न्यायी के पटुके के साथ, एक सुनहरा, शुद्ध, पवित्र, परिशुद्ध, कमरबंद के साथ खड़ा था जो उसकी धार्मिकता को पकडे हुए थी। उसका आवरण! वह वहां से लेकर पैरों तक पूरी तरह से ढका हुआ था। उस व्यक्ति और महिमा के सात प्रकार के प्रगटीकरण को देखें।

171 अब, मैं सोचता हूं, 14 वा पद:

*उसके बाल... उसके सिर और बाल श्वेत ऊन वरन पाले के से उज्ज्वल थे; और उस की आंखे आग की ज्वाला की नाईं थी।*

172 सिर, बाल; "आँखें आग की लपटों की तरह थीं।" इसे सोचे! वे आंखें जो कभी मानवीय आंसुओं से धुंधली हो गई थीं, अब आग की ज्वाला में बदल गई हैं। रोष में वो वहां पर न्यायाधीश के नाई रोष में खड़ा हुआ है। तुमने उसे क्यों अस्वीकार किया? ओह, पापीयों, इसे सोचे! इसके बारे में सोचो, गुनगुने कलीसिया के सदस्य! इस पर सोचे, कैथोलिक, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, पेंटीकोस्टल! इसे सोचे, कैथोलिक! आपकी कुंवारी मरियम को भी पेंटीकोस्ट के लिए जाना पड़ा था और पवित्र आत्मा को पाना था, और उसने डगमगाते हुए और एक मदिरा पीये हुए महिला की तरह बर्ताव किया था। उसी मसीह की माँ को, उसे (पवित्र आत्मा) को पाना था इससे पहले कि उसे स्वर्ग में जाने की अनुमति मिले। आप जो महिलाये है उस (पवित्र आत्मा) से कुछ कम पाये बिना भला वहाँ कैसे जा सकती है? इसके बारे में सोचे, पुरुषों, आप में से हर एक जन!

173 उसके बाल, और उसकी आँखें जो एक बार मानवीय आँसूओ से धुंधली हो गयी, फिर भी मैं चाहता हूं कि आप उन आंखो की ओर जरा ध्यान दे। जब वह धरती पर था, तब उसकी आंखे एक मनुष्य की तरह आँसूओ से धुंधली हो गयी थी, क्योंकि वह लाजरस की कब्र पर रोया था। सही है! सहानुभूति से भरी हुई; उसकी मानवजाति। वह वस्त्र पहने हुए था, वह परमेश्वर था जो मानवजाति के वस्त्र पहने हुए था, ताकि पाप को दूर किया जा सके। लेकिन फिर भी उस मानवजाति के पीछे, उसके पास, उसके पीछे कुछ तो ऐसा था जो ठीक एक मनुष्य के हृदय के अंदर झांक सकता

है और उसके बारे में सब कुछ समझ सकता है। क्यों? उसके पीछे कुछ तो था, फिर भी वह मरणहार देह में उस वस्त्र को पहने हुए था।

174 लेकिन उन्होंने नहीं जाना कि ये कौन है। "यदि तुम विश्वास नहीं करते," उसने कहा, "कि मैं वो हूं, तुम अपने पापों में मर जाओगे।" यह सही है। "यदि मैं अपने पिता का कामो नहीं करता, तो मुझ पर विश्वास मत करो; लेकिन यदि मैं अपने पिता के कामो को करता हूं, तो कामो पर विश्वास करो यदि तुम मुझ पर विश्वास नहीं कर सकते।" ओह, उसने किस तरह से उन्हें संदेश को पहुँचाने की कोशिश की, वो प्रकाशन। जो सीधे एक मनुष्य के ह्रदय देख सकता है, उसके बारे में सब जान सकता है। मैं ऐसा कैसे सोचता हूं: वे आंखें जिसे कभी पहाड़ों के ऊपर छेदा गया था, उस पीड़ा में जाते हुए उस चेहरे की ओर देखा, और जो एक मनुष्य की तरह रो सकता था, लेकिन फिर भी परमेश्वर की आत्मा को ले सकता था, वहां उस मनुष्य के दृष्टि के पीछे और सारी बातों को देखती है; वी बातें जो थीं, वे बातें जो थीं—थीं और जो बातें आने वाली है। पहले से ही आरंभ से लेकर अंत को बता देना, यही वो कारण है कि परमेश्वर उन मनुष्य की आँखों के पीछे था। परमेश्वर को आपके जीवन में आने दे, और आपका नियंत्रण लेने दे, और वो आपको आने वाली बातों को दिखायेगा। क्योंकि ये अब आप नहीं होते है, यह तो आपके जीवन में वहां पीछे पवित्र आत्मा होता है जो उनकी मरणहार आंखों में से होते हुए उन बातों को जान लेता है।

175 ओह, परमेश्वर की महिमा! "मैं अपनी आत्मा को सारे देह में उंडेलूंगा, और तुम्हारे बेटे और बेटियां भविष्यद्वाणी करेंगे, तुम्हारे जवान पुरुष दर्शन देखेंगे, तुम्हारे बूढ़े स्वप्न देखेंगे।" हाल्लेलुय्या! कभी–कभी वो आपको सुला देता है, जिससे वह आपके जरिये से देख सके, लेकिन वह निश्चय ही बहुत बार आपको दिखाएगा। "तुम्हारे जवान पुरुष दर्शन देखेंगे, तुम्हारे बूढ़े स्वप्न देखेंगे; मेरे दास और दासियों पर भी मैं उन दिनों में अपना आत्मा उण्डेलूंगा।" ना ही, "मेरे डिकनो और पास्टर पर, और मेरे... " "जिस पर भी हो, सारी देह पर, मैं अपनी आत्मा को उण्डेलूंगा।" आप सोचते होंगे कि मैं क्यों चिल्ला रहा हूं, लेकिन यह इन कलीसिया युगों में आ रहा है।

176 ओह, वहाँ वो था, वे आँखें। और, याद रखना, एक दिन, वे आँखें

जो आँसू से धुंधली हो गयी थीं, वे आँखें न्याय पर खड़ी होंगी। अब वे भयंकर आग की ज्वाला की तरह हैं और सारी धरती पर से होते हुए इधर और उधर घुम रही हैं, और वहां ऐसा कुछ भी घटित नहीं होता है, सिवाय इसके जिसे वो जानता है। ओह, प्रभु, इसे (रिकार्ड) दर्ज किया गया है। सारे धरती पर से होते हुए इधर और उधर घुम रही है हर चाल को देख रहा है, हर एक विचार को जांच रहा है, आप जो कुछ भी कर रहे हैं, उसे जानते हुए, ह्रदय के इरादे, आपका क्या करने का इरादा हैं। वह इसके बारे में सब जानता है। वह जानता है कि आप उससे प्रेम करते हैं या नहीं। वो जानता है कि उसकी सेवा करने का आपका इरादा सही हैं या नहीं। वह इसके बारे में सब जानता है। और ये क्या होगा जब आप उस दिन पर खड़े होंगे जब हर पाप को उसके सामने उगाडा जायेगा, और वो वहां सफ़ेद सिहांसन पर खड़ा होता है।

177 परमेश्वर, मुझे उस स्थान से छुटकारा दे! मैं उसे नहीं देखना चाहता। जब एक क्रोधित परमेश्वर उसकी आँखों से चमकती आग के साथ वहाँ चलकर जाता है, धार्मिकता के साथ, इस तरह से उसके सिर पर सफेद विग होती है, और उसकी आँखें अग्नि के साथ चमकती है जो आपके ह्रदय के हर एक विचार को जानती है, और वह सब कुछ जो आप हमेशा करने का इरादा करना चाहते हैं। मुझे युगों की चट्टान में छिपा ले! वे पहले समय के लोग हमेशा ही गाते थे, "जब ये संसार सारा आग पर हो, मेरे पास खड़े रहना। मेरे पास खड़े रहना, और तेरी गोद मेरा सिराना हो। मुझे युगो की चट्टान में छिपा लेना।" परमेश्वर, मैं आपके न्याय को नहीं चाहता। मैं नहीं चाहता कि आप... मैं आपकी दया को चाहता हूं, प्रभु। मुझे आपकी दया दीजिए, ना ही तब आपका न्याय। मुझे बस आपकी दया दीजिये। ना ही आपके कानून, न कोई... बस मुझ पर दया कीजिये, प्रभु, यही सब मैं निवेदन कर सकता हूं। मैं अपने आप से कुछ भी कर सकता हूं (मैं अच्छा नहीं हूं, कोई गिनती नहीं है), केवल पूरी तरह से आपके क्रूस से चिपका हूं। प्रभु, यही सब है जो मैं जानता हूं: वो एक जो मेरे स्थान को लेने के लिए आता है।

178 उस व्यक्ति में के अब उसके सात प्रकार के व्यक्तित्व को देखे, और आप देखेंगे कि उसने क्या किया।

*उसके सिर... और बाल श्वेत ऊन वरन पाले के से उज्ज़वल*

*थे; और उस की आंखे...* (आइये देखे) *... उसके सिर... और बाल श्वेत ऊन वरन पाले के से उज्ज्वल थे; और उस की आंखे... आग की ज्वाला की नाईं थी;*

*और उसके पांव उत्तम पीतल के समान थे... जो मानो भट्ठी में तपाए गए हों;*

179 अब देखो। हमने अभी देखा कि वह कहां तक ढका हुआ है, आप जानते हैं। अब देखना। उसका सिर, उसकी आँखें, अब वो नीचे की ओर जाता है उसके पैर जो पीतल के समान थे। उस छवि की तुलना करके देखें जिसे यूहन्ना ने यीशु के लिए देखा, और दानिय्येल ने विश्व साम्राज्य को देखा, सोने का सिर और इत्यादि।

180 इस पर देखो कि यहां पर क्या था, वहाँ खड़ा था, पीतल। पीतल किस बारे में बताता है? पीतल न्याय के लिए बताता है, दैविक न्याय। यह दर्शाता है कि उसका सारा उद्देश्य धरती पर परमेश्वर के नाई आना है, देहधारी होने के लिए, और वह हमारे लिए मरा और परमेश्वर के न्याय को लिया, दैविक न्याय, और एक राज्य को प्राप्त किया जो पीतल है, और वो ठोस है, और इसे हिलाया नहीं जा सकता है। पीतल की तुलना में कुछ भी ठोक नहीं होस है, और कभी भी ऐसा कुछ नहीं पाया गया जो इसे नर्म करे।

181 न्याय! पीतल उस बीत चूके दैविक न्याय को बताता है। जंगल में पीतल के सर्प की ओर देखे। उस पीतल का सर्प ने क्या दर्शाया? सर्प ने पाप का प्रतिनिधित्व किया; लेकिन, ये पीतल का होने के वजह से, न्याय पहले से ही पाप पर आ चूका था।

182 अब, एलिय्याह के दिनों पर भी ध्यान दें, जब उन्होंने एलिय्याह को नबी के नाई अस्वीकार कर दिया था, वह छोटा सा धागा, वो प्राचीन कलीसिया काल। इन दिनों में से एक दिन मैं आपके सामने इसे लाऊंगा और आपको दिखाऊंगा कि इस्राएल के पास भी सात कलीसिया काल थे, और ठीक इसी के साथ प्रतिछाया था। और उनके कलीसिया काल में, एलिय्याह के दिनों में, उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया और तीन वर्ष और छह महीने तक कोई बारिश नहीं हुई थी। और प्राचीन काल के भविष्यवक्ता ने कहा कि "आकाश पीतल की तरह दिखा," परमेश्वर को अस्वीकार करने और ईज़ेबेल को सुनने के कारण राष्ट्रों पर दैविक न्याय पड़ा था।

183 पीतल वेदी पर दैविक न्याय को भी प्रतिनिधित्व करता हैं, जहां बलिदान को घात किया गया था, पीतल के समान वेदी। मारा गया... वही बुनियाद वो पीतल था, वो न्याय, उसने परमेश्वर के जलजलाहट की मदिरा के कुंड में दाख को रौंदा और हमारे न्याय को अपने ऊपर ले लिया। प्रकाशितवाक्य 19:15 पर जायेंगे, अब एक मिनट, आइये देखे कि उसने क्या किया। प्रकाशितवाक्य 19:15, आइए इसे पढ़ते है, एक मिनट यदि ये मिल सकता है। हाँ, आइये आरंभ करते हैं... आइए देखते हैं, 12 वे पद के बारे में:

> *उस की आंखे आग की ज्वाला हैं, और उसके सिर पर बहुत से राजमुकुट हैं; और उसका एक नाम लिखा है, जिस उस को छोड़ और कोई नहीं जानता।*
>
> *और वह लोहू से छिड़का हुआ वस्त्र पहिने है और उसका नाम परमेश्वर का वचन है।* (अब, याद रखें, उसका नाम परमेश्वर का वचन नहीं था, उसका नाम उसे बताया गया था। देखा? )... *और उसका नाम परमेश्वर का वचन है।*
>
> *और स्वर्ग की सेना... श्वेत घोड़ों पर सवार और श्वेत और शुद्ध मलमल पहिने हुए उसके पीछे पीछे है।*
>
> *और जाति जाति को मारने के लिये उसके मुंह से एक चोखी तलवार निकलती है, और वह लोहे का राजदण्ड लिए हुए उन पर राज्य करेगा, और वह...* (यह क्या है? ) *सर्वशक्तिमान परमेश्वर के भयानक प्रकोप की जलजलाहट की मदिरा के कुंड में दाख को रौंदेगा।*

184 उसने क्या किया? परमेश्वर का क्रोध हम पर पापी होने के लिए था। क्या यह सही है? कोई भी अपने आप को बचा नहीं सकता। ऐसा कुछ भी नहीं है जो हम कर सकते हैं, हम सभी "पाप में जन्मे, अधर्म के ढाले गये, झूठ बोलते हुए संसार में आते हैं।" और उसने क्या किया? वह धरती पर आया, हाल्लेलुय्या, और मदिरा के कुंड में दाख को रौंदा! सर्वशक्तिमान परमेश्वर का सारा क्रोध उस पर उंडेला गया। "तू योग्य है, हे परमेश्वर के मेमने, क्योंकि तू घात किया गया था।" संसार के पापों को अपने ऊपर लेते हुए, और उसने हमारे पाप को लाद दिया, जिससे परमेश्वर ने उस पर अपने क्रोध की प्रचंडता को डाला। "और वह हमारे अपराधों के कारण

घायल हो गया था, हमारे अधर्म के हेतु कुचला गया, हमारी शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी थी, और उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो गए थे।" उस मनुष्य की तरह कोई नहीं मरा! वह तब तक पीड़ा में रहा जब तक उसके शरीर में से लहू और पानी अलग नहीं हो गया। उसकी मृत्यु से पहले उसकी भौंह में से लहू की बूंदें बाहर आने लगी।

*... सर्वशक्तिमान परमेश्वर के भयानक... प्रकोप की... जलजलाहट की मदिरा के कुंड में दाख रौंदेगा।*

185 किसी दिन न्याय के ये पीतल के पैर (महिमा!), जब वह न्यायी के रूप में आता है, तो वह मसीह विरोधी, और उसके सारे शत्रुओ को रौंदेगा। हाल्लेलुय्या! वह अपने हाथ में लोहे की एक छड़ को लेकर धरती पर से चलेगा। आमीन! ओह, पश्चाताप करो, पापी मित्रो, जब आपको पश्चाताप करने का मौका मिला है। इसे छोड़ने का प्रयास करते है, और सोचते है कि यह तो बस एक छोटी सी कहानी होगी जो नहीं हुई होगी। ऐसा होगा! "यह बस मेरे लिए नहीं हो सकता है।" यह आप के लिए होगा!

186 पीतल के पैर, अपने शत्रुओ को रौंदेगा। क्योंकि उसने हमारे पापों का दाम चुकाने के लिए परमेश्वर के जलजलाहट की मदिरा के कुंड में दाख रौंदेगा। और फिर हम, दोषी, तुच्छ, अभागे कीड़े के नाई जो कि हम हैं, अपनी छोटी नाक को बंद करके और किसी तरह की नास्तिक किताब को पढ़ते है और सोचने का प्रयास करते है कि "कोई परमेश्वर नहीं है," और कहते है, "*ऐसा* कुछ नहीं है, और न्याय नहीं आ सकता है।" वह उन पीतल के पैरों से अपने शत्रुओ को कुचल डालेगा। वह मसीह विरोधी को रौंदेगा। वो उन विश्वास की त्यागी कलीसिया को उठाकर और उन्हें उस ओर अनंतता के अंदर फेंक देगा, कही तो उस भस्म करने वाली आग में, जहां वह भस्म हो जायेगी और वहां पर नष्ट हो जायेगी। और वह धरती पर राज्य करेगा, वो और उसकी कलीसिया हमेशा के लिए। महिमा!

187 "सिर, ऊन के नाई सफेद," धार्मिकता, अनुभव, उत्तम बोली, योग्य, ज्ञानी, बुजुर्ग, श्वेत, ज्ञान की बात को करता है, प्राचीन। वो जानता है कि वह क्या कर रहा है। वह—वह ज्ञान का झरना है। वह अनुभव का झरना है। वह हर एक भली चीज का झरना है, इसलिए वह मनुष्य के पुत्र की नाई इस का प्रतिनिधित्व करता है, जो वस्त्र पहने हुए इस सफेद लटकते बालों के साथ होता है। दानिय्येल ने उसे कई सौ वर्ष, सात सौ वर्ष पहले देखा,

और कहा, "वह प्राचीन दिनों में था। और वो एक मनुष्य के पुत्र की नाई, सामर्थ में आया और इस प्राचीन दिनों के साथ एकजुट हुआ, और न्याय को निर्धारित किया गया।"

188 अब मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं। मैं आप गुनगुने कलीसिया से बोल रहा हूं। दस कुंवारीयां प्रभु से मिलने के लिए निकलीं, उनमें से पाँच बुद्धिमान थीं, पाँच मूर्ख थी; जैसा कि हमने आज सुबह इस बात को लिया था, वो कलम किया हुआ पेड़। अब, याद रखे, जब वे परमेश्वर से मिलने के लिए गयी... अब देखे, बाइबिल ने कहा, "किताबें खोली गयी थी।" दानिय्येल 7:9, "किताबो को खोला गया था।" यही पापी की किताब है। "और एक और किताब खोली गयी थी।" उसके साथ कौन आया था? रेपचर से वो कलीसिया। ओह! "दस हजारों गुना हजारों गुना हजारों के हजार उसके साथ आये और उसकी सेवा की," उसकी पत्नी, दुल्हन। ओह, महिमा! उनकी पत्नी उनके साथ आईं, कलीसिया।

189 न्याय निर्धारित किया गया था, और किताबें खोली गई थीं। और एक और किताब खोली गई, जो सोई हुई कुंवारी थी, और हर एक मनुष्य का इस तरह किताब से न्याय हुआ था। आपको एक कारण देने के लिए पूछा जाएगा कि आपने क्यों नहीं किया, और तब क्या होगा? आप अब अच्छी तरह से जानते हैं, आप बेहतर जानते हैं। आप इससे पहले इसे शायद नहीं जानते होंगे, लेकिन अब आप जानते हैं। समझे? और यदि धर्मी व्यक्ति ही कठिनता से उद्धार पाएगा, तो भक्तिहीन और पापी का क्या ठिकाना? वो एक जो अस्वीकार करता है, वो अच्छी तरह से जानता है और उसके बाद वो इसे अस्वीकार करता है। उनका क्या ठिकाना? उसके पैर पीतल के जैसे है, दैविक न्याय।

190 अब, देखते हैं, हम जल्दी से... अब पन्ने के अंत तक आगे जायेंगे:

*... बाल श्वेत ऊन वरन पाले के से... और उसकी आँखें... आग की लपटें थीं;*

*और उसके पांव—और उसके पांव... पीतल के समान थे... जो मानो भट्टी में तपाए गए हों; और उसका शब्द... बहुत जल के शब्द की नाईं था।*

191 "बहुत से जल की आवाज।" जल क्या दर्शाता है? यदि आप इसे चिह्नित करना चाहते हैं, तो प्रकाशितवाक्य 17:15 की ओर जायें, और

आप पायेगे कि बाइबल ने कहा, "जो पानी तूने देखे, वह मोटाई है, वे लोग, और भीड़ और जातियां, और भाषा हैं।" तो ठीक है, "आवाज।" जीवन के समुद्र में बहते प्राण के लिए क्या ही भयानक बात है! कोई भी, नेतृत्त्व करके चलाने वाला नहीं है, ढीला–ढाला, लहर के साथ बहता हुआ, बड़े जल की धाराओ के गिरने की गर्जन को सुनना। एक बहते हुए प्राण के लिए यह कितनी भयानक बात होगी। "बहुत से जल की आवाज।" उसकी आवाज क्या है? यह न्याय है; पवित्र आत्मा के जरिये से सेवको की आवाज़, जो हर युग के लोगों के लिए पुकार उठती है, वहाँ खडी हुई हैं। बहुत से जल की आवाज पुकार उठती है, लोग, और भीड़। उसके हाथ में उन सात तारों की आवाज़, जो हर कलीसिया के युग के लिए पुकार उठती है, पवित्र आत्मा के बपतिस्मा का प्रचार करते हुए, यीशु के नाम का बपतिस्मा, अन्य जुबान में बोलना, परमेश्वर की सामर्थ, मसीह का पुनरुत्थान, दूसरा आगमन, दैविक न्याय। इस एक में से बहुत से जल की आवाज़ निकलती है, जो मनुष्य के पुत्र की जैसे दिखता है, बहुत से जल।

192 यह जानने के लिए क्या होगा कि आप सभाओ में बैठे हुए है, और सुना कि आपको परमेश्वर के साथ सही होना चाहिए और पवित्र आत्मा को पाना है, और एक बहता हुआ प्राण उस आवाज़ को सुनने के लिए जो उस सभा में बोलती है जिसे आपने बैठकर और सुना परमेश्वर के न्याय का प्रचार किया गया, और इसे इन्कार कर दिया। वो बड़ी गिरावट आपके ठीक नीचे है, वे बडे जल का बहाव जो आपको आपके अनन्ता के विनाश तक ले जाएगा।

193 बहुत से जल की आवाज, उसका चौथा व्यक्तित्व। बहुत से जल की आवाज। जब इसे महिमा में रिकॉर्ड या दर्ज किया गया हैं, आप इसे कैसे करेंगे, जब आवाज आज रात को रिकॉर्ड की गयी है? आपकी आवाज रिकॉर्ड की गई है। आपके विचार रिकॉर्ड (दर्ज किये गये) हैं। "जैसा एक मनुष्य अपने ह्रदय में सोचता है, वैसे ही वो है।" ध्यान दें, आपकी आवाज़ स्वर्ग में तेज़ है आपकी तुलना में... मेरा मतलब है, आपके विचार स्वर्ग में अधिक तेज हैं, उसकी तुलना में जो आपकी आवाज़ धरती पर है। निश्चिय ही, ऐसा है। परमेश्वर विचारों और ह्रदय के इरादों को जानता है, वह इसके बारे में सब जानता है।

194 उसने फरीसी से कहा, "तुम ढोंगी, तुम अच्छी बातों को कैसे बोल

सकते हो, जब कि मन के भले भण्डार से भली बातें निकलती है? मुझे, 'अच्छे गुरु' कहकर बुलाते हो और मैं जानता हूं, मैं सीधे तुम्हारे अंदर देख सकता हूं और देख सकता हूं कि तुम ढोंगी हो। तुम्हारा इसका मतलब ऐसा नहीं है।"

195 ओह, उस दिन पर क्या होगा जब वो गर्जनाओ की आवाज बहुत से जल से बाहर आने लगती है, बहुत से कलीसिया युग संगठित हो चूके हैं?

196 अब मैं आपसे कुछ और पूछना चाहता हूं। मैं आप लोगों से कुछ कहना चाहूंगा जो बचाये गये है, मुझे आपसे यह कहने दो।

197 अब, आप जो बहते हुए प्राण हैं, आप जो अभागे बहते जा रहे है, जो उस बडी उठती हुई जल धाराओ पर बह रहे हैं, सावधान रहें। यह एक भयानक बात होगी जब आप जान जाते हैं कि यह उस वक्त आपके पास कोई बचाव नहीं होगा। आप तब बच नहीं सकते हैं, आप जानते हैं कि आपका नाश ठीक आपके सामने हैं। आप कुछ ही मिनटों के भीतर जब आप उस आवाज़ को बोलते हुए सुनेंगे, "मुझ से दूर हो जाओ, तुम अधर्म के काम करने वालो, उस सनातन की आग के अंदर चले जाओ, जो शैतान और उसके दूतों के लिए तैयार की गयी है।" आप जान जायेंगे कि जब आपने उस जल धाराओ की आवाज़ों की गर्जनाओ को सुना था जो उन सभाओ में हुआ करती थी, जिस समय आप इस आवाज़ को छोड़ कर निकल जाते थे। ओह, क्या ही भयानक बात है, क्या ही बुरा सपना! आपके साथ ऐसा ना होने देना, लोगों। पश्चाताप करे, अभी परमेश्वर के साथ ठीक कर ले, जब आप ठीक कर सकते हो।

198 अब मैं आपसे कुछ और पूछना चाहता हूं। एक मनुष्य के लिए इससे और क्या मीठा होगा जिसका लंगर डाला हुआ है, वह सदाबहार पेड़ के नीचे लेटा हुआ है, जो जल के कल–कल की आवाज को सुन रहा होता है? ओह! यही वो कलीसिया है, जो स्वर्गीय स्थानों पर बैठी हुई है परमेश्वर की उस आवाज के साथ जो मधुरता से कल–कल करती हुई और तब उनसे बात करती है। देखो यह क्या है? यह पापी के लिए दोषी ठहराना है, और बचाए हुओ के लिए आशीष है। एक मनुष्य जिसने उस चट्टान यीशु मसीह पर अपनी नाव को सुरक्षित रूप से लंगर डाला हुआ है, और बस पड़ा रहता है और सुनता रहता है कि वह कैसे विश्राम कर सकता है! उस विश्राम में प्रवेश करो।

199 मैं किस तरह से वहां जाना पसंद करूंगा जहां जल बह रहा हो। यदि हम कभी मछली पकड़ने या कुछ भी करने जाते हैं, तो मैं ज्यादातर ऐसी जगह ढूंढने की कोशिश करता हूं, जहां पानी कल–कल बह रहा हो, क्योंकि ये बस आपको विश्राम देता है। आप इसे सारी रात बस बातें करते हुए सुनते हैं। ओह, प्रभु!

200 क्या यह सुंदर नहीं है जब आप वास्तव में अपने प्राण को मसीह में लंगर कर सकते हैं, ऐसे एक स्थान में इतना तक कि आप उसके सामने शांत हो सकते है? और उसकी आवाज़ को आप से बात करते हुए सुन सकते है, "मैं प्रभु हूं, जो तुम्हें चंगा करता है। मैं प्रभु हूं जो तुम्हें अनंत जीवन देता है। मैं तुमसे प्रेम करता हूं। मैं तुम्हें दुनिया की नींव से पहले जानता था। मैंने तेरा नाम किताब पर डाला, तू मेरा ही है। डर मत, यह मैं हूं। डरो मत, मैं तुम्हारे साथ हूं।" तब मैं गाता हूं:

मैंने अपने प्राण को विश्राम के एक बंदरगाह में लंगर
किया है,
मैं प्रचंड समुद्र पर अब और समुंद्री यात्रा नहीं करूंगा;
वो, आंधी शायद तेजी से प्रचंड हो, तेज तूफान;
लेकिन यीशु में मैं हमेशा के लिए सुरक्षित हूं।

201 याद रखें, वही आवाज जो आपसे मधुरता से बात करती है, वो पापी को दोषी ठहरायेगी। वही बाढ़ जिसने नूह को बचाया, उसने पापी को नष्ट कर दिया। देखा मेरा क्या मतलब है? बहुत से जल की आवाज।

202 देखो अब, "बाल ऊन की नाई, और आँखें आग की ज्याला की नाई, पैर पीतल की तरह, और बहुत से जल की आवाज।"

*और उसके अपने दाहिने हाथ में सात तारे थे:...*

203 "सात तारे।" अब यहां 20 वा पद लेते हैं:

*अर्थात उन सात तारों का भेद जिन्हें तू ने मेरे दाहिने हाथ में देखा था, और उन सात सोने की दीवटों का भेद वे सात तारे* (या सात संदेशवाहक, सात सेवक) *सातों कलीसियाओं के, और वे सात दीवट सात कलीसियाएं हैं।*

204 वह अपने लिए इसका अनुवाद करता है ताकि निश्चय ही कोई गलती न हो। हर एक कलीसिया युग के लिए एक दूत। ओह, यह सुंदर होगा,

इस सप्ताह, जब हम इतिहास में पीछे जाकर और उन दूतों को उठाते हैं और देखते हैं कि वही सेवकाई उनके पास थी। उनके पास वही सेवकाई थी। बिल्कुल उसी तरह से उस छोटी कलीसिया में वहां उन सारे युगों में होते हुए।

205 कुछ समय पहले, किसी ने कहा, "आप जानते हैं, कैथोलिक कलीसिया, एक अच्छी कहावत है, कि, 'यह एक वास्तविक कलीसिया है, क्योंकि ये वहां सारे युगों में से होते हुए खड़ी थी।'"

206 मैंने कहा, "इसमें कोई रहस्य नहीं है, जब कि उसके पास सारा शासन खड़ा था और इसके पीछे बाकी की सारी चीजे थी, और किस तरह इसने खड़े होकर और तूफानों को रोका। लेकिन मेरे लिए रहस्य यह तो है कि किस तरह से वो छोटा सा, कम संख्या के लोगो का झुण्ड हमेशा ही तूफान को रोक सका, जिस झुण्ड को आडी से काटा गया था, और शेरों के बीच में फेंक दिया गया, और चोखठो पर डाला गया, और खिलाया गया, और जला दिया गया, और शेर के द्वारा... और मार डाला और हर एक चीज को किया, और वे इससे कैसे बच निकले।" यह दर्शाता है कि परमेश्वर का हाथ उनके साथ था। ऐसा ही है। और आज भी उसका उजियाला अब भी जल रहा है। आमीन! जी हाँ, श्रीमान!

207 अब, "सात तारे जो मेरे दाहिने हाथ में थे।" उसके पास उसके दाहिने हाथ में सात तारे थे, जिसका मतलब है सात युगों के वे सात सेवक। ओह, यह—यह सुंदर बात है। हम किस तरह से पीछे जाकर और उस सेवक को ले जिसने संदेश को इफिसियों की कलीसिया में लेकर आया। और जिस सेवक ने संदेश को लाया और मृत्यु तक उसके साथ बना रहा, वहां से ठीक स्मुरना की कलीसिया तक, और पिरगमुन कलीसिया, थूआतीरा, और आगे के युगों में से होते हुए यहां तक कि अब इस युग में भी। वे सेवक जिन्होंने उजियाले को बनाये रखा और लेकर आया, और इसे आरंभ के मूल की तरह थामे रखा, और उसके जरिये से उजियाले को लाया।

208 "उसने उन्हें अपने दाहिने हाथ में थामे रखा।" सोचे! दाहिने हाथ का मतलब बिल्कुल इस तरह से नहीं है कि परमेश्वर के दाहिने हाथ पर मसीह बैठा हुआ है। इसका मतलब ऐसा नहीं है कि परमेश्वर के पास दाहिना हाथ है, क्योंकि परमेश्वर एक आत्मा है। लेकिन मसीह सामर्थ का दाहिना हाथ

था। आपके दाहिने हाथ का मनुष्य, वो व्यक्ति—व्यक्ति जो आपके पास खड़ा रहता है, आपके सबसे नजदीक होता है।

209 और, याद रखें, वे सात तारे उसके दाहिने हाथ में थे। जरा सोचे, वे अपनी ऊर्जा को खींच रहे थे, उससे अपने उजियाले को खींच रहे थे। वे पूरी तरह से उसके नियंत्रण में थे, उसके दाहिने हाथ में। ओह! परमेश्वर का हर एक सच्चा सेवक उसी तरह होता है। थामे हुए... कौन उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है? कौन उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है? जैसा दूतों में से एक ने आरंभ में वहाँ पुकार उठा था। याद रखें एक *दूत* का मतलब "संदेशवाहक" होता है। हम बाद में, सप्ताह में उन गहरी बातों के अंदर जायेंगे। एक *दूत* का मतलब "संदेशवाहक" होता है। और उसने कहा, "कौन हमें उस परमेश्वर के प्रेम से अलग कर सकता है, जो मसीह में है? क्या बीमारी कर सकती है? जोखिम कर सकता हैं? नग्नता कर सकती है? तलवार कर सकती हैं? क्या मृत्यु कर सकती है? मैं मान लेता हूं" पौलुस ने कहा, "कि कोई भी हमें परमेश्वर के प्रेम से अलग नहीं कर सकता है, जो मसीह में है," क्योंकि हम उसके दाहिने हाथ के लिए पूरी तरह से समर्पण हुए हैं।

210 कोई कहता है, "पवित्र शोर मचाने वाले! पवित्र शोर मचाने वाले!" वे इससे थोड़ा भी परेशान नहीं होते है। "तुम एक धार्मिक कट्टरपंथी हो!" वे इसे भी नहीं सुनते हैं। वे तो पूरी तरह से समर्पित होते हैं और उस जीवन को सामर्थ के दाहिने हाथ से खींच रहे हैं, नम्रता और दयालुता, और सज्जनता और धैर्य में उसके प्रकाश को प्रतिबिंब करते हुए; चिन्ह, और अद्भुत कार्य, और चमत्कार करते हुए। संसार इसे "जादू–टोना," बोलने दो जो कुछ भी वे चाहे बोले, हमें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि हम जानते हैं कि हम समर्पित हैं और उसके दाहिने हाथ में है। क्या यह अद्भुत नहीं है? प्रभु!

211 अब आइये जल्दी करे, क्योंकि हम आपको थकाना नहीं चाहते हैं। "उसके दाहिने हाथ में, सात तारे है।"

212 अब उसके व्यक्ति का सातवां और अंतिम प्रतिनिधित्व:

*... और उसके मुंह से एक तेज दो धारी तलवार निकलती है...*

मेरा मतलब था, वो छठा है।

*... उसके मुंह से एक तेज दो धारी तलवार निकलती है...*

213 अब, बहुत से जल की आवाज, और उसके मुंह से... उसके दाहिने हाथ में तारे थे।

*... और उसके मुंह से एक तेज दो धारी तलवार निकलती है...*

214 अब, क्या आप जानते हैं कि बाइबल में दो धारी तलवार क्या है? अब बस इस बात को पकड़ेंगे जिससे आप जान जायेंगे। इब्रानियों 4:2 को लेंगे, ठीक एक या दो पन्ना पीछे और आप इसे समझ जायेंगे, देखो। इब्रानियों ठीक यहां प्रकाशितवाक्य के पीछे है; यहूदा, और फिर इब्रानियों। अब, अब इसे नजदीक से देखे। या... इब्रानियों, इब्रानियों के चौथे अध्याय पर, यहां हम हैं। तो ठीक है, इब्रानियों का चौथा था अध्याय और 12 वा पद:

*क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित, और प्रबल, और हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत चोखा है, और जीव, और आत्मा को, और गांठ गांठ, और गूदे गूदे को अलग करके, आर पार छेदता है; और मन की भावनाओं और विचारों को जांचता है।*

215 और फिर वे आपको "मनो को पढने वाला" कहते हैं । यह परमेश्वर का वचन है जो उसके कलीसिया में प्रकट करता है! किसी भी दोधारी तलवार से भी तेज। जैसे कि, मैंने अभी सोचता हूं वहाँ कुछ तो एक और भी वचन है। मैं नहीं जानता कि क्या मैंने एक वचन लिख कर रखा है कि नहीं... प्रकाशनवाक्य 19, बस एक मिनट। आइये इसे फिर से लेंगे, मैं सोचता हूं यह सही है। मैं शायद... प्रकाशनवाक्य 19, लगभग 11:

*फिर मैं ने स्वर्ग को खुला हुआ देखा; और देखता हूं कि एक श्वेत घोड़ा है...* (यहां फिर से सफेद आता है, न्याय।) *... और उस पर एक सवार है, जो विश्वास योग्य, और सत्य कहलाता है; और वह... धर्म के साथ न्याय और लड़ाई करता है।* (आप जानते हैं कि यह कौन था, क्या आप नहीं जानते? तो ठीक है।)

*उस की आंखे... आग की ज्वाला हैं...* (वो कौन था? ) *... और उसके सिर पर... बहुत से राजमुकुट हैं;...* (उंह–ओह। वह अब राज्य में आ गया है।) *... और उसका... और—और एक नाम लिखा है, जिस... उस को छोड़ और कोई नहीं जानता।*

*और वह लोहू से छिड़का हुआ वस्त्र पहिने है और उसका नाम परमेश्वर का वचन है।*

216 उसके मुंह से क्या निकलता है? क्या निकला? उस सफेद घुड़सवार के। और प्रकाशितवाक्य, 7 में भी, जब... मैं सोचता हूं कि 8। जब सफेद घोड़ा... नहीं, यह 6 है। जब सफेद घुडसवार आगे जाता है, तो उसे एक धनुष दिया गया था, जय पाने के लिए, और जीतने के लिए।

217 और उसके मुँह से एक तलवार निकली। वो कौन था? प्रकाशितवाक्य का सफेद घुडसवार। तलवार पर ध्यान दें। "उसके मुंह से एक तेज दो धारी तलवार निकलती है," वो वचन। और, अंत में, उनके वचन के द्वारा, जब यह परमेश्वर के सारे पुत्रों के लिए प्रकट होता है, तो वह अपने इस वचन के साथ, उसके तेज तलवार के द्वारा, हर एक राष्ट्र को रौंद देगा। यहां देखें कि क्या होता है, जैसा कि हम इसमें जाते हैं:

> *और... वह अपने दाहिने हाथ में सात तारे लिए हुएऔर उसके मुख से दोधारी तलवार निकलती थी, और उसका मुंह ऐसा प्रज्वलित था, जैसा सूर्य कड़ी धूप के समय चमकता है।*

218 "एक तेज दो धार वाली तलवार।" इस व्यक्ति के मुंह से क्या निकल रहा था? परमेश्वर का वचन। ये एक तेज दो धार वाली तलवार है। ये क्या कर रही थी? ह्रदय के विचारों को, इरादों को जांचती है; यहां तक गुदे से भी अंदर, मांस, लहू की कोशिकाओं, हड्डी के अंदर, हड्डी के तत्व से भी आगे, उससे भी आगे गह्रराई में जाकर, यहां तक कि विचारों को जांचते हुए और ह्रदय के इरादों को। यही परमेश्वर का वचन करता है।

219 "और यह वचन देहधारी हुआ था और हमारे बीच डेरा किया था।" और अब उसकी कलीसिया में वचन देहधारी हुआ, हमारे बीच में डेरा करता है। उसके दूत उसके हाथ में है, सेवकाई करते हुए। परमेश्वर उसके कलीसिया पर निर्भर कर रहा है। परमेश्वर हम पर भरोसा कर रहा है कि इस युग में हम इस सुसमाचार के उजियाले को इस एक मरते हुए, मूर्तिपूजा को मानने वाले, रीतीरिवाज़ के संसार में लेकर आये। परमेश्वर ने मेरे और आपके ऊपर बोझ को डाला है, हाय हम पर यदि वो मूर्तिपूजक संसार बिना जाने मर जाता है! ओह, वे पढ़ते है, लिखते है और अंकगणित के काम को करते जाते है और कुछ धार्मिक पर्चो को छपवाते है, और उन्होंने धर्मांतरण के एक समूह से अधिक और कुछ नहीं बनाया है। मेरा मतलब है सुसमाचार! सुसमाचार केवल वचन ही नहीं है। पौलुस ने ऐसा कहा। पौलुस ने कहा, "सुसमाचार केवल वचन के जरिये से ही हमारे पास नहीं आया,

लेकिन उस वचन के प्रगटीकरण से।" जब वचन, पवित्र आत्मा के द्वारा... वचन को हृदय में बोया जाता है, जिसने पवित्र आत्मा को पाया है, और उसे उत्पन्न करता है जो वचन कहता है, उसे करेगा। और वो वचन हृदय के विचारों को जाँच सकता है! महिमा! ओह, प्रभु! ओह! विचारों को जांचने वाला और हृदय के इरादों को, वो वचन करता है।

220 उसके मुंह से निकलता है, एक तेज दो धार वाली तलवार, मुर्तिपुजको को जगाती है। इन दिनों में से किसी एक दिन कुछ तो होने जा रहा है। जी हाँ! परमेश्वर का वचन, उसका नाम परमेश्वर का वचन था, वचन प्रकट बना। देखो, यीशु ने कहा, "सारे संसार में जाओ," मरकुस 16, कलीसिया के लिए अपनी अंतिम सलामी दी, इससे पहले वह कलीसिया युग में खुद को प्रकट करने के लिए वापस लौटे। उसने कलीसिया को आज्ञा दी, "सारे संसार में जाकर और हर एक सृष्टी को सुसमाचार का प्रचार करो।" क्या? सुसमाचार को प्रचार करो। मरकुस 16, "हर एक सृष्टी को सुसमाचार का प्रचार करो।" वह क्या है? दूसरे शब्दों में, "पवित्र आत्मा की सामर्थ को प्रदर्शित करो," जो करना था।

221 अब देखो, "हर के लिए... " ना ही केवल वचन को सिखाना; उसने ऐसा कभी नहीं कहा, "जाकर वचन को सिखाओ।" उसने कहा, "जाकर सुसमाचार प्रचार करो।" वचन को नहीं सिखाना है, सुसमाचार का प्रचार करना है। "और ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो इस सुसमाचार का विश्वास करते हैं; मेरे नाम में वे शैतानों को बाहर निकालेंगे, वे नई–नई भाषा में बोलेंगे, यदि वे एक सांप को भी उठा लेंगे या कुछ घातक वस्तु भी पी जाये तो उनकी कुछ हानी नहीं होगी; यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जायेंगे।"

222 "और वे आगे बढ़े," वचन ने कहा, "हर कहीं प्रचार करते हुए; प्रभु उनके साथ काम कर रहा था, वे चिन्ह पीछा करते हुए वचनों को प्रमाणित कर रहे थे।" यही सुसमाचार है, वो सुसमाचार प्रदर्शन पर है।

223 ये चिन्ह कितनो का पीछा करेंगे? संसार के अंत तक, हर युग के लिए। वहां वो छोटा सा कुछ ही संख्या का झुण्ड वहां से होते हुए नीचे की ओर आ रहा है, उस उजियाले को पकडे हुए। कोई आश्चर्य नहीं कि यीशु ने कहा, "डर मत, छोटे झुंड, यह तुम्हारे पिता को भाया है कि तुम्हें राज्य

को दे दे।" छोटा सा झुंड; हमेशा ही कुछ ही संख्या में रहा है, ना ही बहुत अधिक संख्या में।

224 तो ठीक है, अब एक और हवाला दूंगा। और हमने 20 वां पद लिया, तो अब यहां इस पद को यहां पर देखते हैं। अब 16 वा:

*और उसके दाहिने हाथ में सात तारे थे:...*

225 अब लेते हैं... और... उसका मुख:

*... और उसके मुख से चोखी दोधारी तलवार निकलती थी; और उसका मुंह ऐसा प्रज्वलित था, जैसा सूर्य कड़ी धूप के समय चमकता है।*

226 यदि आप... आइए देखे, मत्ती 17। आइये अब इसे लेंगे, जबकि हम इस पर हैं; सो हम अभी इसमें से होकर जा रहे हैं, और उन लोगों में से कई जो इसे ले रहे हैं, आइये... या इसे लिख रहे है, हम बस उन्हें पढेंगे ताकि हम जान सकें।

227 मत्ती 17, तो ठीक है:

*... छः दिन के बाद यीशु ने पतरस और याकूब और उसके भाई यूहन्ना को साथ लिया, और उन्हें एकान्त में किसी ऊंचे पहाड़ पर ले गया।,*

*और उनके साम्हने उसका रूपान्तर हुआ, और उसका मुंह सूर्य की नाईं चमका और उसका वस्त्र ज्योति की नाईं उजला हो गया।*

228 उसका रूपांतरण हुआ। उसने क्या किया? उसका रूपांतर हुआ। उसने क्या किया? अपने आप को रूपांतरण में लाया, सीधे उसके आगमन के दिन में। अब देखिए, इसके कुछ ही घंटे पहले ही, यीशु ने अगले अध्याय में यहां इस हवाले को दिया था, "मैं तुमसे सच–सच कहता हूं, कि कोई यहां खड़े हैं... " कितने लोग जानते हैं कि मैं क्या कहने जा रहा हूं? "उन में से कितने ऐसे हैं; कि जब तक मनुष्य के पुत्र को उसके राज्य में आते हुए न देख लें, तब तक मृत्यु का स्वाद कभी न चखेंगे।" क्या यह सही है? और उसने तीनों गवाहों को लिया पतरस और याकूब और यूहन्ना, क्योंकि पुराने नियम में हर एक चीज, हर एक छोटा सा वचन, तीन गवाहों के द्वारा प्रमाणित किया गया था, और उन्हें पहाड़ पर लेकर गया।

229 ध्यान देना पहले क्या आता हैं। ओह, मैं अब यहीं पर नहीं रुक सकता, मुझे अब इसे लेना होगा। देखो! सबसे पहली चीज उन्होंने क्या देखी? वे यीशु को पहाड़ पर ले गए... मतलब वो उन्हें ऊपर पहाड़ पर ले गया, और वह उनके सामने परिवर्तित हुआ, रूपांतरित हुआ। उसके वस्त्र सूर्य के समान चमक रहे थे, और वहाँ पर उसे मूसा और एलिय्याह दिखाई दिए। मनुष्य का पुत्र अब किस रूप में आ रहा है? और पहले, उपस्थित होंगे, जो मूसा और एलिय्याह होंगे।

230 अब, ध्यान दें, इससे पहले यीशु धरती पर लौटे... अब, यह समय से थोड़ा आगे है, लेकिन एलिय्याह की आत्मा धरती पर वापस आएगी और बच्चों के ह्रदयो को वापस पिता की ओर फेरेगा। बाइबिल ऐसा कहती है। यीशु ने उसे यहां पर देखा, प्रेरितों ने उसे यहां पर देखा, महिमा पाये हुए मनुष्य के पुत्र के आगमन के क्रम को। उसे महिमावंत होना है और वापस आना है। पहली चीज, इससे पहले कि वे उसे देखते, वो क्या थी? एलिय्याह। उसके बाद क्या? मूसा; इस्राएल वापस लौट रहा है, नियम को मानने वाले। और उसके बाद महिमा पाए हुए मनुष्य के पुत्र को। हाल्लेलुय्या! क्या आप उसके आगमन के क्रम देख रहे हैं? एलिय्याह की आत्मा, या अंतिम कलीसिया युग का गवाह। देखो, सामर्थ में आ रहा है, ताकि उसे प्रकट करे।

231 फिर एक लाख चवालीस हजार यहूदी सिनय पर्वत पर इकट्ठा होते है, जहां इस्राएल अपने आप में एक राष्ट्र बन जाता है; संसार का सबसे पुराना राष्ट्र, संसार का सबसे पुराना झंडा; उनका अपना राष्ट्र है, उनका अपना झंडा है, उनकी अपनी सेना है, उनका अपना पैसा है और बाकी हर एक चीज। वे राष्ट्रों के संघ के सदस्यों में से एक हैं क्योंकि वे एक राष्ट्र हैं। यीशु ने कहा कि उन्हें तब तक कभी निकाला नही जायेगा जब तक कि सारी बातें पूरी न हो जाये।

232 यह रहस्य की बात है कि यहूदियों का वह झुंड, हर स्थान पर सताया गया, और अस्वीकृत हुआ, और निकाला गया और बाहर फेंका गया, जैसे कलीसिया इन अस्वीकृति के युगों में से होते हुए आयी है, और फिर भी यीशु ने कहा, "जब तुम अंजीर के पेड़ की कलियाँ खिलते हुए देखते हो, वो राष्ट्र फिर से एक राष्ट्र बनने के लिए वापस आ रहा है, समय निकट है, वरन द्वार पर है। मैं तुमसे सच कहता हूं, जब तक ये सब बातें पूरी न हो लें,

तब तक यह पीढ़ी जाती न रहेगी।" यह तनाव... यह लोग जाते न रहेंगे। हिटलर ने उन्हें मारने की कोशिश की, मुसोलिनी ने उन्हें मारने की कोशिश की, स्टेलिन ने उन्हें मारने की कोशिश की, हर किसी ने, लेकिन वे कभी भी कलंकित नहीं होंगे, या धरती पर से लुप्त नहीं होंगे, वे एक ऐसे लोग होंगे और वहां पर एक राष्ट्र खड़ा होगा। आमीन!

233 वहां मूसा और एलिय्याह आयेंगे। ओह! आशा करता हूं कि आप इसे समझ जायेंगे।

234 तो ठीक है, "सूर्य अपनी शक्ति में चमक रहा है," उसका मुख, रूपांतरित, परिवर्तित हुआ। अब एक और चीज, प्रकाशितवाक्य 21:23 में है, यदि आप इसे लिख कर रखना चाहते हैं। नए येरुशलम 21:23 में, वह मेम्ना है जो उस नगर में है, जो इसका उजियाला है, चमक रहा है; इसलिए उन्हें नगर में उजियाले की आवश्यकता नहीं थी, सूर्य इसमें उदय नहीं होगा, क्योंकि शहर के मध्य में जो मेम्ना है, वही उजियाला होगा। और जो राष्ट्र बचाये गये हैं वे उस मेमने के उजियाले में चलेंगे! आमीन! वह मेमने का उजियाला है। ओह, क्या आप इसके बारे में आनंदित नहीं हैं?

235 केवल इतना ही नहीं, लेकिन वह आने पर भी है (यूहन्ना ने उसे प्रभु के दिन पर देखा), धार्मिकता का सूर्य। आइये मलाकी में जायेंगे। मलाकी जो पुराने नियम का अंतिम भविष्यव्यक्ता है। मलाकी का 4 वां अध्याय।

236 मेरे पास मेरी बहुमूल्य पत्नी के बारे में बताने के लिए एक छोटी सी कहानी है। मैंने उसे हमारे विवाह से पहले एक कठिन समय दिया, मैंने हमारे विवाह के बाद इसे पूरा करने की कोशिश की। और मैं नहीं जानता था कि मैं फिर से विवाह करना चाहता हूं या नहीं, और इसलिए वह पूरी तरह से टूट गई थी। और मैंने सोचा कि वह बहुत ही एक अच्छी लड़की थी बस उसे छोड़ दू, ताकि कोई अच्छा पुरुष उससे विवाह करे जो उसका ख्याल रख सके। और मैंने यह भी सोचा कि मैं इसके योग्य नहीं हूं; और मैं उसकी, किसी भी तरह दया के योग्य नहीं हूं। इसलिए वह पूरी तरह टूट गयी थी और नहीं समझ पा रही थी कि क्या करना है। यह बात कोई बीस वर्ष पहले की है। वह बहुत टूट गयी सी गई थी, वह दिन और रात रोने लगी। और मैं उससे दूर होने की कोशिश कर रहा था, इसलिए नहीं कि मैं उससे प्रेम नहीं करता था, क्योंकि मैं उसका समय नहीं लेना चाहता था; क्योंकि, वो कोई तो ढूंढ ले, कोई तो भला व्यक्ति, क्योंकि वह बहुत ही अच्छी लड़की है बस

वो इसी तरह से करे, और मुझे... बस उसके साथ और उस तरह की चीजों के साथ जाना। और मैंने—मैंने सोचा कि वह मुझसे प्रेम करती है, और मुझे पता है कि मैं उससे प्रेम करता था। सो मैंने सोचा, "तो ठीक है, मैं बस कोशिश करूँगा... मैं किसी और लड़की के साथ घुमुंगा और यहां–वहां जाऊंगा, और उसे मेरे प्रति बुरा महसूस कराऊंगा।" मैंने उसे मार डालना चाहा, मुझे इसके बाद बहुत बुरा लगा था; वह पूरी तरह से टूट गयी। मैंने उससे कहा, मैंने कहा, "तुम बहुत अच्छी लड़की हो, मैं—मैं इस तरह से तुम्हारा समय नहीं लेना चाहता।"

237 और उसने कहा, "लेकिन मैं—मैं केवल *तुमसे* प्रेम करती हूं, बिल, और तुम केवल एक ही हो जिससे मैं प्रेम कर सकती हूं।" कहा, "मैंने—मैंने हमेशा तुम्हें प्रेम किया है।"

मैंने कहा, "मैं—मैं इसकी सराहना करता हूं। लेकिन," मैंने कहा, "तुम जानती हो," मैंने कहा, "मैं एक एकांत में रहने वाला व्यक्ति हूं।" मैंने कहा, "मैं—मैं बस एक एकांत में रहने वाले की तरह जीने जा रहा हूं। देखो, मैं—मैं बिल्कुल ही विवाह नहीं करने वाला।"

238 और वह बिल्कुल उस पर बनी हुई थी, आप जानते हैं, बेचारी छोटी लड़की। और वह बाहर झोपड़े में चली गई। और वो वहां पर चली गई, और वह अपने घुटनों पर आई, और उसने कहा, "प्रभु, मैं नहीं जानती कि क्या करना है। मैं—मैं आपकी आज्ञा का उलंघन नहीं करना चाहती, और अब भी मैं बिल से प्रेम करती हूं, और मैं नहीं जानती कि क्या करना है। परमेश्वर, क्या आप मुझे थोडा सा आश्वासन देंगे? क्या आप बस मेरी थोड़ी सहायता करेंगे? मैंने अपने जीवन में इससे पहले कभी आपसे यह नहीं माँगा था, परमेश्वर, और मैं आशा करती हूं कि मैं आपसे फिर कभी नहीं मांगूगी," उसने कहा, "लेकिन यदि आप केवल मेरी सहायता करे, और मैं इस बाइबिल को खोलुंगी, और आप मुझे एक वचन को दीजिये। मैंने लोगों को यह कहते सुना है कि आपने ऐसा किया है।" और जब उसने इसे खोला, तो यह मालाकी 4 था:

> *देखो, मैं... यहोवा के उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहिले, मैं तुम्हारे पास एलिय्याह नबी को दूंगा... या भेजूंगा:*

239 उसने कहा, "मैं वहाँ से उठी, बस पूरी तरह से संतुष्ट होकर कि जैसे कुछ भी हो हम विवाह करने जा रहे थे।" समझे?

*क्योंकि देखो, वह धधकते भट्ठे का सा दिन आता है, जब सब अभिमानी... और सब दुराचारी लोग अनाज की खूंटी बन जाएंगे, और उस आने वाले दिन में वे ऐसे भस्म हो जाएंगे कि उनका पता तक न रहेगा, सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।*

*परन्तु तुम्हारे लिये जो मेरे नाम का भय मानते हो, धर्म का सूर्य* (S–u–n) *सूर्य उदय होगा, और धर्मीजन उठ खड़े होंगे चंगाई उसके पंखो में के साथ है;...*

240 "सूरज अपनी शक्ति में चमक रहा है।" ओह! हमारे बीच में आज रात परमेश्वर के पुत्र की शक्ति चमक रही है। सात सुनहरे धुप दान के साथ हमारे बीच में खड़ा हुआ उसके सात प्रकार के व्यक्तित्व में, एक न्यायी के रूप में। उस एक के नाई जिसने हमारे लिए सहन किया और मर गया, और खुद पर दैविक न्याय को लिया, और दाख को रौंदता है, जो परमेश्वर की जलजलाहट है। पापी के लिए वो एक भयानक जल प्रभात है, आप के लिए जीवन के समुद्र पर प्राण को छोड़ देना हैं। और कलीसिया के लिए, एक मधुर उद्धार, विश्राम में लंगर डाले हुए और बुलबुलाते हुए कल–कल की आवाज़ को सुनना, जैसे आप वहां पड़े हुए और विश्राम कर रहे हो, पूरी तरह से मसीह में संतुष्ट हैं। क्या ही समय है! अपनी गर्म किरणों के साथ हम पर चमकता है, "डर मत, मैं वो हूं जो था, जो है, और आने वाला है। मैं सर्वशक्तिमान हूं, मेरे अलावा और कोई नहीं है। मैं अल्फा और ओमेगा दोनों हूं, और मैं उसे मुफ्त में दे दूंगा, जो उस जीवन के जल के झरने के लिए प्यासा है।" ओह, क्या ही प्रतिज्ञा है और क्या ही ये प्रेम संबंध है! और मेमना नगर के बीच में है, जहाँ उजियाले की कोई आवश्यकता नहीं है, और वह उसके पंखों में चंगाई के साथ धार्मिकता का सूर्य है।

वह घाटी के सोसन का फुल है, और चमकता भोर का
तारा,
वह मेरे प्राण के लिए दस हजार के अनुकूल है।

मेरे दुख में वह मेरा विश्राम है, मुसीबत में वह मेरा
निवास है,
वह मुझे हर एक चिंता को उस पर डालने के लिए
कहता है। हाल्लेलुय्या!

वह घाटी के सोसन का फुल है, और चमकता भोर का
तारा,
वह मेरे प्राण के लिए दस हजार के अनुकूल है।

241 जी हाँ, श्रीमान! ओह, वह महान भोर का तारा, जैसा कि वो चमकने के लिए निकलता है, आने वाले दिन को अभिवादन करते हुए, इसे अभिवादन करते हुए, कहते हुए, "वो दिन निकलने के लिए तैयार हो रहा है, पुत्र नजदीक आ रहा है," और वह अपने आप को अन्य सभी तारों के पीछे से ऊपर लाता है (ओह, प्रभु।) अपने पंखों में चंगाई के साथ।

242 अब वापस हमारे संदेश पर जाते हुए। और हम अब बंद कर रहे हैं, कल रात के लिए तैयार होने के लिए, क्योंकि समय पौने नौ तक का है, हम किसी को बहुत समय तक रोके नहीं रखना चाहते हैं, तब सो हम यहां हो सकते हैं।

243 तो ठीक है, धार्मिकता का सूर्य उसके पंखों में चंगाई के साथ है। अब उसका मुख। वह एक न्यायी था, या दूसरी चीज यह दिखाने के लिए कि वह प्रभु के दिन पर था। क्या आप यह विश्वास करते हो? वह प्रभु के दिन में चला गया और प्रभु को एक न्यायी के रूप में देखा; ना ही याजक के रूप में, ना ही राजा के रूप में, लेकिन एक न्यायी के रूप में। वह एक न्यायी हैं। क्या आप यह विश्वास नहीं करते? बाइबल कहता है कि वह एक न्यायी है। और यहां वह पूरी तरह से न्यायी के रूप में तैयार था, यह दिखाते हुए कि उसने क्या किया था; वह क्या था: वह पापी के लिए क्या था, वह मसीही के लिए क्या था। और अब यहां पर बहुत से जल की आवाज़ के साथ खड़ा है, और उसका मुख सूर्य की नाई चमक रहा था।

244 अब परिणाम, 16 वा पद। "और... " नहीं, मैं आपसे क्षमा चाहता हूं, यह 17 वां पद है:

*और जब मैंने उसे देखा, तो मैं उसके कदमो पर मुर्दों सा गिर पड़ा...*

245 प्रभु! वो भविष्यव्यक्ता और अधिक नहीं खडा हो सका, देखा, क्या ही दर्शन है। उसने बीस—उसने बस अपनी शक्ति को खो दिया, और वह उसके पैरों पर सीधा मुर्दों सा गिर पड़ा। अब देखे:

*... और उसने मुझ पर अपना दाहिना हाथ रखा, और मुझ से कहा; डर मत मैं पहला और अंतिम हूं:*

246 ओह, प्रभु! ना ही एक भविष्यव्यक्ता, परमेश्वर! "मैं पहला और अंतिम हूं। मैं प्रकाशन का पहला, प्रकाशन का अंतिम हूं। मैं वो हूं जो था, मैं वो हूं, जो है, मैं वो हूं जो आ आने वाला है।" आइये देखते हैं:

*मैं हूं... मैं...*

*... और उसने मुझ पर अपना दाहिना हाथ रखा, और मुझ से कहा; मैं पहला और अंतिम हूं:*

*मैं मर गया था, और अब देख; मैं युगानुयुग जीवता हूं;* (ठीक अभी और फिर वह चिल्ला उठा;) *आमीन; और मृत्यु... और अधोलोक की कुंजियां मेरे ही पास हैं।*

247 अब, डरो मत। हम क्यों डरे? कलीसिया क्यों उसके वचन रखने के लिए... उसके वचन के बारे में सोचने से विफल रही है? आइये यहां बस एक मिनट के लिए रुकते हैं, क्योंकि हम बंद कर रहे हैं। यह कलीसिया हमेशा ही क्यों डरती है? जो भी उसने प्रतिज्ञा की है तो क्या उसने हमारे सामने प्रकट नहीं की है? आपको एक सजा का डर क्यों लगता है या उसके बाद का? "डर मत! मैं वो हूं जो था, वह जो है और आने वाला है। मैं पहला और अंतिम हूं। मेरे पास ठीक यहां अधोलोक और मृत्यु की कुंजी है।" क्यों? "मैंने जय पायी है और अधोलोक और मृत्यु दोनों पर जय को पाया है (जो कि कब्र और अधोलोक दोनों ही हैं; स्वयं मृत्यु, स्वयं अधोलोक पर।) तुम्हारे लिए जय को पाया है। मैंने इस सब पर जय पा लिया है। मैंने नरक, मृत्यु, कब्र पर जय पा लिया है।" जब वह धरती पर था, तो वो ही केवल था...

248 बहुत से पुरुषों ने जीतने के लिए ठान लिया था। क्या आपको यह पता था? नेपोलियन ने संसार को जीतने के लिए ठान लिया, और उसने तैंतीस साल की उम्र में इसे कर दिया। सत्रह से पच्चीस वर्ष की आयु में, नेपोलियन मधनिषेधवादी था, वह शराब पीने या कुछ भी करने में विश्वास नहीं करता था। वह फ्रांस गया। वह एक फ्रांसीसी नहीं था, वह एक द्वीप से आया था, वो वहां पर चला गया यहां तक वहां फ्रांस को भी जितने के लिए, क्योंकि वह इसे पसंद नहीं करता था, वो फ्रांस को पसंद नहीं करता था। लेकिन उसने जय को पाया था। और उसने आगे बढ़कर और उसने फ्रांस को जीत लिया, और उसने उन फ्रांसीसी लोगो को लिया और संसार को जीत लिया। और तैंतीस वर्ष की उम्र में वह बैठकर और रोने

लगा क्योंकि वहाँ जय पाने के लिए कोई और नहीं था, और एक शराबी बनकर मर गया। पराजित हो गया, वह खुद पर भी जय नहीं पा सका। देखा? और उसके बाद उसे वाटरलू में अपनी पराजय को सामना किया, उसने वाटरलू में उसके अंत का सामना किया। मैं वहां पर गया हूं और पुराने प्राचीन चिन्हों के अवशेषों और चीजों को देखा है, जब हम उस देश में थे। अब, हम उस विजेता को ले, उसने एक युवक के रूप में आरंभ किया था और उसने जीत के लिए गलत दिशा को अपनाया, और वह मर गया, एक अपमानजनक।

249 लेकिन एक समय में एक और युवा व्यक्ति संसार में आया था। वह तैंतीस वर्ष की उम्र में मर गया और उसने उन सब चीजो पर जय को पाया जिसे वो जय पा सकता था। जब वह धरती पर था उसने जुनून पर जय प्राप्त की, अभिमान, उसने बीमारी पर जय प्राप्त की, उसने शैतान पर जय प्राप्त की। जब वह मरा, तो उसने मृत्यु पर जय पायी। जब वह जी उठा, तो उसने अधोलोक पर जय को पा लिया। वह ऊपर गया और वो सब कुछ जीत लिया जो मनुष्य जाति के विरोध में है और उड़ाना... परमेश्वर के दाख के कुण्ड में और इसे कुचल दिया और मृत्यु, नरक, कब्र, बीमारी, औपचारिकता, बाकी हर एक चीज को, और इस सब को जीत लिया, और तीसरे दिन जी उठा और ऊपर के सारे वातावरण पर जय प्राप्त की, और परमेश्वर और मनुष्य के बीच के उस कोहरे को हटा दिया, और स्वर्ग और पृथ्वी को एक साथ जोड़ दिया। महिमा! ओह, प्रभु! व्यूह!

250 वहाँ पर वो सामर्थी विजेता खड़ा हुआ है क्योंकि उसने पर्दे को दो भाग किया था, वहाँ है वो। उसके पास मृत्यु और अधोलोक दोनों की कुंजी है जो मेरी तरफ लटक रही है, "डर मत।" उसके दाहिने हाथ को (उसकी सामर्थ) उस पर रखा, और उसके दाहिने हाथ की सामर्थ से उसे ऊपर उठाया, कहा, "डरो मत, मैं वो हूं जो था, और वो जो है, और आने वाला है। मैं पहला और अंतिम हूं। मैं वो हूं जो जीवित था, और मरा, और फिर से हमेशा के लिए जीवित हूं। आमीन!" ओह!

देखो! उस सामर्थी विजेता को देखो,
देखो! स्पष्ट दृश्य में उसे देखो,
वहाँ वो खड़ा है, सामर्थी विजेता,
क्योंकि उसने पर्दे को दो भाग किया है।

251 आमीन! मनुष्य जाति से हर एक बाधा को काट दिया, जिससे उन्हें जोड़ा जा सके जैसे अदन के बगीचे में। अब, मनुष्य... मैं इस बात से आपका दम घुटाने जा रहा था, लेकिन मैं इसे कहूंगा। मनुष्य सर्वसामर्थी है। आप इसे विश्वास नहीं करते, लेकिन वो है। एक मनुष्य जो पूरी तरह से परमेश्वर के सामने समर्पित होता है वो सर्वसामर्थी है। क्या उसने नहीं कहा, मरकुस 11:22 में, "जो कुछ भी चीजो को तुम कहते हैं, और अपने ह्रदय में संदेह न करे, यह पूरा हो जायेगा। तुम्हारे पास यह हो सकता है जो तुमने मांगा है"?

252 क्या होता है जब दो सर्वसामर्थी मिलते हैं? जब परमेश्वर और मनुष्य एक साथ आते हैं, दो सर्वसामर्थी, कुछ तो हिलावट होने जा रही हैं। कुछ... जो भी आप परमेश्वर की सर्वसामर्थ की उस सृष्टि करने वाली सामर्थ के साथ कहते हो, यह जानते हुए कि उसने इसकी प्रतिज्ञा की है, और उसने इसे अपने वचन में कहा है, यह एक ऐसी सामर्थ की सृष्टि करता है जो बाहर की ओर जाती है और चीजों को पूरा करती है, वे चीजें जो है ही नहीं, इसे बनाती है, वे जैसे कि हालाँकि होती हैं, क्योंकि दो सर्वसामर्थी मिले हैं। वहाँ पर वो खड़ा होता है! ओह, क्या यह अद्भुत नहीं है!

253 आइये देखते हैं कि क्या हमारे पास कुछ और अच्छी चीजें है। 18 वा पद, अब 19 वा पद। यूहन्ना, क्या हुआ जब उसने उसका मुख देखा? परिणाम? वह उसके कदमो में गिर पड़ा; वह बस और नहीं खड़ा हो सका, उसका मनुष्य जीवन शक्तिहीन हो गया, वह बस इसे नहीं कर सका। वह एक जयवंत था, उसने पहले ही जय को प्राप्त कर लिया था।

254 अब वह एक आदेश को देता है, और फिर हम अध्याय को समाप्त करना आरंभ करते हैं, यह 19 वां वचन है:

> *इसलिये जो बातें तू ने देखीं हैं और जो बातें हो रही हैं; और जो इस के बाद होने वाली हैं, उन सब को लिख ले।*

255 हमने 20 वा पद लिया है:

> *अर्थात उन सात तारों का भेद जिन्हें तू ने मेरे दाहिने हाथ में देखा था... और उन सात सोने की दीवटों का भेद, वे सात तारे सातों कलीसियाओं के दूत हैं, और वे सात दीवट सात कलीसियाएं हैं।*

256 ओह! यह असाधारण है, मित्रो। उसे वहाँ सर्वोच्च में देखना... उसकी दैविकता की सर्वोच्चता। वह न्यायी है, याजक, राजा, उकाब, मेम्ना, सिंह, अल्फा, ओमेगा, पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा है; वह जो था, जो है, और आने वाला है। परमेश्वर की जलजलाहट की मदिरा के कुंड में दाख रौंद दिया, और हर चीज को प्रसन्न किया, इतना तक परमेश्वर ने क्रूस पर कहा था... जब वह जी उठा, उसने कहा, "यह पूरा हुआ है!" परमेश्वर को इतना प्रसन्न किया, इतना तक कि आत्मा ने जो उसे छोड़ दिया था, ईस्टर की सुबह को वापस आकर और हमारे धर्मिकरण के लिए उसे जिलाया।

257 वहाँ यूहन्ना ने देखा और उसे वहाँ पीतल के पैरों के साथ खड़ा हुआ, आँखें आग की ज्वाला की इधर से उधर सारी धरती भर में घुम रही थी। दानिय्येल ने उसे इससे सात सौ वर्ष पहले देखा था, उसी स्थिति में, उसी प्रकार से, वही पुरुष वहाँ खड़ा हुआ था, जो प्राचीन काल का था, और वो मनुष्य के पुत्र जैसा था जो उसके साथ जुडा हुआ था, और सारे न्याय उसे सौपे गये थे, सफ़ेद सिंहासन के न्याय में खड़ा हुआ था।

258 इन चीजों को देखते हुए, हमें किस तरह के लोग होना चाहिए, मित्रो? परमेश्वर आपको आशीष दे मेरी प्रार्थना है। समझे? क्या आप उससे प्रेम करते है? क्या आप उस पर विश्वास करते हैं? क्या आपने अपने प्राण को उसमें लंगर किया है?

259 आइये हम कुछ क्षण के लिए अपने सिरों को झुकाये।

260 बस शांतिपूर्वक और धीमे से, जैसा कि हम शांतिपूर्वक गाने जा रहे हैं, *मैंने अपने प्राण को विश्राम के आश्रय स्थल में लंगर किया है*, "मैं उन कल–कल करते हुए जल धाराओ को कभी भी नहीं सुनूंगा कि मेरे प्राण को दूर भेज दे, लेकिन यह मेरे प्राण के लिए मधुर शांति से बात करेगा।" अब शांतिपूर्वक, हर एक जन आदरपूर्वक।

मैंने अपने प्राण को विश्राम के एक बंदरगाह में लंगर
किया है,
मैं प्रचंड समुद्र पर और समुंद्री यात्रा नहीं करूंगा;
वो, आंधी शायद तेजी से प्रचंड हो, तेज तूफान
मैं यीशु में हमेशा के लिए सुरक्षित हूं।

मैंने अपने प्राण को विश्राम के एक बंदरगाह में लंगर
किया है,
मैं प्रचंड समुद्र पर और समुंद्री यात्रा नहीं करूंगा;
वो, आंधी शायद तेजी से प्रचंड हो, तेज तूफान
मैं यीशु में हमेशा के लिए सुरक्षित हूं।

मुझ पर चमके, (महिमा की किरणे, प्रभु,) प्रभु, मुझ
पर चमके,
उस उजियाले घर का उजियाला मुझ पर चमकने दे;
ओह, मुझ पर चमके, प्रभु, मुझ पर चमके, (आओ हम
उसके लिए अपने हाथ को ऊपर उठाये।)
उजियाले घर का उजियाला मुझ पर चमकने दे;

यीशु के समान बनू, (हाँ, प्रभु।) यीशु के समान बनू,
धरती पर मेरी लालसा है उसके समान बनने की;
सारी जीवन की यात्रा के दौरान धरती से महिमा तक,
मैं केवल उसके समान बनने के लिए मांगता हूं।

[भाई ब्रंहम गीत को गुनगुनाने लगते है—सम्पा।]

... हे आश्चर्यजनक उद्धारकर्ता,
जीवन की यात्रा के दौरान धरती से महिमा तक,
मैं केवल उसके समान बनने के लिए मांगता हूं।

261 क्या आप पसंद करेंगे कि उसका जीवन को आपके अंदर रहे, उसकी उपस्थिती को प्रतिबिंब करते हुए? यदि आप पसंद करते है, और आपके पास अभी तक ये नहीं था, तो क्या आप प्रार्थना के लिए खड़े होंगे? वे लोग जिनको प्रार्थना में याद करना चाहते हैं। परमेश्वर आपको आशीष दे।

बेथलेहम की चरनी से... (बस अब खड़े ही रहेंगे,
बस साथ ही... )... एक अजनबी आगे आया, (आप
संसार के लिए एक अजनबी होंगे।)
धरती पर मेरी लालसा है उसके समान बनने की;
सारे जीवन की यात्रा के दौरान धरती से महिमा तक,
मैं केवल उसके समान बनने के लिए मांगता हूं।

बस यीशु के समान बनू, समान बनू... (यही मेरी इच्छा है।)
धरती पर मेरी लालसा है उसके समान बनने की;
सारे जीवन की यात्रा के दौरान धरती से महिमा तक,
मैं केवल उसके समान बनने के लिए मांगता हूं।

[भाई ब्रंहम गीत को गुनगुनाने लगते है—सम्पा।]

... दीन, विनम्र और दीन।

262 अब, स्वर्गीय पिता, वे अपने पैरों पर खड़े हैं, बहुत से जो आपको ग्रहण करना चाहते हैं। वे यहां–वहां बहते–बहते थक गए हैं, वे नही जानते वे कहाँ जा रहे हैं, जीवन की उठती लहरों पर; और हो सकता है कि वे जानते हो कि दिन के उजियाले से पहले ये ह्रदय का धड़कना बंद हो जायेगा, तब उनके आगे विशाल वो जल प्रपात गिरता है, एक बहता हुआ प्राण होगा। वे उनकी तरह ही रहे हैं, वे संसार की तरह रहे हैं, लेकिन वे अब आपके जैसा बनना चाहते हैं, प्रभु। उन्हें अपने राज्य में स्वीकार करें, वे आपके है, पिता, क्योंकि आप उनके ह्रदयो और उनके ह्रदय के इरादों को जानते हैं। और आपने ऐसा लिखा है, और इसे अपने होठों से कहा है, "वो जो मेरे वचनों को सुनकर, और उस पर विश्वास करेगा जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है।" आपने यह भी कहा, प्रभु, "धन्य है वह जो पढता है और वह इस पुस्तक की भविष्यवाणी के वचनों को सुनता है, क्योंकि समय नजदीक है।" वे जानते हैं कि समय नजदीक है। वे अब और ज्यादा नहीं बह सकते, प्रभु। जीवन रेखा को उनकी ओर फेंक कर, उन्हें अपने आप में खींच लीजिये, प्रभु। होने पाए वे इस रात से आगे बढे, यीशु मसीह के उजियाले का प्रतिबिंब करते हुए। मैं उन्हें आपको सौपता हूं, प्रभु परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में। होने पाए वे यहां कलीसिया पर बपतिस्मा में प्रभु का अनुकरण करे; उनके जीवन में पवित्र आत्मा को डाल दीजिये ताकि उनके बाकी दिनों में, वे यीशु की तरह बन सकें। हम इसे उसके नाम से मांगते हैं।

बस यीशु के समान बनू, समान बनू...

263 आप में से कुछ लोग वे सारे जो पास खड़े हुए है या उन लोगो के पास बैठे हुए हैं, जो कि मसीही हैं, उनके पास जाकर और उनके हाथ को पकडे और उनसे हाथ मिलाये। उन पर अपना हाथ रखे, "आपके प्राण के लिए

प्रभु की स्तुति हो।" यहां हमारी वेदियाँ बच्चों और लोगो से भरी हुई हैं, हम उन्हें यहां नहीं ला सकते है।

जीवन की यात्रा के दौरान धरती से महिमा तक,
मैं केवल उसके समान बनने के लिए मांगता हूं।

मुझ पर चमके, प्रभु, मुझ पर चमके,
उजियाले घर का उजियाला मुझ पर चमकने दे;
ओह, मुझ पर चमके, प्रभु, मुझ पर चमके,
उजियाले घर का उजियाला मुझ पर चमकने दे;

264 क्या आप वास्तव में अच्छा महसूस करते हैं? क्या आपको अच्छा नहीं लग रहा है? क्या आप खुश नहीं हैं कि आप मसीह हैं? किसी से हाथ को मिलाये जो अब आपके पास बैठा हुआ है, जब हम एक स्तुती के गीत को गाने जा रहे है, *हम उजियाले में चलेंगे,* यह सुंदर उजियाला है, प्रभु यीशु मसीह का उजियाला देह में प्रकट हुआ हैं।

हम उजियाले में चलेंगे, क्या ही सुंदर उजियाला है,
आता है जहाँ से दया की कुछ बुंदे उज्वल है;
हमारे चारों ओर, दिन और रात चमकती है,
यीशु, संसार का उजियाला है।

इसे गाये, हर एक जन:

हम उजियाले में चलेंगे, ये एक सुंदर उजियाला है,
आता है जहाँ से दया की कुछ बुंदे उज्वल है;
हमारे चारों ओर, दिन और रात चमकती है,
यीशु, संसार का उजियाला है।

आओ, तुम सारे उजियाले के संत घोषणा करो,
यीशु, संसार का उजियाला है;
तब स्वर्ग की घंटियाँ बजेंगी,
ओह, यीशु, संसार का उजियाला है।

अब अपना हाथ ऊपर उठाये:

हम उजियाले में चलेंगे, सुंदर उजियाला है,
आता है जहाँ से दया की कुछ बुंदे उज्ज्वल है;
हमारे चारों ओर, दिन और रात चमकती है,
यीशु, संसार का उजियाला है।

हम उजियाले में चलते रहेंगे, ये क्या ही सुंदर उजियाला है,
आता है जहाँ से दया की कुछ बुंदे उज्ज्वल है;
बस हमारे चारों ओर, दिन और रात चमकती है,
यीशु, वो संसार का उजियाला है।

हम उजियाले में चलेंगे, (सुसमाचार का उजियाला) सुंदर उजियाला है,
आता है जहाँ से दया की कुछ बुंदे उज्ज्वल है;
हमारे चारों ओर, दिन और रात चमकती है,
यीशु, संसार का उजियाला है।

265 वापस आरंभ में, पेंटीकोस्ट पर जब पवित्र आत्मा कलीसिया पर उतरा। संदेश आगे स्मुरना में आता है; वहाँ आयरेनीयस खड़ा था, जो परमेश्वर का महान संत था, जो अन्य जुबान में बोलता है, परमेश्वर की सामर्थ, मृतकों को जिलाती है, बीमारों को चंगा करती है, वो उजियाले में चल रहा था। उसके बाद कोलम्बा आता है महान सामर्थ से भरा हुआ, वो परमेश्वर का संत। बहुत से अन्य महान संतों ने संदेश को वहां रखा, उजियाले में चलते हुए, जो सुसमाचार का उजियाला है, वही उजियाला जो पेंटीकोस्ट के दिन पर चमका था; मसीह अपने लोगों के बीच में खड़ा है, और वे सात सुनहरे धुप दान उसके तेज को प्रतिबिब करते हुए सूर्य की तरह, उसकी गर्मी के बीच में।

266 यहां हम 1961 में हैं:

हम उजियाले में चलेंगे, ये क्या ही सुंदर उजियाला है,
आता है जहाँ से दया की कुछ बुंदे उज्ज्वल है;
ओह, हमारे चारों ओर, दिन और रात चमकती है,
हे यीशु, संसार का उजियाला है।

आइए खड़े हो जाये:

हम उजियाले में चलते रहेंगे, ये क्या ही सुंदर उजियाला है,
आता है जहाँ से दया की कुछ बुंदे उज्ज्वल है;
हमारे चारों ओर, दिन और रात चमकती है,
यीशु, संसार का उजियाला है।

क्या आप उससे प्रेम करते है?

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं,
क्योंकि (बस इसलिए) उसने पहले मुझे प्रेम किया,
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

267 संसार की चीजों की ओर मैं फिर कभी भी नहीं मुड़ूगा। मैं संसार के लिए मर चुका हूं और संसार मेरे लिए मर चुका है। मैं केवल पवित्र आत्मा की अगुवाही में मसीह में चलता हूं। मैं उससे प्रेम करता हूं क्योंकि वो मुझसे प्रेम करता है, और मुझ पर उसकी आशीषो को चमकाता है, मुझे उसके राज्य में संगती का दाहिना हाथ देता है। अब हम परमेश्वर के पुत्र और कन्या हैं, और यह अब तक प्रकट नहीं हुआ कि हम आखिर में क्या होंगे; लेकिन हम जानते हैं कि हमारे पास उसकी अंपनी महिमामय देह के जैसे एक देह होगा, क्योंकि हम उसे वैसा ही देखेंगे जैसा वो है।

फिर हम उजियाले में चल रहे होंगे, एक सुंदर उजियाला,
जो आता है जहाँ से दया की कुछ बुंदे उज्ज्वल है;
हमारे चारों ओर, दिन और रात चमकती है,
यीशु, संसार का उजियाला है।

268 क्या आप उससे प्रेम करते हैं? आप जानते हैं, संदेश काटता और उसके सब कुछ करने के बाद, मैं लोगों को स्तुती करते सुनना पसंद करता हूं और आत्मा में आराधना करते और गाते जाना। उन अच्छे पुराने गीतों को गाने से सुंदर और कुछ भी नहीं है। ये सही है। मैं पुराने जमाने के पेंटीकोस्टल गायन को पसंद करता हूं; ना ही कुछ ज्यादा ही प्रशिक्षित आवाजे जो साँस को रोके रहते है जब तक उनकी आवाज़ कठोर होकर और उनका चेहरा नीला नहीं पड़ जाता है, और नहीं जानते कि वे क्या गा रहे हैं। मैं किसी को तो पसंद करता हूं जो हो सकता है एक सुर को सही

तरह से नहीं रख सकता हो लेकिन फिर भी उसके पास पेंटीकोस्टल की आशीषे हो, अब वह इसी के विषय में गा रहा है। ओह, कितने—कितने महिमामय वे मधुर क्रूस के गीत है! ओह, प्रभु!

अब हमारा समाप्ती का गीत:

यीशु का नाम अपने साथ ले,
दुःख और शोक की संतान;
ये तुम्हे आनंद और सुकून देगा,
इसे हर कही तुम जाते हो ले जाओ।

कल रात सात बजे, ठीक सात बजे, सभाये आरंभ होगी।

यीशु के नाम पर झुकते हुए,
उसके चरणों में दंडवत करते हुए,
स्वर्ग में राजाओं का राजा, हम उसे मुकुट पहनाएंगे,
जब हमारी यात्रा पूरी हो जायेगी।

अब आइये हम सभी गाये:

यीशु का नाम अपने साथ ले,
दुःख और शोक की संतान;
ये तुम्हे आनंद और सुकून देगा,
इसे हर कही तुम जाते हो ले जाओ।

बहुमूल्य नाम, ओह कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
अनमोल नाम, ओह कितना मधुर! (कितना मधुर!)
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

269 अब, हमने इसे आज रात समाप्त किया। वो... अभी मुझसे पूछा गया, "क्या सुबह में सभा होगी? " नहीं, कल नहीं होगी, कल आप एक अच्छा विश्राम ले ले। हो सकता है कल रात को, मैं उस संदेश को पुरा नहीं ले पाऊंगा, इसलिए मैं इसे अगले दिन पर ले लूंगा। हर बार... मैं इस पूर्ण संदेश को लेने में विफल रहता हूं, मैं इसे अगले दिन ले जाता हूं। लेकिन हम इसके लिए तैयार है, मैं विश्वास करता हूं कि आप पहले से ही कलीसिया युग के लिए तैयार हैं। क्या आप नहीं है? तो ठीक है।

अब हम धीरे–धीरे गाते हुए अपना सिर झुकाये:

यीशु के नाम पर झुकते हुए, (हर जीभ इसे अंगीकार
करेगी।)
उसके चरणों में दंडवत करते हुए,
स्वर्ग में राजाओं का राजा, हम उसे मुकुट पहनायेंगे,
जब हमारी यात्रा पूरी हो जायेगी।

बहुमूल्य नाम, ओह कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, ओह कितना मधुर! (कितना मधुर!)
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

***पतमुस टापू का दर्शन*** HIN60–1204E

(The Patmos Vision)

**यीशु मसीह के प्रकाशन की श्रृंखला**

यह सन्देश हमारे प्यारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार शाम, 4 दिसम्बर, 1960 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफ़रसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकोडिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकोडिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2020 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

## कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:



वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org